THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 289 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.11 2082 बुधवार, 14 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट सावरकर की तस्वीर हटाने की मांग पर सख्त, याचिकाकर्ता को फटकार

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संसद और अन्य सार्वजनिक स्थानों से विनायक दामोदर सावरकर के चित्र हटाने की मांग वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता को जुर्माना लगाने की चेतावनी दी, जिसके बाद याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी गई। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ता बी. बालमुरुगन को फटकार लगाई, भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

आवारा कुत्ता मामला : सुप्रीम कोर्ट ने कहा

'डॉग बाइट' पर भारी मुआवजा तय होगा

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (13 जनवरी) को आवारा कुत्तों के मामले पर अहम सुनवाई करते हुए कड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट में रिहायशी इलाकों में आवारा कुत्तों के आतंक पर संकेत दिया कि वह आवारा कुत्तों के हमलों से होने वाली किसी भी चोट या मौत के लिए नागरिक अधिकारियों और कुत्ते पालने वालों दोनों को उत्तरदायी ठहरा सकता है।

शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की है कि जो लोग आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित हैं, उन्हें उन्हें अपने घरों में ले जाना चाहिए, बजाय इसके कि उन्हें 'इधर-उधर घूमने, काटने और जनता को डराने' दिया जाए। यह मौखिक टिप्पणी तब आई जब न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ आवारा कुत्तों के मुद्दे से संबंधित स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ते

प्रेमियों और उन्हें खाना खिलाने वालों को भी 'जिम्मेदार' और 'जवाबदेह' ठहराया जाएगा।

तय होगी जिम्मेदारी और जवाबदेही :

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा वसूलने की मांग करेंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही इन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं, लोगों को काटते हैं और डराते हैं?

न्यायमूर्ति मेहता ने न्यायमूर्ति नाथ के विचारों से सहमति जताते हुए कहा, जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? क्या उस संगठन को जो उन्हें खाना खिला रहा है? आप चाहते हैं कि हम इस समस्या से आंखें मूंद लें।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट 7 नवंबर, 2025 के अपने उस आदेश में संशोधन की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें अधिकारियों को संस्थागत क्षेत्रों और सड़कों से इन आवारा जानवरों को हटाने का निर्देश दिया गया था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट पिछले साल 28 जुलाई को शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है, जो राष्ट्रीय राजधानी में आवारा कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज, विशेष रूप से बच्चों के बारे में एक मीडिया रिपोर्ट से संबंधित है।

'सनातन धर्म को मिटाना आसान नहीं ये सूरज और चांद की तरह अमर'

सोमनाथ मंदिर को लेकर बोले शाह

गांधीनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति, लोगों की आस्था को खत्म करना आसान नहीं है। अमित शाह ने सोमनाथ मंदिर के बीती सदियों में बार-बार तोड़े जाने और 16 बार पुनर्निर्माण का हवाला दिया। शाह ने कहा कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए, वो मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी उसी जगह पर पूरे गर्व के साथ खड़ा है। अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं। मंगलवार को अमित शाह ने गांधीनगर में 267 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शाह ने कहा, 16 बार तबाह किए

जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर 1000 साल बाद भी पूरे गर्व और सम्मान के साथ खड़ा है और इसके शीर्ष पर धर्मध्वजा लहरा रही है।

गृह मंत्री ने कहा, ये पूरी दुनिया के लिए संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। यह चांद और सूरज की तरह शाश्वत और अमर है। सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

बीती 11 जनवरी को पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया था। यह पर्व सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी के हमले और मंदिर के पुनर्निर्माण के 1000 हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

कांग्रेस बोली-बीजेपी और चीन में कौन सा गुप्त समझौता

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के डेलिगेशन की भाजपा नेताओं से मुलाकाता और चीन के जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी इलाके को अपना बताने पर सवाल उठाए।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सीपीसी-बीजेपी बैठक की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- बीजेपी दफ्तर में बीजेपी नेता और सीपीसी नेताओं के बीच मीटिंग हो रही है। बीजेपी-चीन में कौन सा गुप्त समझौता हुआ? यह रिश्ता क्या कहलाता है? बीजेपी ने देशद्रोह क्यों किया?

इसके अलावा कांग्रेस के एक्स अकाउंट पर चीन के विदेश मंत्रालय का वीडियो पोस्ट किया गया। इसमें मंत्रालय प्रवक्ता माओ निंग कहती हैं- शक्सगाम घाटी चीन का इलाका है, यहां बुनियादी ढांचा बनाना गलत नहीं। कांग्रेस ने पूछा है कि मोदी सरकार की विदेश नीति वेंटिलेटर पर पड़ी है। अब चीन ने जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी को अपना बताया है। मोदी जी 'लाल आंख' का क्या हुआ? दरअसल, सोमवार को दिल्ली में बीजेपी हेडक्वार्टर में बीजेपी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के डेलिगेशन की बैठक हुई।

भारत ने संभाली ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता

> विदेश मंत्री जयशंकर ने थीम और लोगो का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से ब्रिक्स आर्थिक समूह की अध्यक्षता संभाल ली। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता और बदलती चुनौतियों के बीच भारत ने 10 सदस्यीय इस समूह की अपनी अध्यक्षता को नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का संकेत दिया है।

मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की ब्रिक्स 2026 अध्यक्षता की आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने जन-केंद्रित दृष्टिकोण और सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ब्रिक्स को बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना होगा। यह चौथी बार है जब भारत इस समूह की अध्यक्षता कर रहा है। इससे पहले भारत ने 2012, 2016 और कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण दौर में 2021 में भी ब्रिक्स की कमान संभाली थी। भारत की ब्रिक्स 2026 अध्यक्षता के दौरान वैश्विक सहयोग को मजबूत करने, विकासशील देशों की आवाज को सशक्त बनाने और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में आवश्यक सुधारों को आगे बढ़ाने पर विशेष फोकस रहने की उम्मीद है। आज नई दिल्ली में सुषमा स्वराज भवन में आयोजित एक समारोह में जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता समूह के सदस्य देशों की क्षमता को एक साथ लाकर वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देने की कोशिश करेगी।

केंद्र सरकार ने मिजोरम के 5.23 करोड़ माफ किए

असम राइफल्स के खाली किए गए भवनों के देने पड़ते थे पैसे

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र ने मिजोरम सरकार को बड़ी राहत दी है। मिजोरम के मुख्यमंत्री ने कहा कि आइजोल में असम राइफल्स द्वारा खाली किए गए भवनों और अन्य ढांचे के लिए मिजोरम सरकार को जो 5.23 करोड़ रुपये चुकाने थे, उसे केंद्र ने माफ कर दिया है। लालदुहोमा ने कहा कि उन्होंने पिछले साल मई में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय को पत्र लिखकर उनसे इस राशि को माफ करने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने सोमवार देर रात फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मेरे पत्र के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने मुझे एक पत्र भेजा है जिसमें बताया गया है कि मिजोरम सरकार को मूल्यह्रास की लागत का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यह खुशी की बात है कि हमारा अनुरोध स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मिजोरम सरकार और असम राइफल्स के बीच आइजोल से अपने ठिकानों को स्थानांतरित करने के लिए हस्ताक्षरित समझौता हुआ था। इस ज्ञापन के अनुसार, पूर्व सरकार को अर्धसैनिक बल द्वारा खाली की गई इमारतों और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए मूल्यह्रास लागत के रूप में 5.23 करोड़ रुपये का भुगतान करना था।

भ्रष्टाचार कानून पर सुप्रीम कोर्ट जज बंटे

जस्टिस नागरत्ना बोलीं-धारा 17ए असंवैधानिक

जस्टिस विश्वनाथन बोले-प्रावधान खत्म करना नहाने के पानी के साथ बच्चा फेंकने जैसा

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को भ्रष्टाचार के मामलों में सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच से पहले परमिशन लेने की अनिवार्यता पर सुनवाई हुई। जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने इस पर स्प्लिट वर्डिक्ट (बंटा हुआ फैसला) सुनाया। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी अधिनियम) की धारा 17ए की संवैधानिक वैधता से जुड़ा है। इसमें किसी भी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ जांच करने से पहले सरकार की परमिशन लेना जरूरी है। इसी को लेकर विवाद है। सुनवाई में जस्टिस नागरत्ना ने कहा- धारा 17ए असंवैधानिक है। किसी भी जांच के लिए पहले परमिशन लेना जरूरी नहीं। वहीं, जस्टिस विश्वानाथन ने कहा- धारा 17ए संवैधानिक रूप से वैध है। इस प्रावधान को खत्म करने मतलब 'नहाने के पानी के साथ बच्चे को फेंकने' जैसा होगा।

जस्टिस विश्वनाथन ने यह भी कहा कि उन्होंने कहा कि इस प्रावधान को खत्म करना और इसका इलाज बीमारी से भी ज्यादा नुकसानदेह साबित होगा। बशर्ते जांच की मंजूरी लोकपाल या राज्य लोकायुक्त के जरिए तय की जाए।

सीजेआई सूर्यकांत के पास भेजा गया मामला :

जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस विश्वनाथन की अलग-अलग राय के चलते अब मामला सीजेआई सूर्यकांत के पास भेजा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चीफ जस्टिस इस मुद्दे पर सुनवाई के लिए बड़ी बेंच गठित करेंगे, जो अंतिम फैसला देगी। दरअसल एनजीओ सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) एनजीओ ने जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट ने दलील दी कि यह प्रावधान भ्रष्टाचार विरोधी कानून को कमजोर करता है, क्योंकि सरकार से अक्सर जांच की मंजूरी नहीं मिलती।

आईटी के लिए एआई खतरा-चीन से मुकाबले के लिए विनिर्माण भी जरूरी : राहुल गांधी

नीलगिरी, 13 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को तमिलनाडु के नीलगिरी में छात्रों को संबोधित करते हुए देश की शिक्षा व्यवस्था और रोजगार की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने चेतावनी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आने से भारत का मजबूत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर मुश्किल में पड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर भारत को चीन से मुकाबला करना है, तो हमें सिर्फ सर्विस सेक्टर पर निर्भर रहने के बजाय विनिर्माण क्षेत्र में भी अपनी ताकत बढ़ानी होगी। राहुल गांधी ने कहा, हमने आईटी सेक्टर और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में बहुत अच्छा काम किया है। इंफोसिस जैसी कंपनियों की सफलता हम सब जानते हैं। लेकिन अब एआई की वजह से यह इंडस्ट्री मुश्किल में पड़ने वाली है।

ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
(MULTI-STATE SCHEDULED BANK)
महेश बैंक ESTD. 1978
महेश बैंक
మహేశ్ బ్యాంక్
MAHESH BANK
Website : www.apmahesh.bank.in
Head Office : 8-2-680/1 & 2, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 (Telangana State)
Phones : 040 - 2343 7100 / 101 / 102 / 103 / 105 / 106, 2343 1824 / 825 / 828 & 2461 5296 E-mail : info@apmaheshbank.com

'घाटी हमारा अभिन्न अंग है'

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने मंगलवार को शक्सगाम घाटी पर चीन के नए दावों को खारिज कर दिया। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 के सीमा समझौते को गैर-कानूनी बताया। उन्होंने दोहराया कि नई दिल्ली इस क्षेत्र में की गई किसी भी गतिविधि को मान्यता नहीं देता है। इस मुद्दे पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि भारत 1963 के समझौते को अमान्य मानता है। इसके तहत पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी में कुछ इलाका चीन को दे दिया था।

वहीं, दूसरी ओर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है। हमने 1963 में किए गए तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं दी है। हम लगातार कहते आए हैं कि यह समझौता अवैध और अमान्य है।

ईरानी शासन का अंतिम दिन

वर्तमान हालात पर जर्मनी के चांसलर का चौंकाने वाला बयान कहा-मुल्ला शासन समझ ले अब

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने आज सुबह भारत में ईरान के ताजा हालात पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन के अंतिम दिन और सप्ताह अब हमारे सामने हैं।

क्योंकि अन्य यूरोपीय देशों ने बढ़ती हिंसा के मद्देनजर ईरान के राजदूतों को तलब किया है। मर्ज ने कहा कि जब कोई शासन केवल हिंसा के माध्यम से ही सत्ता में बना रह सकता है, तो वह वास्तव में अपने अंत के करीब होता है। जनता अब इस शासन के खिलाफ उठ खड़ी हुई है। वैसे भी, जनता द्वारा किए गए चुनावों के माध्यम से इसे कोई वैधता प्राप्त नहीं है। जनता अब इस शासन के विरूद्ध विद्रोह कर रही है। मुझे आशा है कि इस संघर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त करने का कोई रास्ता निकलेगा। मुल्ला शासन को भी

अब यह बात समझ लेनी चाहिए।

स्पेन के विदेश मंत्री ने ईरान के राजदूत को तलब किया :

इस बीच, स्पेन के विदेश मंत्री ने विरोध प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई की कड़ी निंदा और भर्त्सना करने के लिए मैड्रिड स्थित ईरान के राजदूत को तलब किया है। फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनेन ने भी ईरान के राजदूत को तलब करने की बात कही और फेसबुक पर लिखा कि ईरान की सरकार ने चुपचाप हत्याएं और दमन करने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया है। वहीं, ईरान के निर्वासित युवराज रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से ईरान के धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई करने की अपील की है, क्योंकि कठोर दमन की खबरों के बीच देश भर में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। सोमवार को एक साक्षात्कार में पहलवी ने कहा कि हमें कड़ी कार्रवाई की जरूरत है।

जहां चुनाव, वहां ईडी ने फाइलें खोलीं

8 जनवरी को I-PAC में ईडी की रेड के बीच सीएम ममता बनर्जी पहुंचीं और कुछ फाइलें लेकर बाहर आ गई।

बंगाल से पहले 3 राज्यों में यही पैटर्न; महाराष्ट्र-दिल्ली-झारखंड के बाद तमिलनाडु, असम, केरल, पुडुचेरी में छापेमारी

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बढ़ती सक्रियता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ईडी का काम आर्थिक अपराधों की जांच करना, काले धन और मनी लॉन्ड्रिंग पर रोक लगाना है, लेकिन कई बार उसकी कार्रवाई की टाइमिंग सवालों के घेरे में आ जाती है।

ताजा मामला कोलकाता में I-PAC से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी का है, जिसमें सीएम ममता बनर्जी और ईडी आमने-सामने है। बंगाल में इस साल मई से पहले विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, 4 साल में 3 राज्यों (झारखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र) में ऐसा हो चुका है, जब ईडी ने पुराने मामलों में चुनाव से कुछ समय पहले बड़ी कार्रवाई की। इस साल बंगाल समेत तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी के साथ इन राज्यों में ईडी ने पुराने मामलों की फाइलें खोलना शुरू कर दिया है।

तमिलनाडु : शराब, रियल एस्टेट और शेल कंपनियों से जुड़े केस सत्ताधारी डीएमके के लिए परेशानी बने हैं।

असम : भाजपा की सरकार है। विपक्षी कांग्रेस और एआईयूडीएफ से जुड़े नेताओं पर कार्रवाई का डर चुनावी फंडिंग नेटवर्क पर असर डाल रहा है।

केरल : सोना तस्करी और सहकारी बैंक मामलों से एलडीएफ सरकार घिरी हुई है।

पुडुचेरी : कारोबारी और राजनीतिक गठजोड़ पर एजेंसी की नजर है।

यह पैटर्न नया नहीं

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद दबाव बना। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आप का ताना-बाना बिगाड़ दिया। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी से जुड़े मामलों के बीच दल टूटे और सरकारें गिरीं। कई बार चार्जशीट से पहले ही राजनीतिक समीकरण बदल गए।

हालांकि, ईडी कहती है कि उसका काम केवल कानून के तहत जांच करना है, चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है।

दिल्ली: 2022 के मामले में 2024 में सीएम अरेस्ट हुए, 2025 में चुनाव थे। ED ने अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च, 2024 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च, 2024 को गिरफ्तार किया था। 2022 में शराब नीति मनी-लॉन्ड्रिंग केस में सीबीआई और ईडीजांच की शुरुआत हुई। फरवरी 2023 में इस मामले में मनीष सिसोदिया और मार्च 2024 में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई। फरवरी 2025 में विधानसभा चुनाव हुए और भाजपा सत्ता पर काबिज हुई।

महाराष्ट्र: 2021 के मामले में 3 साल बाद चुनाव से 6 दिन पहले छापेमारी की। मामला 2021 का था। 14 नवंबर 2024 को ईडी ने महाराष्ट्र और गुजरात में 23 स्थानों पर छापेमारी की और व्यापारी सिराज अहमद हारुन मेमन से जुड़े 125 करोड़ रुपए के मनी-लॉन्ड्रिंग और चुनावी फंडिंग ट्रेल को खंगाला।

मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के लिए छतें किराए पर

छतों का किराया 20 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक; पतंगें, खाना-पीना साथ में

अहमदाबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में मकर संक्रांति का मतलब है पतंगबाजी। राज्य में पतंगबाजी की तैयारियां एक-दो महीने पहले से ही शुरू हो जाती हैं। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में 'टेरेस टूरिज्म' का चलन भी शुरू हो गया है। इस साल भी अहमदाबाद के पोल, खाडिया और रायपुर इलाकों में सभी ऊंची छतें बुक हो चुकी हैं। छतों का किराया 20 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक जा पहुंचा है।

ओल्ड अहमदाबाद में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग अब विदेशों में बस गए हैं। इसलिए ये पतंगबाजी के साथ अपनी पुरानी यादें ताजा करने हर साल यहां आते हैं। दरअसल, रायपुर इलाके में शहर का सबसे बड़ा पतंग मार्केट भी है। इसके चलते यहां की पतंगबाजी भी पूरे अहमदाबाद में फेमस है। इसी मौके पर दिव्य भास्कर ने अहमदाबाद के इन इलाके में स्थानीय लोगों से बात की।

छतों के साथ गुजराती व्यंजनों का लुत्फ भी

इस मौके पर हमने पोल इलाके में रहने वाले अजय मोदी से बात की। उन्होंने बताया कि इस साल उनके यहां पंजाब से एक फैमिली आ रही हैं। वहीं, कई एनआरआई ने भी इलाके में छतें किराए पर ले चुके हैं। इस साल किराया 15 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक पहुंच गया है। हम मेहमानों को पतंगों के साथ-साथ खाने-पीने का सामान भी उपलब्ध कराते हैं। इसमें उंधियू-पूरी, जलेबी, भजिया और तिल की चिक्की जैसे व्यंजन शामिल होते हैं। इसके अलावा मिनरल वाटर, बैठने के लिए छतों पर सोफे-कुर्सियां और बुजुर्गों-बच्चों के आराम के लिए दो कमरे भी दिए जाते हैं।

अजय भाई ने आगे बताया कि इस तरह के टेरेस टूरिज्म से न केवल मकान मालिकों को फायदा होता है, बल्कि आसपास के छोटे व्यापारियों को भी फायदा होता है। नाश्ते के स्टॉल, पतंग की डोर बेचने वाले और घरेलू उद्योग चलाने वाली महिलाएं (जो बाजरे के बड़े या अन्य स्नैक्स बनाती हैं) भी इन दो दिनों के दौरान 2,000 रुपए से 5,000 रुपए तक आसानी से कमा लेती हैं।

पोल में रहने वाले और हर साल उत्तरायण पर छतें किराए पर देने वाले जिग्नेशभाई रामी ने बताया कि छतें किराए पर देने-लेने का चलन पिछले 4-5 सालों से शुरु हुआ है। अब तो यह अहमदाबाद में आम हो चुका है। जितनी ऊंची छत, उसका उतना ही ज्यादा किराया। आमतौर पर छतों का एक दिन (चौबीस घंटे) का किराया 20 से 25 हजार रुपए होता है।

डिलीवरी बॉय ने परफ्यूम लगाया तो दुकान मालिक ने पीटा

स्टोर में मुर्गा बनाया, थप्पड़ मारे; दिल्ली की घटना का वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के ओल्ड कोंडली इलाके में एक क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाले 18 साल के डिलीवरी बॉय को स्टोर मालिक ने दुकान में ही मुर्गा बनाया और उसके साथ मारपीट की।

इस लड़के ने परफ्यूम का इस्तेमाल कर लिया था। जिस पर ओनर ने उसके साथ बदसलूकी की। डिलीवरी बॉय की पहचान ओल्ड कोंडली के रहने वाले ऋषा कुमार के रूप में हुई है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो के मुताबिक यह घटना 6 जनवरी की है। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

कुमार और स्टोर मालिक के बीच यह घटना तब हुई, जब उसने दुकान से परफ्यूम निकालकर खुद पर छिड़का। मालिक ने यह देख लिया और उसे डांटना शुरू कर दिया। दुकान मालिक ने पहले उसे मुर्गा बनाए रखा बाद में उसे सबके सामने कई थप्पड़ मारे। इसके बाद, कुमार पुलिस के पास गया और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस शोरूम मालिक से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया ऋषा कुमार उर्फ लाला बाबू, हरिजन बस्ती, ओल्ड कोंडली में परिवार के साथ रहता है। वह जेप्टो कंपनी के लिए डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी।

वीडियो इंडियन व डेली यूथ कांग्रेस के एक्स (सोशल मीडिया) हैंडल से भी पोस्ट करते हुए इसे शर्मनाक बताया है। 43 सेकंड का वीडियो 6 जनवरी का है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि पीड़ित शोरूम की खाली जगह पर मुर्गा बना हुआ है। कुछ देर बाद वह खड़ा हो जाता है।

बंगाल में दो नर्सों में निपाह वायरस के लक्षण मिले

दोनों की हालत गंभीर, प्राइवेट हॉस्पिटल में काम करते हैं केंद्र बोला- एक्सपर्ट्स टीम भेजी गई है

नई दिल्ली, कोलकाता, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं। बंगाल स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि उत्तर 24 परगना जिले के बारासात स्थित एक निजी अस्पताल में काम करने वाले दो नर्सों में निपाह वायरस के लक्षण पाए गए हैं।

इनमें एक नर्स पुरुष और दूसरी महिला है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों के सैंपल AIIMS कल्याणी की वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब में जांच के लिए भेजे गए थे। शुरुआती रिपोर्ट में निपाह संक्रमण की आशंका जताई गई है।

एक नर्स नदिया जिले की रहने वाली है, जबकि दूसरी पूर्व बर्दवान जिले के कटवा का निवासी है। फिलहाल दोनों को उसी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है, जहां वे काम करते हैं।

इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को बताया कि पश्चिम बंगाल को मदद देने और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए एक्सपर्ट्स की एक नेशनल जॉइंट आउटब्रेक

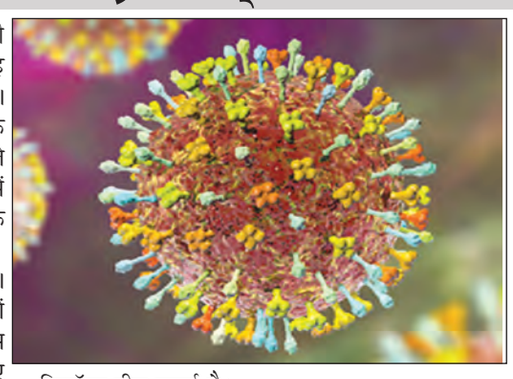

रिस्पॉन्स टीम बनाई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि एक्सपर्ट्स टीम बंगाल रवाना हो गई है। नड्डा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की है। उनसे कहा कि वे अपनी एक्सपर्ट्स टीम को केंद्र सरकार की टीम के साथ मिलकर काम करने निर्देश दें।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि हमने पश्चिम बंगाल में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड पब्लिक हाइजीन, कोलकाता, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे व अन्य संस्थानों के एक्सपर्ट्स की टीम भेजी है। नड्डा ने कहा कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल और पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर को भी एक्टिवेट कर दिया गया है। निपाह वायरस रोकने के लिए केंद्र सरकार के प्रोटोकॉल राज्य की इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस यूनिट के साथ शेयर किए गए हैं।

क्या है निपाह वायरस

साल 1998 में मलेशिया के सुंगई निपाह गांव में पहली बार निपाह वायरस का पता चला था। इसी गांव के नाम पर ही इसका नाम निपाह पड़ा। आमतौर पर यह वायरस चमगादड़ और सुअर से फैलता है। अगर इस वायरस से इन्फेक्टेड चमगादड़ किसी फल को खा लेता है और उसी फल या सब्जी को कोई इंसान या जानवर खाता है तो वह भी इन्फेक्टेड हो जाता है।

निपाह वायरस सिर्फ जानवरों से ही नहीं बल्कि एक इन्फेक्टेड व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैलता है। यह लार, खून और बॉडी फ्लूइड से फैल सकता है। निपाह वायरस के लक्षण दो से तीन दिन में दिखने लगते हैं।

तीसरी बार राज्यसभा नहीं जाएंगे दिग्विजय सिंह

एमपी में फुल टाइम एक्टिव होंगे, राज्यसभा की रेस में कमलनाथ, अरुण, कमलेश्वर

भोपाल, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का कार्यकाल तीन महीने बाद 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। वे दूसरी बार के राज्यसभा सांसद हैं। अब तीसरी बार राज्यसभा नहीं जाएंगे। सूत्रों की मानें तो उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भी इस बात से अवगत करा दिया है। अब राज्यसभा के लिए पांच वरिष्ठ नेता रेस में बताए जा रहे हैं। प्रदेश में 2028 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सूत्र बताते हैं कि दिग्विजय ने पार्टी आलाकमान से कहा है कि वे एमपी में ही पूरा टाइम देना चाहते हैं। इस साल मई से अगले ढाई साल यानी कि विधानसभा चुनाव तक अलग-अलग चरणों में एमपी के दौरे करके कांग्रेस की जमीन तैयार करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है।

सूत्रों की मानें तो दिग्विजय बड़ी सभाओं और भीड़ वाले कार्यक्रमों के बजाय छोटी बैठकें विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, दिग्विजय ने अपनी रणनीति को लेकर पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस में राज्यसभा सीट को लेकर अंदरूनी खींचतान शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने दिग्विजय को पत्र लिखकर राज्यसभा में अनुसूचित जाति वर्ग से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। अहिरवार ने पत्र में कहा है कि हाल ही में भोपाल डिक्लेरेशन से जुड़ी प्रेसवार्ता में दिग्विजय द्वारा अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग से मुख्यमंत्री बनने की संभावना पर प्रसन्नता जताना सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी भावना के अनुरूप अब राज्यसभा में भी अनुसूचित जाति वर्ग को अवसर मिलना चाहिए।

कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और संगठनात्मक सुधारों को लेकर दिग्विजय पिछले महीने दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रजेंटेशन दे चुके हैं। इस दौरान प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मौजूद थे।

बैठक में दिग्विजय ने सुझाव दिया था कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेशभर में यात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं अलग

दिग्विजय के इनकार के बाद खाली होने वाली राज्यसभा की सीट पर एमपी के कई दिग्गजों की नजर है। पूर्व सीएम कमलनाथ, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन राज्यसभा की रेस में शामिल हैं।

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा आईवीएफ क्लिनिक

महिलाओं की हाई एजुकेशन, रोजगार और शहरी लाइफस्टाइल बड़ा कारण; गुजरात दूसरे नंबर पर

चेन्नई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु देश में सबसे ज्यादा इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) सेंटर वाला राज्य बन चुका है।

नेशनल असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (ART) और सरोगेसी रजिस्ट्री के विश्लेषण के मुताबिक 6 जनवरी 2025 तक तमिलनाडु में रजिस्टर्ड आईवीएफ क्लिनिक की संख्या 669 है। तमिलनाडु की कुल प्रजनन दर 1.3 है, जबकि गुजरात की प्रजनन दर भी इसी के आसपास 1.4 से 1.5 के बीच मानी जाती है। यहां तमिलनाडु के मुकाबले करीब आधे रजिस्टर्ड आईवीएफ सेंटर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक आईवीएफ की मांग बच्चों की संख्या से नहीं बल्कि शादी और पहले बच्चे के समय से तय होती है। तमिलनाडु में

महिलाओं की ऊंची शिक्षा, औपचारिक रोजगार और शहरी जीवनशैली के कारण विवाह और मातृत्व देर से होता है। इससे उनकी बायलॉजिकल फर्टिलिटी घटती है, लेकिन संतान की इच्छा बनी रहती है। इसलिए आईवीएफ की मांग बढ़ रही है।

गुजरात में परंपरागत पारिवारिक ढांचा और कम उम्र में विवाह अब भी आम है, जिससे प्राकृतिक गर्भधारण की संभावना अधिक रहती है और आईवीएफ की जरूरत सीमित रहती है। आय भी बड़ा कारण है। तमिलनाडु की प्रति व्यक्ति आय 3.61 लाख रही, जिससे आईवीएफ बड़ी आबादी की पहुंच में आ सके।

मध्यप्रदेश में लगातार फर्टिलिटी रेट गिरता जा रहा है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की रिपोर्ट बताती हैं बीते 10 साल में मध्यप्रदेश में जन्मदर में 12.8 फीसदी की कमी आई है। ऐसे में नए कपल में माता-पिता बनने के लिए आईवीएफ तकनीक की मांग तेजी से बढ़ी है। यही कारण हैं कि सागर मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में शहर का 12वां ऐसा आईवीएफ और फर्टिलिटी सेंटर शुरू हुआ है।

जैकेट की जेब में कोबरा लेकर डॉक्टर के पास पहुंचा

बोला- इसी ने काटा है, बचा लीजिए, अस्पताल में अफरा-तफरी

मथुरा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा में एक शख्स को कोबरा सांप ने काट लिया। उसने तुरंत सांप को अपने जैकेट से पकड़ा और जेब में भरकर जिला अस्पताल पहुंच गया। सीधे इमरजेंसी वार्ड में जाकर जैकेट से कोबरा निकाला और डॉक्टर के सामने अपने हाथ में सांप पकड़कर खड़ा हो गया। बोला- डॉक्टर साहब, इलाज कर दो, इसी ने काटा है। सांप को हाथ में पकड़कर दीपक डॉक्टर से अपना इलाज करने की गुहार लगाता रहा। लेकिन, सांप की वजह से कोई भी उसके पास जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। दीपक लगातार चिल्लाता रहा। वार्ड में सांप देखकर मरीज, तीमारदार और स्टाफ भी घबरा गए। अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दीपक को शांत कराया और सांप को एक डिब्बे में बंद करवाया।

न्यूजीलैंड के सेब पर इम्पोर्ट-ड्यूटी 25% करने पर भड़के बागवान

शिमला, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से हिमाचल के बागवानों में केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ आक्रोश है। प्रदेश के सेब बागवान आज (मंगलवार को) हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू से मिलने शिमला पहुंचे। इस दौरान बागवानों ने न्यूजीलैंड के सेब पर केंद्र द्वारा घटाई गई इम्पोर्ट ड्यूटी का विरोध किया।

बागवानों ने इस मसले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने की मांग की और इम्पोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत करने का PM मोदी का वादा पूरा करने की मांग की। बागवानों ने बताया कि यदि इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं बढ़ाई तो हिमाचल का सेब उद्योग तबाह हो जाएगा।

सीएम के साथ बागवानों की मीटिंग के बाद मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा- बागवानों की डिमांड को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। यदि फिर भी इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं बढ़ाई गई तो बागवानों को मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा। दरअसल, PM बनने से पहले साल 2014 में नरेंद्र मोदी ने हमीरपुर के सुजानपुर में सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत करने का वादा किया था। इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाई तो नहीं गई, लेकिन कम जरूर की जा रही है। पहले वाशिंगटन एप्पल पर 75 से 50 फीसदी की गई। अब न्यूजीलैंड के सेब पर इम्पोर्ट ड्यूटी 50% से घटाकर 25% कर दी है। इससे देश में सस्ते आयातित सेब की बाढ़ आने का बागवानों को डर सता रहा है। इसका सीधा असर हिमाचल प्रदेश के करीब 5500 करोड़ रुपए के सेब उद्योग और तीन लाख से अधिक बागवान परिवारों की आजीविका पर पड़ेगा।

चाइनीज मांझे से मौत पर अब गैर-इरादतन हत्या का केस

बच्चे पकड़ाए तो माता-पिता जिम्मेदार; हाईकोर्ट ने कहा- बैन के बावजूद घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण

इंदौर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। चाइनीज मांझे से हो रही मौतों को लेकर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद लगातार जानलेवा घटनाएं होना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसे रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई जरूरी है। कोर्ट ने निर्देश दिए कि चाइनीज मांझे से यदि किसी की मौत होती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति चाइनीज मांझा बेचते या उसका उपयोग करते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सीधे आपराधिक कार्रवाई होगी। साथ ही यदि नाबालिग चाइनीज मांझे का उपयोग करते पकड़े जाते हैं, तो उनके अभिभावकों को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

कोर्ट ने बताया कि इंदौर में बीते कुछ महीनों में चाइनीज मांझे से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई लोग घायल हुए हैं और बड़ी संख्या में पक्षी भी इसकी चपेट में आकर मारे गए हैं। कोर्ट ने कहा कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति है और इस दौरान पतंगबाजी बढ़ जाती है, जिससे प्रतिबंधित मांझे के उपयोग से बड़े हादसों की आशंका बनी रहती है।

महाकुंभ वाली हर्षा रिछारिया धर्म की राह छोड़ेंगी

बोलीं-लड़की के चरित्र पर सवाल उठाना आसान, सीता नहीं हूं, जो अग्नि परीक्षा दूं

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ से चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया ने अब धर्म की राह छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'महाकुंभ 2025 से शुरू हुई कहानी अब खत्म हो रही है। इस एक साल में मैंने बहुत सारे विरोध का सामना किया है। अब मौनी अमावस्या के बाद धर्म के रास्ते को छोड़ूंगी और अपने पुराने प्रोफेशन में जाऊंगी। किसी लड़की के चरित्र पर सवाल उठना आसान नहीं है, लेकिन मैं सीता नहीं हूं कि जो अग्नि परीक्षा दूं।'

हर्षा रिछारिया अभी प्रयागराज माघ मेले में हैं। इस बार वह अपने भाई दीपक के साथ पहुंची हैं। हर्षा ने कहा- जय श्रीराम। एक साल में मैंने बहुत ज्यादा विरोध का सामना किया। यह विरोध प्रयागराज से शुरू हुआ। मुझे लगा था कि महाकुंभ होने के बाद यह सब खत्म हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने धर्म के रास्ते पर चलने की कोशिश की। मैंने कोई गलत काम नहीं किया। न चोरी की, न कोई अनैतिक कार्य किया, न किसी के साथ अन्याय किया। फिर भी, जब-जब मैंने धर्म के मार्ग पर

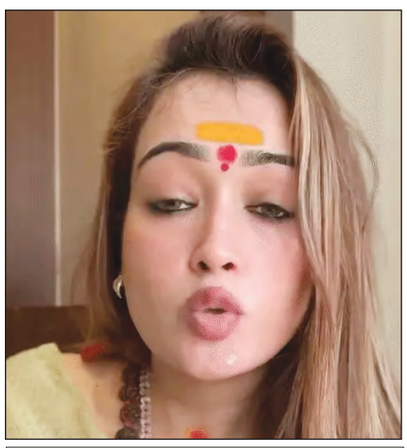

हर्षा रिछारिया महाकुंभ के दौरान पहली बार चर्चा में आई थीं।

आगे बढ़ने का प्रयास किया, मुझे बार-बार रोका गया, मेरा मनोबल तोड़ा गया।

हर्षा ने कहा- लोगों को लगा था कि धर्म को धंधा बनाकर करोड़ों कमा रही हूं। मगर ऐसा नहीं है। जो लोग आज धर्म को धंधा बनाकर करोड़ों रुपए कमा रहे हैं, उनके बीच मैं आज कर्ज में डूबी हुई हूं। पहले मैं एंकरिंग कर रही थी और मुझे अपने प्रोफेशन पर गर्व था। मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैं अपना काम बहुत अच्छे से कर रही थी और उसमें खुश थी।

हर्षा रिछारिया ने कहा- मैं देश से ज्यादा विदेशों में काम कर रही थी और अच्छा पैसा कमा रही थी। लेकिन यहां आने के बाद मेरे पास सिर्फ उधारी रह गई और कुछ भी नहीं बचा। सबसे दुखद बात यह है कि आज मेरे साथ कोई खड़ा नहीं है।

मैं आज यह सब इसलिए कह रही हूं, क्योंकि पिछले एक साल में मैंने जो भी करने की कोशिश की, उसे रोका गया, उसका विरोध किया गया और उसे तोड़ा गया। माघ मेले में भी मेरे साथ यही हुआ, जिससे मैं बेहद हताश हो गई।

मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया, जिसकी वजह से मेरा विरोध किया जाए। लेकिन शायद हमारे देश में किसी लड़की का विरोध करना, उसका मनोबल तोड़ना और उसके चरित्र पर सवाल उठाना बहुत आसान है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

विपत्तियों को सहने का बल केवल ईश्वर की याद से ही मिलता है

ट्रैफिक चालानों की ऑटो-डेबिट वसूली असंवैधानिक : श्रवण

ऑटो-डेबिट वैधानिक अधिकार को समाप्त करेगा : बीआरएस

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिकों के बैंक खातों से स्वचालित रूप से ट्रैफिक चालान राशि काटने के प्रस्ताव पर कड़ा एतराज़ जताते हुए बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने कहा कि यह प्रस्ताव अत्यंत चिंताजनक, गैरकानूनी और भारतीय संविधान की भावना के पूरी तरह विपरीत है।

उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का प्रवर्तन निस्संदेह सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर सीधे नागरिकों के बैंक खातों तक पहुंच बनाना राज्य सत्ता का खतरनाक और अस्वीकार्य दुरूपयोग है। एक प्रेस बयान में श्रवण ने कहा कि ट्रैफिक चालान कोई सजा या दोषसिद्धि नहीं है, बल्कि यह केवल एक 'आरोप की सूचना' मात्र है। प्रत्येक नागरिक को अपना पक्ष रखने, आरोप को चुनौती देने या न्यायिक उपाय अपनाने का कानूनी अधिकार है। ऑटो-डेबिट प्रणाली बिना किसी न्यायिक निर्णय के सजा थोपने के समान है, जो 'दोष सिद्ध होने तक निर्दोष' के मूल कानूनी सिद्धांत का खुला उल्लंघन है। वास्तव में, ऐसा कदम संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) और अनुच्छेद 300ए (संपत्ति का अधिकार) का स्पष्ट उल्लंघन है। नागरिक के बैंक खाते में रखा धन उसकी निजी संपत्ति है, और कानून की उचित प्रक्रिया या वैध न्यायालयी आदेश के बिना कोई भी प्राधिकरण, चाहे वह राज्य हो या कोई अन्य इसे जब्त नहीं कर सकता। बीआरएस एमएलसी ने आगे कहा कि आरबीआई के नियम और बैंकिंग कानून स्पष्ट रूप से खाता धारक की स्पष्ट सहमति या न्यायिक आदेश के बिना बैंक खाते से राशि डेबिट करने पर रोक लगाते हैं। बैंकिंग 'यूनियन लिस्ट' के अंतर्गत आता है और किसी भी राज्य सरकार को एकतरफा रूप से ऑटो-डेबिट प्रणाली लागू करने की कानूनी क्षमता नहीं है। ऐसा कोई भी कदम बैंकों और ग्राहकों के बीच के विश्वासपरक संबंध को गंभीर रूप से कमजोर करेगा और स्वयं बैंकिंग प्रणाली में जनता के भरोसे को नुकसान पहुंचाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव 'निजता के अधिकार के लिए भी खतरा है' जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक जस्टिस के.एस. पुट्टास्वामी निर्णय में एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है। चालान वसूली के लिए नागरिकों के बैंक खाते के विवरण तक पहुंच बनाना या उनका उपयोग करना अनावश्यक, असंगत और व्यक्तिगत वित्तीय गोपनीयता में अनुचित हस्तक्षेप है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 200 के तहत नागरिकों को स्पष्ट रूप से यह विकल्प दिया गया है कि वे या तो चालान का भुगतान करें या उसे अदालत में चुनौती दें। ऑटो-डेबिट इस वैधानिक अधिकार को पूरी तरह समाप्त कर देता है, जिससे लोकतांत्रिक और कानूनी सुरक्षा के मूल आधार पर सीधा प्रहार होता है। सरकारों का अस्तित्व नागरिकों के अधिकारों और संपत्ति की रक्षा के लिए होता हैन कि बैंक खातों को स्वचालित राजस्व स्रोत के रूप में देखने के लिए। अतः तेलंगाना की जनता की ओर से बीआरएस इस प्रस्ताव को तुरंत और बिना शर्त वापस लेने की कड़ी और स्पष्ट मांग करती है। ट्रैफिक प्रवर्तन को संविधानिक सिद्धांतों, वैधानिक सुरक्षा उपायों और न्यायिक निगरानी का सख्ती से पालन करना चाहिए, ताकि नागरिकों के मौलिक अधिकारों, निजता और संपत्ति का पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किया जा सके।

ओटीपी धोखाधड़ी बढ़ी, हैदराबाद पुलिस ने जारी की चेतावनी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने ओटीपी से जुड़ी धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को लेकर नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है। साइबर अपराधी ओटीपी का दुरुपयोग कर बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट, क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत डेटा तक अवैध पहुंच बना रहे हैं। पुलिस के अनुसार ठग खुद को बैंक अधिकारी, ग्राहक सेवा प्रतिनिधि बताकर केवाईसी अपडेट, फर्जी रिफंड, कैशबैक, नौकरी या तत्काल ऋण का झांसा देते हैं। कई मामलों में फर्जी यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट भेजकर पीड़ितों से मंजूरी ली जाती है, जिससे खाते से पैसे कट जाते हैं। सिम स्वैप धोखाधड़ी और फर्जी ई-कॉमर्स कॉल के मामले भी सामने आए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कोई भी बैंक या सरकारी एजेंसी कभी ओटीपी नहीं मांगती।

साइबराबाद में 'अराइव अलाइव' अभियान आयोजित

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग द्वारा प्रतिष्ठित रूप से शुरू किए गए 'अराइव अलाइव' रोड सेफ्टी अभियान को आज साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत सभी कानून-व्यवस्था एवं ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों की सीमाओं में आयोजित किया गया।

यह अभियान 13 जनवरी से 24 जनवरी तक पूरे राज्य में जारी रहेगा। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और जनता में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। माधापुर स्थित माइंडस्पेस में आयोजित कार्यक्रम में माधापुर ट्रैफिक डीसीपी साई मनोहर ने कहा कि यदि आप सुरक्षित रूप से अपने घर पहुंचते हैं तो आपका परिवार खुश रहता है-यही 'अराइव अलाइव' का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय त्रुटियों के कारण होती हैं।

तेज़ रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना, गलत दिशा में ड्राइविंग करना और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने जैसी वजहों से कई परिवारों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रत्येक वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करे तथा गति सीमाओं सहित सभी ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करे, तो दुर्घटनाओं की संख्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

चीनी मांजा पर मानवाधिकार का कड़ा रुख

हैदराबाद पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट मांगी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीजी एसएचआरसी) ने राज्य में प्रतिबंधित चीनी मांजा (पतंग की डोर) की निरंतर बिक्री और उपयोग पर गंभीर संज्ञान लिया है। आयोग ने हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार को निर्देश दिया है कि वे इस संबंध में 26 फरवरी तक एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह कार्रवाई 30 दिसंबर, 2025 को मानवाधिकार कार्यकर्ता इम्मानेनी रामाराव द्वारा दायर की गई एक याचिका के बाद की गई है, जिसमें तेलंगाना में प्रतिबंधित चीनी मांजा के कारण हुई कई गंभीर चोटों और मौतों की घटनाओं को उजागर किया गया था। याचिकाकर्ता ने आयोग से प्रतिबंध के सख्त प्रवर्तन और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों सहित इसकी बिक्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की थी। याचिका के अनुसार, कांच और धातु के कणों से लेपित चीनी मांजा, जो आमतौर पर पतंगबाजी प्रतियोगिताओं में उपयोग किया जाता है, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। इसमें कई घटनाओं का उल्लेख किया गया, जिनमें कीसरा में जसवंत रेड्डी नामक एक लड़के का गंभीर रूप से घायल होना और शमशेरगंज के जमील नामक व्यक्ति की गर्दन में गहरी चोट लगना शामिल है, जिसके लिए लगभग 22 टांके लगाने पड़े। याचिका में यह भी बताया गया कि प्रतिबंध के बावजूद यह खतरनाक पतंग की डोर पूरे राज्य में बेची और इस्तेमाल की जा रही है, जिससे बार-बार दुर्घटनाएं हो रही हैं। हाल ही में हैदराबाद पुलिस ने चीनी मांजा की अवैध बिक्री के खिलाफ व्यापक छापेमारी की, जिसमें 1.24 करोड़ रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया गया और इसके वितरण में शामिल 143 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अन्य चिंताजनक घटना में, उप्पल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चीनी मांजा के संपर्क में आने से एएसआई नागराजू के गले में गंभीर चोट लगी। अत्यधिक रक्तस्राव होने पर उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस अधिकारियों ने दोहराया है कि न केवल चीनी मांजा बेचने या खरीदने वालों के खिलाफ, बल्कि पतंग उड़ाने के लिए इसका उपयोग करने वालों के विरूद्ध भी सख्त मामले दर्ज किए जाएंगे। मानवाधिकार आयोग द्वारा पुलिस की रिपोर्ट की समीक्षा किए जाने और ऐसे जानलेवा हादसों को रोकने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगे के निर्देश जारी किए जाने की संभावना है।

दो संवेदनशील मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने नारायणपेट जिले के मद्दूर पुलिस स्टेशन और हैदराबाद के सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) में दर्ज दो 'संवेदनशील' मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पहला मामला मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की विकृत और अपमानजनक तस्वीरों के प्रसार से संबंधित है। कांग्रेस नेता गोल्ला नरसिम्हा ने मद्दूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने 11 जनवरी को कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। दूसरा मामला एक महिला आईएएस अधिकारी को निशाना बनाकर मानहानिकारक सामग्री के प्रसारण से जुड़ा है। आईएएस अधिकारियों की शिकायत पर सीसीएस ने दो तेलुगु समाचार चैनलों और सात यूट्यूब चैनलों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

डीजीपी ने 'कॉल फ़ॉर ब्लड' वेब ऐप का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्त की आवश्यकता वाले लोगों को तुरंत रक्तदाताओं से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित 'कॉल फ़ॉर ब्लड फाउंडेशन' के वेब एप्लिकेशन का शुभारंभ मंगलवार को पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने किया। यह वेब ऐप रक्तदाताओं और मरीजों के बीच तेज़ी से जानकारी का आदान-प्रदान सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है। रक्त की आवश्यकता के समय उपयुक्त दाता की पहचान करने की तकनीकी सुविधा इस एप्लिकेशन में उपलब्ध है। रक्तदाताओं की जानकारी गोपनीय बनी रहे, इसके लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए इस ऐप का विकास किया गया है। इस वेब एप्लिकेशन में रक्तदाताओं के व्यक्तिगत विवरणों की पूर्ण सुरक्षा, रक्तदान के बाद एक निश्चित अवधि तक उनकी जानकारी को अदृश्य रखने की सुविधा, तथा आपातकालीन परिस्थितियों में शीघ्र दाता की पहचान करने वाली प्रणाली जैसी विशेष सुविधाएं शामिल की गई हैं। कॉल फ़ॉर ब्लड फाउंडेशन के तत्वावधान में विकसित इस वेब ऐप का उद्देश्य रक्तदान प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाना तथा ज़रूरतमंदों तक समय पर रक्त पहुंचाना है। इस अवसर पर डीजीपी ने फाउंडेशन के संस्थापक चिंतला संपत को बधाई दी।

तिरुमाला दर्शन के नाम पर 100 से अधिक श्रद्धालुओं से ठगी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाकाली पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले की जांच शुरू की है, जिसमें एक महिला द्वारा वैकुंठ एकादशी के दौरान तिरुमाला मंदिर में श्रीवारी सेवा और सर्व दर्शन का वादा कर 100 से अधिक श्रद्धालुओं से ठगी किए जाने का आरोप है। बताया गया है कि आरोपिता ने फर्जी टिकटों का इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार, सिकंदराबाद के भोइगुड़ा निवासी ममता ने मंदिर सेवाओं तक पहुंच और निश्चित दर्शन की व्यवस्था कराने का दावा कर श्रद्धालुओं से सेवा, दर्शन और यात्रा खर्च के नाम पर पैसे वसूले। कुछ श्रद्धालुओं को तिरुमाला ले जाकर कई दिनों तक दर्शन के बिना इंतजार कराया गया, जबकि कुछ को भेजे गए अग्रिम टिकट बाद में फर्जी पाए गए।

अनीता सिंहवी चौमोहल्ला पैलेस में 17 जनवरी को संगीत कार्यक्रम करेंगी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली की सूफी ग़ज़ल गायिका अनीता सिंहवी 17 जनवरी को चौमोहल्ला पैलेस में संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी। यह कार्यक्रम तेलंगाना सरकार की संगीत नाटक अकादमी के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, मंत्रीगण और अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित होने की संभावना है। ग्वालियर घराना की ग़ज़ल गायिका अनीता सिंहवी ने 'नक्शा-ए-नूर' एल्बम से अपने करियर की शुरूआत की थी और उसके बाद विश्व स्तर पर सूफी संगीत के विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनके जारी किए गए एल्बमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव को लेकर सिकंदराबाद में ट्रैफिक प्रतिबंध

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव के मद्देनजर 13 से 15 जनवरी तक सिकंदराबाद क्षेत्र में यातायात प्रतिबंध और विशेष पार्किंग व्यवस्था लागू रहेगी। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस के अनुसार भीड़ की स्थिति को देखते हुए सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक सीटीओ क्रॉस रोड्स, प्लाजा जंक्शन और टिवोली जंक्शन के बीच वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित या डायवर्ट किया जा सकता है।

सीटीओ, प्लाजा, टिवोली, पिकेट, सिकंदराबाद क्लब, एनसीसी, वाईएमसीए, एसबीआई, स्वीकार उपकार, बालमराई, ताडबंद और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम की संभावना है। आम जनता को परेड ग्राउंड के आसपास की सड़कों से बचने की सलाह दी गई है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और जुबली बस स्टेशन जाने वाले यात्रियों से जल्दी निकलने और मेट्रो सेवाओं का उपयोग करने को कहा गया है। जिमखाना प्रदर्शनी मैदान, जिमखाना क्रिकेट मैदान, तेलंगाना राज्य खेल प्राधिकरण परिसर और धोबीघाट में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। धोबीघाट से परेड ग्राउंड तक शटल सेवा भी उपलब्ध रहेगी। आपातकालीन ट्रैफिक हेल्पलाइन 8712662999 सक्रिय कर दी गई है।

जिला पुनर्गठन योजना से समाज के विभिन्न वर्गों में चिंता

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की जिला पुनर्गठन योजना को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में चिंता का माहौल है। बेरोजगार युवाओं और कर्मचारी संगठनों के अलावा रियल एस्टेट डेवलपर्स, अभिभावक और सरकारी कर्मचारी भी प्रस्तावित परिवर्तनों के प्रभाव से भयभीत हैं।

रियल एस्टेट सेक्टर पहले से ही मंदी का सामना कर रहा है। फार्मा सिटी की मूल योजना रद्द होना, रिंग रोड मार्ग में बदलाव और लागाचेरला किसानों का आंदोलन क्षेत्रीय बाजार पर असर डाल चुके हैं। क्रेडाई सदस्य ने कहा कि संभावित खरीदार स्थिति सामान्य होने तक इंतजार करेंगे, जिससे लेन-देन प्रभावित हो सकता है।

अभिभावकों को मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में सीटों में संभावित कटौती की चिंता है। पूर्व सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में बनाए गए जिला कार्यालय परिसरों के प्रभावी उपयोग पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मादक पदार्थ तस्करी में शामिल होने के आरोप में भारत से निर्वासित

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समन्वय से एक नाइजीरियाई नागरिक को देश से निर्वासित किया, जो अवैध रूप से भारत में रह रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था।

ओबासी जेम्स विक्टर (38), जो नई दिल्ली में अपने परिवार के साथ रह रहा था, 2011 में पर्यटक वीजा पर भारत आया था। ड्रग रैकेट की जांच के दौरान उसका नाम सामने आया। डीसीपी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि जेम्स को टोलीचौकी में संदिग्ध रूप से घूमते हुए पकड़ा गया। हिरासत में लेने के बाद पाया गया कि उसका वीजा और पासपोर्ट दोनों अवैध थे। कानूनी कार्यवाही पूरी होने के बाद उसे देश से निर्वासित कर दिया गया।

हैदराबाद-विजयवाड़ा हाईवे पर लॉरी पलटी, लंबा जाम

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके बटसिंगाराम के पास हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी पलट गई, जिससे व्यस्त मार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया। हादसा उस समय हुआ जब चालक ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और लॉरी सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। अब्दुल्लापुरमेट और बटसिंगाराम के बीच कई वाहन कई किलोमीटर तक फंसे रहे, जिससे हयातनगर की ओर यातायात प्रभावित हुआ। त्योहारी यात्रा बढ़ने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से लॉरी हटाकर यातायात बहाल करने का प्रयास शुरू किया। फिलहाल किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-North-WAT-01-2026
दिनांक: 06.01.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन यातायात अवरोध की स्थिति में KR लाइन में मौजूदा 3 संख्यक सुरंगों (टनल नं. 3, 23 एवं 32) में बोल्डर गिरने और रिसाव (Seepage) को रोकने के लिए शमन उपायों (रॉक बोल्टिंग, शॉटक्रेटिंग एवं ग्राउटिंग) का कार्यान्वयन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 4,57,66,239.40, **EMD :** ₹ 3,78,800/-, **कार्य पूरा होने की अवधि :** 08 (आठ) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 30.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लैटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : इत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग),
PR-1000/Q/25-26 | वाल्टियर

बेरोजगार युवाओं ने जिला पुनर्गठन योजना की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं और सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने कांग्रेस सरकार की जिला पुनर्गठन योजना की कड़ी आलोचना की है और इसे भर्ती अधिसूचनाओं में देरी का कारण बताया।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की थी कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग के माध्यम से जिले पुनर्गठित किए जाएंगे। राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारी भी आयोग का हिस्सा होंगे, जो सभी वर्गों से राय लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। बेरोजगार युवा नेताओं का मानना है कि जिला पुनर्गठन भर्ती प्रक्रिया और स्थानीय आरक्षण व्यवस्था को प्रभावित करेगा।

खम्मम में महिला की हत्या का मामला सुलझा, दो आरोपी गिरफ्तार

खम्मम, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम वन टाउन पुलिस ने 9 जनवरी की रात को कस्बा बाजार में मृत पाई गई महिला मोदम प्रमीला की हत्या का मामला सुलझा लिया है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान पालोंचा निवासी बोम्मा श्रवण कुमार और कोत्तागुडेम के गदिदासी राजेश के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, प्रमीला और उसके पति पहले पालोंचा में रह रहे थे, लेकिन विवाद के कारण अलग हो गए। प्रमीला बाद में भद्राचलम और फिर खम्मम आ गई, जहां उसने कपड़े की दुकान में काम करना शुरू किया। आरोपियों ने बार-बार ऋण और व्यक्तिगत झगड़े को लेकर प्रमीला को परेशान किया।

9 जनवरी को श्रवण और उसका साला राजेश पेड़ काटने वाले चाकू से लैस होकर प्रमीला पर हमला करने खम्मम पहुंचे। उन्होंने काम से लौट रही प्रमीला को घायल किया और मौके पर ही उसकी हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने उसके पहचान पत्र, स्मार्टवॉच और खून से सने कपड़े बैग में रखकर झाड़ियों में छिपा दिए। एसीपी एसवी रमना मूर्ति ने खम्मम वन टाउन टीम की कार्यवाही की सराहना की और बताया कि आरोपी ने अपने अपराध को कबूल कर लिया है।

एआईएमआईएम को कई सीटों पर जीत की उम्मीद

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों के चुनावों के लिए प्रचार मंगलवार शाम को समाप्त हो गया। एआईएमआईएम के नेता राज्य में पार्टी द्वारा चुनाव लड़ रही 24 निगमों में से कई सीटों पर जीत की उम्मीद कर रहे हैं। नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने हैं।

पार्टी ने औरंगाबाद, मुंबई, जालना, लातूर, नासिक, परभनी, नांदेड़, वसई-विरार, मुंब्रा, धुले और अहमदनगर नगर निगमों में विशेष प्रचार किया, जहां अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्गों की अच्छी खासी आबादी है। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी, महाराष्ट्र अध्यक्ष इम्तिया जलील और अन्य वरिष्ठ नेता लगभग तीन सप्ताह तक चले इस प्रचार अभियान में शामिल रहे।

जिला पुनर्गठन आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश को सौंपी जाए

> लोकसत्ता पार्टी ने की मांग की

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसत्ता पार्टी ने राज्य सरकार द्वारा जिला पुनर्गठन आयोग (डीआरसी) के गठन के निर्णय का स्वागत किया है, लेकिन निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवैधानिक मर्यादा सुनिश्चित करने के लिए इसके अध्यक्ष पद पर किसी सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की नियुक्ति की जोरदार मांग की है। मंगलवार को जारी एक प्रेस बयान में पार्टी के राज्य अध्यक्ष तुम्मनपल्ली श्रीनिवास ने कहा कि जिलों का कोई भी पुनर्गठन केवल प्रशासनिक सुविधा और जनकल्याण के उद्देश्यों के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक कारणों से। उन्होंने बताया कि आगामी एक वर्ष के भीतर देशभर में लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण (डिलिमिटेशन) होने की संभावना है, और इसलिए राज्य सरकार को पूर्ववर्ती सरकार की गलतियों को दोहराने से सावधान किया।

उन्होंने आग्रह किया कि निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही जिला पुनर्गठन किया जाए, ताकि प्रशासनिक सीमाएं तार्किक, स्थिर और सुसंगत बनी रहें। श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार द्वारा किया गया जिला गठन मनमाना, अवैज्ञानिक और तर्कसंगत मानदंडों से रहित था, जिसे उन्होंने केवल एक दिखावा करार दिया। उन्होंने कहा कि जनसंख्या आकार, भौगोलिक क्षेत्र और प्रशासनिक व्यवहार्यता पर समुचित विचार न किए जाने के कारण गंभीर प्रशासनिक समस्याएं और अव्यवस्था उत्पन्न हुई है। नए और ईमानदार दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अतीत की गलतियां दोबारा न हों। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, यदि राज्य सरकार बिना समुचित जांच-पड़ताल और वैज्ञानिक योजना के आगे बढ़ती है, तो इसके परिणामों की पूरी जिम्मेदारी सरकार को ही वहन करनी होगी।

ठेले के बाद चार्टर्ड प्लेन में सतुआ बाबा

आराम करते नजर आए ; पति की मौत के बाद माघ मेले में ' ग्रेजुएट चाय वाली '

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के संगम की रेती पर तंबुओं के शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ अब बढ़ने लगी है। आज माघ मेले का 11वां दिन है। मंगलवार सुबह सतुआ बाबा चार्टर्ड प्लेन में बैठकर घूमे। उनकी प्लेन के अंदर आराम करते तस्वीरें सामने आईं। इससे पहले देर रात सतुआ बाबा अपनी 3 करोड़ की डिफेंडर छोड़कर ठेले पर मेले में घूमे थे।

इसके अलावा, सेंट वाले बाबा भी खूब चर्चा में हैं। मेले में गाना गाते हैं- 'फैशन चाहे जितना कर लो, चाहे मार लो सेंट, इस जगत में कोई न परमानेंट।' मेले में 'ग्रेजुएट चाय वाली' भी पहुंची हैं। पति की मौत के तीन महीने बाद 2 बच्चों की जिम्मेदारी संभालने के लिए पूनम चाय बेच रही हैं।

इस बार मेले में 5 करोड़ 51 लाख रुद्राक्ष से विशाल शिवलिंग बनाया जा रहा है। देशभर से श्रद्धालु लगातार संगम स्नान के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। रोजाना 10 लाख श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद साधु-संत, अखाड़े और कल्पवासी संगम की रेती पर डेरा जमाए हैं और तपस्या कर रहे हैं।

कोर्ट से लौट रहे शख्स की 6 गोली मारकर हत्या

जमुई में 4 साल पहले बेटे का हुआ था मर्डर, 85 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद

जमुई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। जमुई में सोमवार की शाम अपराधियों ने सिकंदरा-जमुई मुख्य मार्ग पर पदमावत गांव के समीप अशोक यादव उर्फ आशो यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाका दहल उठा और अशोक यादव की मौके पर ही मौत हो गई। अपराधियों ने अशोक यादव के सीने में पूरी मैगजीन खाली कर दी। उनके सिर,चेहरे,पीठ और पेट में कुल छह गोलियां मारी गईं। वारदात के बाद सड़क पर मृतक की फाइलें बिखरी मिलीं,जबकि उनकी बाइक शव से करीब 20 कदम दूर गिरी हुई थी। बाइक के पहिए के नीचे एक मैगजीन, कई खोखे, गुलेल और सीसे की गोलियां भी बरामद की गई। यह पूरी वारदात 85 डिसमिल जमीन विवाद से जुड़ी बताई जा रही है।

मृतक अशोक यादव और गौहरनगर निवासी कामेश्वर पासवान के बीच इस जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था। जानकारी के अनुसार,इस जमीन की बंदोबस्ती वर्ष 1939 में ही अशोक यादव के पिता मिश्री यादव के नाम दर्ज थी।अदालत से भी फैसला अशोक यादव के पक्ष में आया था, लेकिन इसके बावजूद दोनों पक्षों के बीच रंजिश खत्म नहीं हुई। इसी जमीन विवाद में 3 मई 2022 को अशोक यादव के 30 वर्षीय बड़े बेटे विकास यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह विवादित जमीन पर लगे आम के पेड़ से आम तोड़ने गया था। गंभीर हालत में विकास को पटना ले जाया गया था,जहां 12 दिनों तक इलाज के बाद 15 मई 2022 को उसकी मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया था। बेटे की हत्या के बाद से ही अशोक यादव लगातार डर के साये में जी रहे थे और उन्होंने सिकंदरा थाना में जान-माल की सुरक्षा को लेकर आवेदन भी दिया था। मृतक के बेटे रणवीर कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह उनके पिता कोर्ट गए थे। भाई की हत्या से जुड़ा मामला न्यायालय में चल रहा था और फैसला आने की प्रक्रिया में था। कोर्ट से लौटते समय ही अपराधियों ने घेरकर उनके पिता को गोली मार दी। रणवीर ने बताया कि उनके भाई के हत्या मामले में दो आरोपी अभी भी फरार हैं,दो जेल जा चुके हैं और एक जमानत पर बाहर है। अशोक यादव के साथी काशी यादव बताया कि कामेश्वर पासवान से करीब 20 वर्षों से जमीन विवाद चल रहा था।

वर्ष 2022 में अशोक के बेटे की हत्या हुई थी। गोतिया से भी विवाद था। अशोक बिजली मिस्त्री था और खेत में मवेशी भगाने को गुलेल रखता था।

दो होटलों में पकड़ा देह व्यापार

सात युवतियों समेत 15 लोग दबोचे आपत्तिजनक सामग्री भी मिली

अलीगढ़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने अलीगढ़ शहर के दो होटलों में चल रहे अनैतिक देह व्यापार का पकड़ा है। दोनों होटलों से 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। होटल में आपत्तिजनक सामग्री भारी मात्रा में मिली है।अलीगढ़ की थाना बन्नादेवी टीम ने चौहान कॉम्पलैक्स स्थित स्काईवे होटल व मैराकी होटल में छापा मारा। वहां से सात युवती और आठ युवक आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए। दोनों होटलों के कमरों से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार अधिनियम अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ये हुआ बरामद

शराब की बोतल व आपत्तिजनक सामग्री	58070 रुपये
17 मोबाइल फोन	2 आगन्तुक रजिस्टर
5 एटीएम कार्ड	1क्यूआर कोड स्कैनर
1स्वैप मशीन	35 विजिटिंग कार्ड
3 प्रेस आईकोर्ड	2 आधार कार्ड
1 ड्राइवरी लाइसेंस	1 कार वरना
1 मोटरसाइकिल हीरो स्पलैण्डर	

पत्नी-बेटे के हत्यारे को इंस्पेक्टर ने रेलवे गार्ड बन पकड़ा

कानपुर में क्रॉसिंग पर हरी झंडी लेकर खड़े हुए, देखते ही दौड़ा लिया

कानपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में पत्नी-बेटे के हत्यारे को इंस्पेक्टर ने रेलवे गार्ड बनकर पकड़ा। आरोपी की लोकेशन मिलते ही इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचे। आरोपी उन्हें पहचान न पाए, इसलिए गेटमैन से रेलवे गार्ड की ड्रेस, हेलमेट और हरी झंडी ली। ट्रैक पर खड़े हो गए। इसी बीच, आरोपी खेतों से निकला।

इंस्पेक्टर ने आरोपी को आवाज दी तो वह भागने लगा। एक किलोमीटर तक घाटमपुर इंस्पेक्टर ने हत्यारोपी का पीछा किया और पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस की टीमों को बुलाया। आज पुलिस आरोपी सुरेंद्र यादव को कोर्ट में पेश करेगी।

दरअसल, 11 जनवरी की रात 9 बजे सुरेंद्र ने शराब पीने का विरोध करने पर 5 महीने की गर्भवती पत्नी और ढाई साल के बेटे को बांके से काट डाला था। वारदात के बाद लाश छोड़कर फरार हो गया था, तब से पुलिस सुरेंद्र की तलाश में जुटी हुई थी। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि हम लोग आरोपी सुरेंद्र की तलाश में जुटे थे। सोमवार शाम को उसकी लोकेशन उसके गांव सर्देपुर के पास मिली। इसके बाद फोन बंद हो गया था। मैंने टीम को अलर्ट किया। गांव से हाईवे की ओर आने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी कर गश्त बढ़ा दी थी। मैं गोपालपुर रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचा। मैंने यहां गेटमैन से रेलवे गार्ड की ड्रेस और हेलमेट लिया। हाथ में हरी झंडी ली और पीला हेलमेट लगाकर रेलवे ट्रैक किनारे ढूंढने लगा। इसके बाद पुलिस की एक टीम को गांव और खेतों की ओर भेजा। इसी बीच आरोपी खेतों से निकलकर बाहर आ गया। गार्ड बने पुलिस इंस्पेक्टर ने आरोपी को आवाज दी तो वह भागने लगा।

1 किमी उसका पीछा करके मैंने पकड़ लिया। आरोपी सुरेंद्र यादव उर्फ स्वामी ने पुलिस को बताया, 'मैं बाहर से घर आया। मैंने पत्नी रूबी से खाना मांगा। मगर उसने कहा कि तुम शराब पी सकते हो तो खाना भी खुद ही बनाकर खा लो, सब्जी लाए नहीं हो। मैंने खुद आटा गूंथा और खाना बनाने लगा। तभी पत्नी शराब को लेकर मुझसे लड़ने लगी। मुझे भद्दी-भद्दी गालियां देने लगी। मुझे यह बात बर्दाश्त नहीं हुई। मुझे गुस्सा आ गया। मैंने बांके से रूबी को काट डाला। तभी मेरा बेटा रोने लगा। पकड़े जाने के डर से मैंने उसे भी मार डाला।'

मुखिया ने वार्ड सदस्य को जूता से पीटा

बगहा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बगहा पुलिस के भैरोगंज थाना क्षेत्र स्थित बांसगांव मंझरिया पंचायत के मुखिया बृजेश राम पर वार्ड सदस्य ने मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। वार्ड संख्या 11 के सदस्य नन्हे साह ने इस संबंध में भैरोगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

वार्ड सदस्य नन्हे साह ने अपने आवेदन में बताया है कि मुखिया बृजेश राम पिछले चार दिनों से प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से प्रति व्यक्ति दो हजार रुपए वसूलने का दबाव बना रहे थे। नन्हे साह ने इस अवैध वसूली का विरोध किया, जिससे मुखिया नाराज हो गए। शिकायत के अनुसार, सोमवार को दिन में करीब 11 बजे मुखिया ने नन्हे साह को मंझरिया पोखरा पर बुलाया। वहां उन्होंने कथित तौर पर धमकी दी कि यदि प्रति लाभार्थी दो हजार रुपए नहीं वसूले गए तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद शाम करीब 7 बजे, मुखिया कथित तौर पर शराब के नशे में कदमहवा टोला स्थित नन्हे साह के पास पहुंचे और वसूली के संबंध में पूछताछ की।

वार्ड सदस्य का आरोप है कि जब उन्होंने रुपए वसूलने से इनकार किया, तो मुखिया ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने जूते से मारपीट की और नन्हे साह के कपड़े भी फाड़ दिए। इस दौरान मुखिया ने कथित तौर पर यह भी धमकी दी कि जो कोई भी बीच-बचाव करेगा, उसके पूरे परिवार को हरिजन एक्ट में फंसा दिया जाएगा। इस धमकी के कारण शुरुआत में कोई भी मदद के लिए आगे नहीं आया। कुछ देर बाद गांव के जानकी देवी, भरत राम, अनिल राम, भोलाराम, रमेश राम, प्रवेश राम, सीमा देवी, विद्यावती देवी और चंद्रा देवी सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने हस्तक्षेप कर वार्ड सदस्य नन्हे साह को बचाया। नन्हे साह ने यह भी आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान उनके गले से करीब 10 ग्राम सोने की चेन और जेब से सात हजार रुपए भी छीन लिए गए। उन्होंने बताया कि इस मामले में 12 लोगों ने गवाह के तौर पर थाने में अपने हस्ताक्षर और निशान लगाए हैं। भैरोगंज थानाध्यक्ष सीता केंवट ने जानकारी दी है कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भोजपुरी के अश्लील गानों पर डांस कराया, फिर गैंगरेप

छाती पर जख्म, हाथ पर घाव, कपड़ों को फाड़ डाला ; 24 साल की ऑर्केस्ट्रा डांसर की आपबीती

पूर्णिया, 13 जनवरी (एजेंसियां)। 'मैं चंपानगर की रहने वाली हूं। ऑर्केस्ट्रा में डांस करके अपना और मां का पेट पालती हूं। शनिवार की शाम घर पर खाना बना रही थी, कुछ जरूरत पड़ी तो नेशनल हाईवे की ओर दुकान की ओर निकल गई। इसी दौरान एक कार मेरे पास आकर रूकी। कार में दो लोग सवार थे। उन्होंने मुझे आवाज लगाई और कुछ पूछने लगे। मैं जैसे ही पास गई, उन्होंने मुझे जबरन कार में बैठा लिया। अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर मेरे कपड़े फाड़ डाले और गैंगरेप किया। छाती पर जख्म और हाथ पर घाव के निशान हैं।'

पूर्णिया जीएमसीएच में रविवार की शाम रात मेडिकल के लिए लाई गई 24 साल की गैंगरेप पीड़िता ने ये बातें बताई। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए बयान में बताया कि उसे पहले किडनैप किया गया, फिर 25 किलोमीटर दूर ले जाकर 6 लोगों ने वारदात को अंजाम दिया।

आरोपियों में एक पूर्व मुखिया मो. जुनैद भी शामिल है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

महिला एसडीएम से बोला किसान-आप कहें तो जान दे दूं

सम्मान से कोई समझौता नहीं ; सहारनपुर में हुक्का पीने पर तीखी नोकझोंक

सहारनपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सहारनपुर के रामपुर मनिहारन तहसील परिसर में किसान धरने पर बैठे हैं। भूमाफियाओं के खिलाफ एक्शन की मांग को लेकर किसान बिस्तर लगाकर रात में आराम कर रहे थे। हुक्का पी रहे थे। इसी दौरान एसडीएम डॉ. पूर्वा मौके पर पहुंचीं। उन्होंने किसानों को हुक्का पीने से मना कर दिया। इस पर किसान भड़क गए। दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। एक किसान ने कहा- मैडम, हुक्का हमारा सम्मान है। सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं। अगर हुक्के के साथ छेड़छाड़ की गई तो यह बिल्कुल ठीक नहीं होगा। अगर आप कहें तो मैं अपने ऊपर तेल छिड़ककर आग भी लगा सकता हूं। अपनी जान भी दे सकता हूं। इसके बाद मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। माफियाओं के खिलाफ किसान दे रहे धरनाः किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसान सरकारी भूमि को भूमाफियाओं से मुक्त कराने की मांग को लेकर सोमवार को रामपुर मनिहारान तहसील पहुंचे।

किसानों ने तहसील परिसर में धरना शुरू कर दिया। देर शाम तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो किसानों ने परिसर में ही खाना खाया और बिस्तर लगाकर आराम करने लगे। तानाशाही और सवालों से बचने का तरीका बतायाः एक किसान ने नाराजगी जताते हुए कहा- हुक्का किसानों की परंपरा और सम्मान का प्रतीक है। इससे रोकना उनके सम्मान के साथ छेड़छाड़ जैसा है। किसानों के आक्रोश को देखते हुए एसडीएम कुछ देर बाद अपने कार्यालय चली गईं। इससे नाराज किसानों ने इसे प्रशासन की तानाशाही और सवालों से बचने का तरीका बताया। करीब 1 घंटे के बाद एसडीएम ने किसानों को मुलाकात के लिए बुलाया। इस दौरान किसानों ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा। एसडीएम के कार्रवाई के आश्वासन के बाद किसानों ने धरना खत्म कर दिया। हालांकि, संगठन ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो किसान मजदूर संगठन अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन देगा।

जयनगर-हावड़ा एक्स. की बोगी में फंसा पाइप

140 मीटर तक निकलती रही चिंगारी, लापरवाही पर वरीय अभियंता सस्पेंड

समस्तीपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। समस्तीपुर जंक्शन पर सोमवार रात बड़ा रेल हादसा टल गया। रेलवे लाइन के किनारे रखा लोहे का पाइप जयनगर से हावड़ा 13022 ट्रेन की बोगी से फंस गया। करीब 140 मीटर लोहे का पाइप ट्रेन की बोगी और प्लेटफॉर्म के बीच घिसटता रहा। चिंगारी भी निकल रही थी। संजोग रहा कि चक्के से पाइप नहीं फंसा। मामले को लेकर वरीय अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया है।

जानकारी के मुताबित रात करीब 11 बजे जयनगर से हावड़ा जा रही 13032 ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर तीन से अंदर प्रवेश कर रही थी, इस दौरान मुजफ्फरपुर छोर की ओर वाटरिंग कार्य के लिए रखा गया हाइड्रेंट पाइप लुढ़ककर ट्रेन की बोगी में फंस गया। प्लेटफॉर्म का टाइल्स भी क्षतिग्रस्त हुआ है। यह महज संयोग रहा कि रात के समय होने के कारण यात्रियों की भीड़ कम थी। अगर पाइप नीचे लुढ़क कर रेलवे ट्रैक पर जा गिरता तो ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना अधिक थी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में रेलवे कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। गैस कटर की सहायता से पाइप को काटकर सुरक्षित बाहर निकाला। कोच के निचले हिस्से में जहां पर बैटरी रखी जाती है वो क्षतिग्रस्त हो गया। कोच का फुट बोर्ड भी मुड़ गया था।

जांच के बाद ट्रेन को बरौनी के लिए बढ़ाया गया। इस दौरान एहतियात के तौर पर दो एस्कॉर्ट स्टाफ को भी लगाया गया था। डीआरएम ज्योति प्रकाश मिश्रा ने परियोजना की देखरेख कर रहे वरीय अनुभव अभियंता के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मामले में कार्य एजेंसी पर भी दंड किया जा रहा है। घटनास्थल के पास रखे सभी हाइडेंट और पाइप को सुरक्षित हटाकर अलग किया गया है। इसके साथ ही डीआरएम ने मंडल के सभी स्टेशन और प्लेटफार्म पर रखे गए उपकरणों की समीक्षा करने और भविष्य में इस तरह की लापरवाही ना हो इसे सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया है।

'मुस्लिम परिवार ने शिवलिंग के लिए दान की जमीन'

मोतिहारी में स्थापित होगा विराट शिवलिंग, विक्रेता बोले- हिंदू-मुस्लमान सभी को मिल रहा फायदा

मोतिहारी, 13 जनवरी (एजेंसियां)। यहां कोई नहीं पूछता कि आप हिंदू हैं या मुसलमान... सभी को बराबर मिल रहा सम्मान। इस शिवलिंग के बनने से नुकसान कहां है? चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, सभी को इसका फायदा मिल रहा है।

क्या मुस्लिम परिवार यहां नहीं जी सकता?

क्या हमें अधिकार नहीं है? कोई देवता बांटे हुए नहीं हैं। एक ही कलम से राम लिखा जाता है और एक ही कलम से रहीम। फर्क सिर्फ 'ज़े' और 'जबर' का है। हिंदू-मुस्लिम ये सब लोगों की सोच है। हम सभी इंसान हैं। ये कहना है खिलौना बेचने वाले मोहम्मद जमील का, जो हर दिन 500 से 700 रुपए कमाकर अपना घर चला रहे हैं। दरअसल, पूर्वी चंपारण जिले के कैथवलिया क्षेत्र में विराट रामायण मंदिर बन रहा है।

इस भव्य मंदिर परिसर में 17 जनवरी को विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना होने जा रही है। इससे पहले ही यहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। हालांकि, ये मंदिर करीब 120 एकड़ में बनाया जा रहा है। जिसमें करीब 20 एकड़ जमीन मुस्लिम परिवारों ने भगवान शिव-राम के नाम पर दान दिया है। वहीं, 23 एकड़ जमीन हिंदू परिवार वालों ने दिया है। इसके अलावा बाकी जमीन मंदिर से जुड़े परिवार और सदस्यों ने दान दिया है।

माघ मेले में आग लगी, कल्पवासी भागे

फायरकर्मी-संत आग बुझाने में जुटे ; लपटें 5 किमी दूर से दिख रहीं

प्रयागराज 13 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज माघ मेले में लगे नारायण शुक्ला धाम शिविर में मंगलवार शाम आग लग गई। इससे 15 टेंट और 20 दुकानें जलकर राख हो गईं। शिविर में कल्पवास कर रहे लोग जान बचाकर भागे। एक कल्पवासी के झुलसने की सूचना है। शिविर सेक्टर 5 में है। 5 Km दूर से ही आग की लपटें और धुआं दिख रहा था। पुलिस और संतों ने बचाव कार्य शुरू किया। दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग रुक-रुककर आग भड़क रही थी। करीब डेढ़ घंटे की मेहनत के बाद आग बुझा ली गई। आग लगने के पीछे शार्ट सर्किट वजह बताई जा रही है।

नारायण धाम शिविर में 15 टेंट थे। इनमें 50 से ज्यादा कल्पवासी थे। आग भड़कने के बाद शिविर के अंदर धुआं भरने लगा। इसके बाद अचानक हल्ला मचा और लोग बाहर की तरफ भागे।

यहां तैनात पुलिस वालों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। 10 मिनट के अंदर 1-1 करके 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। नारायण धाम का मुख्य शिविर पूरी तरह से जल चुका था। सभी टेंट भी जल गए। कल्पवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आसपास की करीब 20 दुकानें जली हैं।सीएम योगी के खास सतुआ बाबा मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से अग्निकांड की जानकारी ली है। लल्लू एंड संस और लल्लू ब्रदर्स ने टेंट लगाया था। दोनों एक ही परिवार की कंपनी है। करीब 1.30 घंटे तक पानी की बौछार डालने के बाद मुख्य शिविर की आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि यहां गद्दों और बांस बार-बार सुलग रहे हैं, इसलिए फायर फाइटर को दिक्कत आ रही हैं। इस वक्त फायर फाइटर बुझाई जा चुकी आग के बीच चूल्हा और सिलेंडर की आशंका में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। जिन कल्पवासियों का नुकसान हुआ है, उन्हें राहत शिविर में शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि उनकी पूजा अर्चना में व्यवधान न पैदा हो।

बदायूं में केबिन में मिले तीन युवकों के शव

मैंथा फैक्ट्री में सुपरवाइजर था एक, परिजनों ने फैक्ट्री मालिक पर दर्ज कराई एफआईआर ; फैक्ट्री सील

बदायूं, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बदायूं में मैंथा फैक्ट्री के एक कमरे में तीन सिक्योरिटी गार्ड के शव मिले हैं। परिजनों ने हत्या कर शव कमरे में रखने का फैक्ट्री मालिक पर आरोप लगाया है। घटना का पता उस वक्त चला, जब सुबह कर्मचारी पहुंचे तो तीनों केबिन में बेसुध पड़े हुए थे। हिलाकर देखा तो तीनों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस बुलाई। इधर, घटना का पता चलते ही तीनों गार्ड के परिजन पहुंच गए और हंगामा कर दिया।

परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया है। उनकी मांग है कि फैक्ट्री के मालिक के खिलाफ एफआई आर दर्ज की जाए। मामला उझानी थाना क्षेत्र के गांव कुड़ा नरसिंहपुर स्थित मैंथा फैक्ट्री का है। यह वही फैक्ट्री है, जिसमें कुछ महीने पहले भीषण आग लगी थी। मृतकों की पहचान जोगेंद्र (30), भानु (26) और विवेक यादव (27) के रूप में हुई है। एसपी सिटी विजयेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि परिजनों से तहरीर लेकर एफआईआर कर ली गई है। फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

छपरा- पुलिस टीम पर पथराव, कई गाड़ियों के शीशे तोड़े

5वीं क्लास के बच्चे की हत्या के बाद हंगामा ; दो दिन पहले मिली थी लाश

छपरा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छपरा में एक बच्चे की हत्या के बाद लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। गुस्साई भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव किया और कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। गुस्साए लोगों ने पुलिस की एक गाड़ी भी पलट दी। दरअसल, छपरा में पिछले रविवार (11 जनवरी) को 5वीं क्लास के बच्चे का शव बरामद किया गया था। वह 31 दिसंबर 2025 की शाम से लापता था। उसका शव मिलने के बाद से ही परिजन आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।इसी कड़ी में आज अमनौर के भेलदी चौक के पास एनएच-722 को जाम कर दिया। करीब 100 से ज्यादा लोग सड़क पर उतर आए और पुलिस के खिलाफ नारे लगाने लगे। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। परिवार वालों का कहना है, 'मेरे बच्चे की हत्या की गई और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही।' फिलहाल मौके पर भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है। घटना जिले के अमनौर थाना क्षेत्र की है। दोपहर 12 बजे के आसपास मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम करने एनएच-722 पर पहुंचे। लोगों के पहुंचते ही वहीं जाम लग गई। गुस्साए लोगों ने करीब 1 घंटे तक प्रदर्शन किया। इस बीच पुलिस वहां पहुंची। पहले लोगों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन लोग नहीं माने और उल्टा पुलिसकर्मियों से ही धक्का-मुक्की करने लगे। दोपहर 2 बजे के करीब पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और लोगों को जबरन घटनास्थल से हटाने लगी। इसी बीच ग्रामीण पुलिस से उलझ गए और पथराव करने लगे। कुछ लोग गाड़ी की बोनट पर चढ़कर डंडे बरसाने लगे। हंगामा बढ़ने के बाद करीब 3 बजे डीएसपी नरेश पासवान और सदर एसडीओ निधि राज पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचीं और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया, जिसके बाद लोग शांत हुए। लोगों का कहना है कि बच्चे की हत्या करनेवाले आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की जाए।

नितिन नबीन 20 जनवरी को बन जाएंगे पूरे टर्म के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पटना, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अब पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। इतना तय मान लीजिए कि नितिन नबीन अब भाजपा में अपने पूरे टर्म के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। इसके लिए पार्टी ने सारी रूपरेखा तय कर ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस खास मौके पर मौजूद रहेंगे।

पीएम मोदी रहेंगे प्रस्तावक

इस तरह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में एक अहम संगठनात्मक बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन 19 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन फाइल करने वाले हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावक के तौर पर मौजूद रहने की उम्मीद है, जो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच नबीन के नेतृत्व में मजबूत समर्थन और विश्वास को दिखाता है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी को भाजपा की संगठनात्मक और वैचारिक दिशा में निरंतरता और स्थिरता पर जोर देने के तौर पर देखा जा रहा है।

नामांकन प्रक्रिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए उसके स्थापित आंतरिक संगठनात्मक ढांचे का हिस्सा है। कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय नेतृत्व के सदस्य और प्रमुख पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, जिससे यह पार्टी के संगठनात्मक कैलेंडर में एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम बन जाएगा।

20 तारीख को बस औपचारिकता

नामांकन प्रोसेस पूरा होने के बाद, नए भाजपा अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को होने वाली है। यानी इस दिन नितिन नबीन सर्वसम्मति से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिए जाएंगे। पार्टी को उम्मीद है कि इस घोषणा से आने वाली चुनावी चुनौतियों से पहले नेतृत्व संरचना के बारे में स्पष्टता मिलेगी और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की संगठनात्मक रणनीति को आकार मिलेगा।

बिहार से बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष

राजनीतिक जानकार इन घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह नियुक्ति ऐसे अहम समय पर हो रही है जब भाजपा अपनी संगठनात्मक ताकत को मजबूत करने और अपनी नेतृत्व को लंबे समय के शासन और चुनावी लक्ष्यों के साथ जोड़ने पर ध्यान दे रही है। 20 जनवरी को आधिकारिक घोषणा के बाद और जानकारी सामने आने की उम्मीद है। नितिन नबीन ऐसा होने पर बीजेपी के बिहार से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे।

खरमास के चलते रुके हुए थे नितिन नबीन

बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, लेकिन खरमास (अशुभ समय) के कारण पार्टी अध्यक्ष के तौर पर उनका औपचारिक पदभार ग्रहण रुका हुआ था, जो 14 जनवरी को खत्म हो रहा है। कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद से, नबीन अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रहे हैं और पार्टी के साथियों से मिल रहे हैं। नवीन पहले पार्टी में कई अहम संगठनात्मक पदों पर रह चुके हैं, जिसमें भारतीय जनता युवा मोर्चा के बिहार अध्यक्ष का पद भी शामिल है।

पंजाब सीएम की अकाल तख्त पेशी पर घमासान

जत्थेदार ने सीएम को व्यस्त बता टाइम बदला
मान ने कहा–15 जनवरी को मेरा कोई और प्रोग्राम नहीं

अमृतसर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भगवंत मान की 15 जनवरी को अमृतसर में अकाल तख्त के सामने पेशी पर घमासान छिड़ गया है। आज सुबह ही अकाल तख्त सचिवालय की तरफ से बयान जारी कर पेशी का टाइम बदल दिया गया। इसमें कहा गया है कि अब वह 15 जनवरी को सुबह 10 बजे की जगह शाम साढ़े 4 बजे आएं। जिसपर अब सीएम मान का रिएक्शन आया है। दरअसल, अकाल तख्त ने सीएम मान के दिए बयानों और एक वायरल वीडियो को लेकर स्पष्टीकरण देने को तलब किया है।

सीएम मान ने कहा कि 15 जनवरी को मेरा कोई और काम नहीं है। मैंने माननीय राष्ट्रपति जी के ऑफिस को भी बता दिया है। जत्थेदार जी, आपके कहे अनुसार 15 जनवरी का दिन पूरी तरह से श्री अकाल तख्त साहिब को समर्पित है।

बता दें कि सीएम भगवंत मान ने कहा था कि वह नंगे पैर अकाल तख्त पर जाएंगे। उन्होंने जत्थेदार से

विनती भी की थी कि जब वह सबूतों समेत गोलक का हिसाब-किताब दें तो इस पूरे मामले का लाइव टेलीकास्ट कराया जाए। हालांकि, इसको लेकर अभी जत्थेदार की तरफ से इसको लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। चूंकि सीएम अमृतधारी सिख नहीं हैं, इसलिए उन्हें अकाल तख्त की फसील की जगह सचिवालय में पेश होने के लिए कहा गया है।

इस बीच चोरी हुए श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 पावन स्वरूपों के मामले में SIT ने अमृतसर और चंडीगढ़ में एसजीपीसी ऑफिस पहुंचकर छापेमारी की। टीम ने एसजीपीसी के रिकॉर्ड खंगाले।

सीएम बोले- मैं समय पर आने को तैयार: सीएम मान ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि मैं 15 जनवरी को नंगे पैर समय पर हाजिर हो जाउंगा। मैंने इसको लेकर माननीय राष्ट्रपति के कार्यालय को भी सूचित कर दिया था कि मेरी अकाल तख्त पर पेशी है।

मेरा कोई ऑफिशियल लेकर नहीं आया: सीएम मान ने आगे कहा कि समय बदलने के बारे में मेरी या ऑफिस की तरफ से कोई ऑफिशियल लेटर या बयान जारी नहीं किया गया है। मैं 15 जनवरी को सुबह 10 बजे हाजिर होने के लिए तैयार हूं।

दरअसल, इससे पहले सीएम मान ने कहा था कि 15 जनवरी को ही अमृतसर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कार्यक्रम है लेकिन वे वहां नहीं जा पाएंगे और अकाल तख्त में पेश होंगे। इसी बयान का संज्ञान लेते हुए अकाल तख्त की तरफ से समय बदलने का फैसला लिया गया था।

क्या डीएमके को छोड़ एक्टर विजय के साथ जाएगी कांग्रेस

राहुल गांधी ने जना नायकन मूवी का किया समर्थन

चेन्नई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अभिनेता विजय की फिल्म ' जना नायकन ' को लेकर चल रहे विवाद पर उनका पुरजोर समर्थन किया है। इस समर्थन ने तमिलनाडु की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। राहुल गांधी की इस पोस्ट ने न केवल मुश्किल समय में विजय का साथ दिया है, बल्कि इस अटकलों को भी हवा दी है कि कांग्रेस, डीएमके के साथ अपने मजबूत गठबंधन के बावजूद विजय की पार्टी टीवीके के साथ राजनीतिक तालमेल बिठाने पर विचार कर सकती है। हालिया घटनाक्रम तमिलनाडु में कांग्रेस की भविष्य की रणनीति पर नई बहस छेड़ रहा है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के जरिए 'जना नायकन' को रोकने की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिल लोगों की आवाज को दबा नहीं पाएंगे। यह उनके इस बड़े राजनीतिक तर्क से मेल खाता है कि प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान बीजेपी और आरएसएस के दबाव में हैं। ट्वीट का समय भी महत्वपूर्ण था। यह उस दिन आया जब वह वियतनाम से लौटने के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए नीलगिरी के गुडलूर में पोंगल समारोह में थे। इस संदेश में राजनीतिक महत्व और सांस्कृतिक प्रतीकवाद दोनों थे।

दरअसल 'जना नायकन' का मुद्दा खुद एक फिल्म विवाद से कहीं बड़ा हो गया है। फिल्म को सर्टिफिकेशन में बाधाओं, कानूनी जांच और कंटेंट से जुड़ी आपत्तियों और विवादों के बाद देरी से मंजूरी का सामना करना पड़ा है। इस मामले में कोर्ट में बहस हुई और फिल्म निर्माताओं और अधिकारियों के बीच खींचतान हुई। इससे यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया। इससे पहले कांग्रेस नेताओं ने फिल्म निर्माताओं के समर्थन में कहा था कि रचनात्मक स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगनी चाहिए।

स्टालिन ने भी किया समर्थन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इस सिद्धांत का समर्थन किया था कि फिल्मों को अनुचित तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए और उन्होंने उस बात पर चिंता जताई थी जिसे उन्होंने कलात्मक क्षेत्र को प्रभावित करने वाला राजनीतिक दबाव बताया था। इस व्यापक संदर्भ ने राहुल गांधी के हस्तक्षेप को और भी अधिक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना दिया।

कांग्रेस में तमिलनाडु की रणनीति पर नई चर्चा शुरू

कांग्रेस के अंदर इस पोस्ट ने अब तमिलनाडु में रणनीति पर नई चर्चा शुरू कर दी है। नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि पार्टी को TVK के साथ गठबंधन बनाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उनका मानना है कि विजय की लोकप्रियता खासकर युवाओं और पहली बार वोट देने वालों के बीच ज्यादा है। जो कि कांग्रेस को एक नया राजनीतिक फायदा दे सकती है। पार्टी के अंदर शुरुआती फीडबैक से पता चलता है कि विजय और राहुल गांधी दोनों के नेतृत्व वाले अभियान जमीनी स्तर पर लोगों से मजबूती से जुड़ सकते हैं और राज्य में माहौल बदल सकते हैं।

गठबंधन पर कुछ की राय अलग

हालांकि कांग्रेस में हर कोई इस विचार से सहमत नहीं है। कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि पार्टी को डीएमके के साथ अपने लंबे समय के गठबंधन के साथ खड़ा रहना चाहिए। उनका कहना है कि इस पार्टनरशिप से कई सालों से स्थिरता, प्रासंगिकता और राजनीतिक फायदा मिला है। उनके अनुसार, एक नए गठबंधन के साथ प्रयोग करना, चाहे वह कितना भी रोमांचक क्यों न लगे, उसमें जोखिम भी होता है। उनका तर्क है कि कांग्रेस को दूर जाने के बजाय मौजूदा स्थिति का इस्तेमाल करके मौजूदा गठबंधन में बेहतर जगह और मजबूत भूमिका के लिए बातचीत करनी चाहिए।

तमिलनाडु की राजनीति बदल रही

कांग्रेस और डीएमके के बीच एक लंबा और कभी-कभी जटिल रिश्ता रहा है, लेकिन यह ज़्यादातर स्थिर रहा है। साथ ही जयललिता और एम् करुणानिधि के निधन के बाद से तमिलनाडु की राजनीति बदल रही है।

इससे नई राजनीतिक ताकतों के लिए जगह बनी है। विजय को एक संभावित नया खिलाड़ी माना जा रहा है जो स्टार पावर और राजनीतिक संदेश दोनों के जरिए वोटरों को प्रभावित कर सकता है। उनकी बढ़ती मुखरता ने उन्हें एक अप्रत्याशित लेकिन देखने लायक महत्वपूर्ण व्यक्ति बना दिया है।

उम्मीद है कि कांग्रेस आने वाले दिनों में जनता की राय, गठबंधन की पसंद और जमीनी हकीकत को समझने के लिए एक विस्तृत सर्वे करेगी। नतीजों से पार्टी के अंतिम रुख का पता चलने की संभावना है।

तभी यह साफ होगा कि राहुल गांधी का ट्वीट सिर्फ राजनीतिक और कानूनी दबाव का सामना कर रहे एक लोकप्रिय एक्टर के लिए समर्थन था या तमिलनाडु में कांग्रेस की रणनीति में एक गंभीर बदलाव का पहला संकेत था।

थाने में पत्नी की गोली मारकर हत्या की प्रेमी के साथ भाग गई थी

हरदोई में पुलिसवाले देखते रह गए, दरोगा समेत 2 सस्पेंड

हरदोई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के हरदोई में पति ने थाने में पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पत्नी 5 दिन पहले अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी। पुलिस रविवार को उसे प्रेमी के साथ पकड़कर थाने ले आई और पति को फोन कर सूचना दी।

सोमवार सुबह 10:45 बजे पत्नी सोनी (30) थाने की मेस से खाना खाकर बाहर निकली। तभी पति अनूप (38) वहां पहुंच गया। अचानक उसने कमर से तमंचा निकाला और पत्नी सोनी के दाहिने कंधे में गोली मार दी। बुलेट सीने से आर-पार हो गई। वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी।

वहां खड़े पुलिसवाले यह देखकर घबरा गए और दौड़कर पहुंचे। इसके बाद अनूप भागने लगा तो पुलिसवालों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया।

थाने में हत्या की सूचना मिलते ही एसपी अशोक मीणा भी पहुंच गए। एसपी ने लापरवाही पर इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर दरोगा विक्रांत और महिला सिपाही संजना राजपूत को तुरंत सस्पेंड कर दिया। मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) को सौंपी गई है। घटना शहर मुख्यालय से 50 किमी दूर पाली थाने की है।

पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया की सुरक्षा पर हाईकोर्ट सख्त

पंजाब सरकार को निर्देश, कहा- चूक हुई तो एडीजीपी जेल, नाभा जेल अधीक्षक होंगे जिम्मेदार

चंडीगढ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की सुरक्षा को लेकर पंजाब सरकार को कड़े और स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि, मजीठिया की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेतावनी दी कि, यदि मजीठिया की सुरक्षा व्यवस्था में कोई भी चूक पाई गई, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी एडीजीपी (जेल) और नाभा जेल के अधीक्षक की होगी। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से कार्रवाई की जा सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि हिरासत में जेल में बंद किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा केवल एक औपचारिक प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि यह कानून के शासन का मूल तत्व है। हाईकोर्ट ने साफ किया कि सुरक्षा में लापरवाही को न केवल प्रशासनिक विफलता माना जाएगा, बल्कि यह हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना की श्रेणी में भी आ सकती है। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिए कि, मजीठिया की सुरक्षा से जुड़े सभी इंतजामों की नियमित समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें जेल के भीतर या बाहर किसी भी प्रकार का खतरा न हो। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से अपेक्षा जताई कि वह इन निर्देशों को गंभीरता से लेगी और भविष्य में किसी भी अप्रिय स्थिति की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेगी।

सुनवाई के दौरान मजीठिया के वकील ने हाईकोर्ट को अवगत कराया कि एडीजीपी इंटेलिजेंस की ओर से हाल ही में एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें खुलासा किया गया है कि मजीठिया को जेल के भीतर भी एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन से खतरा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, बब्बर खालसा इंटरनेशनल की ओर से संभावित खतरे की आशंका जताई गई है। वकील ने कहा कि इस नए और ठोस खुफिया इनपुट को देखते हुए मजीठिया की सुरक्षा व्यवस्था की तत्काल समीक्षा और आवश्यक बदलाव किए जाने की जरूरत है।

हाइकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज की

पीएम मोदी की डिग्री से जुड़ा मामला, संजय सिंह से अलग ट्रायल की मांग की थी

अहमदाबाद , 13 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात हाइकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात यूनिवर्सिटी डिग्री से जुड़े मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। केजरीवाल ने इस मामले में पार्टी नेता संजय सिंह से अलग ट्रायल चलाने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

जस्टिस एमआर मेंगदे ने मंगलवार को आदेश सुनाते हुए कहा कि यह याचिका खारिज की जाती है। हालांकि, कोर्ट के आदेश की पूरी प्रति आना बाकी है।

हाइकोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला पिछले महीने सुरक्षित रख लिया था।

केजरीवाल ने याचिका में कहा था कि उन पर साजिश रचने या आपराधिक इरादे को बढ़ावा देने का कोई आरोप नहीं है। उनके और संजय सिंह के खिलाफ लगाए गए आरोप अलग-अलग घटनाओं से जुड़े हैं। दोनों ने अलग-अलग तारीखों पर बयान दिए अलग-अलग वीडियो जारी किए और दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट भी अलग-अलग हैं। इसलिए दोनों का एक साथ ट्रायल करना सही नहीं है।

अप्रैल 2023 में, गुजरात यूनिवर्सिटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री को लेकर अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह के बयानों को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। गुजरात यूनिवर्सिटी ने केस दर्ज कराते हुए कहा था कि केजरीवाल और संजय सिंह ने यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की कोशिश की है। दोनों नेताओं ने संस्थान की प्रतिष्ठा पर सवाल उठाए हैं। उनको पता है कि पीएम की डिग्री पहले ही वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। इसके बावजूद दोनों नेता कह रहे हैं कि डिग्री न दिखाकर यूनिवर्सिटी सच छिपा रही है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। शिकायतकर्ता के वकील अमित नायर ने बताया कि गुजरात विश्वविद्यालय को निशाना बनाने वाली दोनों नेताओं की टिप्पणियां मानहानिकारक और संस्थान की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाती हैं। गुजरात विश्वविद्यालय की स्थापना 70 साल से भी पहले हुई थी। यह विश्वविद्यालय लोगों के बीच प्रतिष्ठित है और आरोपी के बयान से विश्वविद्यालय के बारे में अविश्वास पैदा होने का खतरा है।

5 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त, आतंकियों से संबंध था

पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई ने प्लांट किया था; एलजी मनोज सिन्हा ने कार्रवाई की

श्रीनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के 5 सरकारी कर्मचारियों को आतंकियों से लिंक होने के मामले में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इन सभी का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने प्लांट किया था। एलजी मनोज सिन्हा ने टेरर लिंक सामने आने के बाद मंगलवार को ये कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार इनके लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे आतंकी संगठनों से संबंध थे। निकाले गए कर्मचारियों में एक शिक्षक, एक लैब टेक्नीशियन, एक ड्राइवर, असिस्टेंट लाइनमैन और वन विभाग का एक फील्ड वर्कर शामिल है। पांचों को संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (c) के तहत नौकरी से निकाला गया। सुरक्षा एजेंसी ने कहा-उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2021 में आतंकी इकोसिस्टम को बेनकाब करने और उसकी कमर तोड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया। फाइनेंसरों से लेकर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं तक, सभी के खिलाफ उनकी निर्णायक और व्यापक कार्रवाई ने आतंकी इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी हद तक खत्म कर दिया है। आधिकारियों के मुताबिक बर्खास्त किया गया शिक्षक पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के लिए काम कर रहा था। उसे अप्रैल 2022 में जम्मू और कश्मीर पुलिस ने पुलिस के खिलाफ एक योजना को अंजाम देने से पहले गिरफ्तार कर लिया था।

बिहार में भाप, इलेक्ट्रिक के बाद अब शराब इंजन

बक्सर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में अब तक आपने शराब तस्करी के कई वीडियो देखे होंगे। कई तरह की खबरें पढ़ी होंगी। लेकिन ये सबसे अलग है। मामला ये है कि शराब ट्रेन में मिली। आप कहेंगे कि ट्रेन में तो पहले भी शराब मिली है। लेकिन इस बार ट्रेन की बोगी में नहीं बल्कि इंजन के अंदर की जगहों में शराब छिपा तस्करी की जा रही थी।

बिहार में शराबबंदी के बाद भी शराब तस्करों के नए-नए कारनामे को देखकर अधिकारी तो हैरान ही है। लेकिन इस वीडियो में जो दिखेगा, वो हैरान से लेकर परेशान तक कर देगा। शायद आप भी हैरान हो जाएं। अब रेल के इंजन में भी शराब की तस्करी हो रही है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो बक्सर रेलवे स्टेशन की बताई जा रही है। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंजन से शराब बरामद होने के बाद शराब तस्करी के इस पूरे खेल ने नया मोड़ ले लिया है। अब इस अवैध धंधे में रेल

कर्मियों की संभावित संलिप्तता को लेकर संदेह और गहराता जा रहा है। लगातार एक ही रेल रूट पर सामने आ रही घटनाओं ने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

बताया जा रहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय–पटना जंक्शन सवारी गाड़ी के इंजन को अलग कर बंद हिस्से की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान इंजन के भीतर बनाए गए खाली स्थान और उपकरणों के पास छुपाकर रखी गई शराब बरामद की गई। इंजन जैसे अत्यंत सुरक्षित और सीमित पहुंच वाले हिस्से से शराब मिलना इस बात की ओर इशारा करता है कि तस्करों को ट्रेन के तकनीकी ढांचे की जानकारी थी। बिना रेल कर्मियों की जानकारी या सहयोग के यहां तक शराब पहुंचाना आसान नहीं माना जा रहा है।

यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी इसी रेलखंड पर कुछ दिन पहले ब्रह्मपुत्र मेल डाउन के एसी कोच से भी बड़ी मात्रा में शराब बरामद की गई थी। लगातार हो रही इन बरामदगियों ने साफ कर दिया है कि तस्कर ट्रेनों को शराब ढुलाई का सुरक्षित माध्यम मान चुके हैं। लेकिन इस बार तो हद ही हो गई। अब लगातार सामने आ रहे मामलों के बाद यह सवाल तेज हो गया है कि आखिर इंजन और बोगी जैसे हिस्सों तक शराब कैसे पहुंच रही है? ऐसे में रेलवे प्रशासन और आरपीएफ के सामने अब केवल बरामदगी ही नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क का खुलासा करना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

अखिलेश यादव किस आधार पर सपा उम्मीदवारों को देंगे टिकट ?

लखनऊ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभा रही समाजवादी पार्टी ने भी अपनी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी का इस बार टिकट वितरण पर पूरा फोकस है। सपा जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार घोषित करेगी। जिसका अपनी सीट पर जातीय समीकरण पर सबसे ज्यादा पकड़ होगी, उसे ही इसपर चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। यही वजह है कि दावेदारों को इस बार सपा का टिकट पाने के लिए लोहे के चने चबाने होंगे।

दरअसल बीच भाजपा को जीत की हैट्रिक लगाने से रोकने और 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजे को बरकरार रखने के लिए समाजवादी पार्टी अब आगामी विधानसभा चुनाव में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव पीडीए के नारे के तहत अपनी चुनावी नैया पार लगाने में जुटे हैं। इसके साथ ही इस बार उम्मीदवारों के चयन में भी समाजवादी

पार्टी काम कर रही है।

सूत्रों की माने तो इस बार समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों को टिकट देने से पहले उनकी सीट पर वास्तविक जनाधार का आकलन करेगी। इसके लिए सर्वे भी कराया जाएगा। सपा हर सीट पर यह देखेगी कि किस सीट पर किस दावेदार का जातीय समीकरण के आधार पर सबसे मजबूत पकड़ है। उसी आधार पर उम्मीदवार तय किया जाएगा। साथ ही सर्वे के आधार पर ही गठबंधन का फार्मूला भी तैयार किया जाएगा।

पार्टी की ओर से कराए जाने वाले सर्वे में दावेदारों की जमीनी पकड़, क्षेत्र में सक्रियता, संगठन से जुड़ाव और जातीय समीकरण की पकड़ को परखा जाएगा। सभी मानकों पर खरा उतरने वाले दावेदारों को ही टिकट मिलेगा। इतना ही नहीं, इस बार जमीनी स्तर पर पकड़ ना रखने वाले किसी भी दावेदार को टिकट नहीं मिलेगा।

फीडबैक ले रहें अखिलेश यादव

सपा मुखिया अखिलेश यादव लगातार पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं और उनके फीडबैक ले रहे हैं। सपा को यादव के साथ-साथ मुस्लिमों का भी वोट मिलता रहा है। हालांकि लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद से उसकी नजर पिछड़ी जातियों और ब्राह्मण वोटबैंक पर है। लोकसभा चुनाव में कुर्मी समाज ने सपा को बढ़चढ़ वोट किया था। इस तरह समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए डेटा, सर्वे और जमीनी फीडबैक आधारित रणनीति अपनाने जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 14 जनवरी- 2026

अमेरिका की हिप्पोक्रेसी !

दुनिया में यदि किसी देश की हिप्पोक्रेसी देखना हो तो उसमें शायद अमेरिका से बढ़ कर कोई नहीं है। हाल ही में उसका दोहरा चेहरा दुनिया के सामने आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले तो खुद भारत के नेतृत्व वाले सोलर अलायंस से बाहर निकलने का ऐलान किया और अब अमेरिका भारत को उसके पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने का न्योता दे रहा है। अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत को अमेरिका की अगुआई वाली रणनीतिक पहल पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। इसका मकसद दुनिया की सिलिकॉन और तकनीकी सप्लाई चेन को सुरक्षित, मजबूत, आधुनिक बनाना है। इसमें अहम खनिज, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और इससे जुड़ी तकनीकें शामिल हैं। अमेरिका ने इसे 12 दिसंबर 2025 को शुरू किया था। जापान, साउथ कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, यूएई, इजरायल और ऑस्ट्रेलिया इसका हिस्सा हैं। बता दें कि आज की आधुनिक तकनीकें जैसे एआई, 5 जी, डेटा सेंटर, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर सिलिकॉन और दूसरे अहम खनिजों पर टिकी हैं। अभी इनका बड़ा हिस्सा चीन के नियंत्रण में है। पैक्स सिलिका का मकसद भी यही है कि किसी तरह चीन पर निर्भरता को कम किया जा सके। अमेरिका अपने भरोसेमंद देशों के साथ मिला कर अपने सप्लाई चेन को मजबूत बनाने में लगा है। इसके लिए साथी देशों के संसाधन, तकनीक और निवेश को साझा किया जाएगा। साथ ही एआई और नई तकनीकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद नेटवर्क तैयार किए जाएंगे। गोर ने ऐलान किया कि भारत को अगले महीने इस पहल में शामिल किया जाएगा, जिससे भारत-अमेरिका तकनीकी और सप्लाई चेन सहयोग को और आगे बढ़ाने का मौका मिल सके। यह कदम विशेष रूप से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका को मजबूती प्रदान करने में सक्षम होगा। इसके जरिए अमेरिका एक नई तरह की आर्थिक सुरक्षा रणनीति बना रहा है, जिसमें टेक्नोलॉजी, देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था आपस में जुड़ी होंगी। यह कोई पारंपरिक सैन्य गठबंधन नहीं है, बल्कि तकनीक और उद्योग पर आधारित साझेदारी है। इसका उद्देश्य मिलकर प्रोजेक्ट करना, निवेश करना और रिसर्च करना है, ताकि एक भरोसेमंद टेक इकोसिस्टम बने और चीन के बढ़ते दबदबे को संतुलित किया जा सके। इन सब सहूलियत और खूबियों के बावजूद भारत को पैक्स सिलिका में शामिल करने के अमेरिकी नीति को दोगलापन कहा जा रहा है। बता दें कि हाल ही में अमेरिका 60 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संस्थाओं से अलग हुआ है। इसमें भारत की अगुआई वाला इंटरनेशनल सोलर अलायंस भी शामिल है। ट्रंप प्रशासन ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस और 65 अन्य एजेंसियों को अमेरिका विरोधी, बेकार या फिजूलखर्ची वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन बताया है। अब सवाल है कि इसके बाद वह भारत के कंधे पर बंदूक रख कर अपना कौन सा हित साध रहा है?

परंपरा की जड़ों से ऊर्जा लेकर भविष्य की ओर बढ़ता भारत

आरके जैन

तूफानों से भागने वाले समय की धूल में खो जाते हैं, लेकिन जो तूफान को साध लेते हैं वही युग गढ़ते हैं। नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली इसी साहसिक दर्शन से जन्म लेती है, जहां ऊर्जा केवल गति नहीं, बल्कि दिशा बन जाती है। वैश्विक अस्थिरता, व्यापारिक दबाव और बदलती कूटनीति के बीच उनका नेतृत्व विचलित नहीं होता। वे हालात से संचालित नहीं, बल्कि हालात को गढ़ने वाले नेता हैं। हर चुनौती उनके लिए रुकावट नहीं, संभावना का द्वार है। यही कारण है कि उनका हर निर्णय तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सोच का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें भारत केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरता दिखाई देता है।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच, अहमदाबाद की धरती पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ हुआ संवाद साधारण औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की साझेदारी का स्पष्ट संकेत था। वैश्विक शुल्क तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में भारत जर्मनी संबंधों को असीम क्षितिज देना मोदी की रणनीतिक दृष्टि को दर्शाता है। शिक्षा, रक्षा और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के प्रस्ताव यह बताते हैं कि भारत अब संबंधों को प्रतीकात्मक नहीं, संरचनात्मक आधार पर गढ़ रहा है। मोदी जानते हैं कि आने वाले समय में केवल मित्र नहीं, बल्कि भरोसेमंद साझेदार ही राष्ट्रों को स्थिरता और शक्ति प्रदान करेंगे।

सोमनाथ में नतमस्तक होकर आरंभ हुआ 2026 का गुजरात प्रवास मोदी की राजनीति का सार प्रस्तुत करता है। यह यात्रा बताती है कि विकास और विरासत परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं। आध्यात्मिक चेतना से जुड़कर आधुनिक भारत की रचना करना उनकी विशिष्ट शैली है। अहमदाबाद मेट्रो और अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे आयोजन यह दर्शाते हैं कि प्रतीक भी नीति बन सकते हैं। परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना मोदी की पहचान है। वे समझते हैं कि जड़ों से जुड़ा राष्ट्र ही वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा रह सकता है। देश के भीतर भी मोदी की कार्यप्रणाली उतनी ही निर्णायक दिखाई देती है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हथियार आधारित सोच से हटकर कल्याण और विकास केंद्रित नीति अपनाना एक ऐतिहासिक मोड़ है। जहां कभी भय और हिंसा का वर्चस्व था, वहां अब विद्यालय, अस्पताल और रोजगार की चर्चा हो रही है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि मानसिक परिवर्तन भी है, भरोसे की पुनर्स्थापना है। मोदी मानते हैं कि स्थायी शांति बल से नहीं, विश्वास से आती है। विकास को समाधान बनाकर असंतोष की जड़ों पर प्रहार करना उनकी रणनीति का केंद्र है, जो दीर्घकाल में राष्ट्र को आंतरिक रूप से सुदृढ़ बनाता है।

युवा शक्ति को विकसित भारत की धुरी मानना मोदी की सोच का आधार है। वे जेन जेड की रचनात्मकता और नवाचार को केवल सराहते नहीं, बल्कि अवसर भी प्रदान करते हैं। नेतृत्व संवाद, कौशल विकास और प्रेरक अभियानों के माध्यम से युवाओं को नीति निर्माण से जोड़ा जा रहा है। विवेकानंद की चेतना को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करना यह दर्शाता है कि प्रेरणा और शासन के बीच मजबूत सेतु बनाया जा रहा है। हालांकि रोजगार, ग्रामीण असंतोष और जलवायु संकट जैसे प्रश्न गंभीर बने हुए हैं, जिनका समाधान समय और संतुलन दोनों की मांग करता है।

मनरेगा में प्रस्तावित बदलाव साहसिक है, पर उसका प्रभाव ग्रामीण महिलाओं और आजीविका पर कैसे पड़ेगा, यह आने वाला समय तय करेगा। आर्थिक और डिजिटल मोर्चे पर मोदी की गति निरंतर बनी हुई है। सुधारों की प्रक्रिया रुकी नहीं, बल्कि और अधिक सशक्त हुई है। आधारभूत संरचना, विनिर्माण प्रोत्साहन, डिजिटल सार्वजनिक प्रणाली और व्यापार सुगमता ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। वैश्विक झटकों के बावजूद विकास बनाए रखना प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और किफायती तकनीक पर जोर युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करता है, हालांकि असमानता और रोजगार जोखिम जैसे प्रश्न अभी भी उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है ‘मकर संक्रांति

योगेश कुमार गोयल

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का ऐसा प्राचीन पर्व है, जिसकी जड़ें केवल धार्मिक आस्था में ही नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि, खगोल विज्ञान और लोकजीवन की गहरी समझ में भी समाई हुई हैं। यह पर्व मूलतः सूर्य उपासना का उत्सव है, जिसे प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ भारत सहित अनेक देशों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का महत्व इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि यह पर्व किसी पौराणिक कथा तक सीमित न होकर खगोलीय घटना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। इसी दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है और अपनी उत्तरायण यात्रा आरंभ करता है, जिसे अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और जड़ता से चेतना की ओर संक्रमण का प्रतीक माना गया है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही है।

मकर संक्रांति केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का सजीव संकेत भी है। इसी दिन से वसंत ऋतु के आगमन की आहट मिलने लगती है। खरीफ की फसलें घरों तक पहुंच चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहाने लगती हैं। सरसों के पीले फूल खेतों में प्रकृति की मुस्कान बिखेरते हैं और किसान के श्रम का प्रतिफल उसकी आंखों के सामने साकार होने लगता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को देशभर में फसलों के आगमन और कृषि समृद्धि के पर्व के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव किसान के लिए आशा, संतोष और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य देव अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह परिवर्तन केवल खगोलीय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से वर्षों पुरानी नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे, इसलिए यह पर्व पारिवारिक समरसता, क्षमा और संबंधों की पुनर्स्थापना का संदेश भी देता है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए इसी दिन तर्पण किया था, जिससे इस तिथि को पितृ तर्पण और पुण्यकर्म से भी जोड़ा गया।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से मकर संक्रांति का महत्व अत्यंत वैज्ञानिक है। पृथ्वी की गोलाकार संरचना और उसके अक्ष पर झुके हुए भ्रमण के कारण दिन और रात की अवधि में परिवर्तन होता है। जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है, तब उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं। लोकभाषा में कहा जाता है कि मकर संक्रांति से दिन ‘तिल-तिल’ बढ़ता है। दिन की अवधि बढ़ने से खेतों में बोए गए बीजों को अधिक प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा मिलती है, जिससे फसलों की वृद्धि बेहतर होती है। यही कारण है कि यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है और कृषि आधारित भारतीय समाज में इसका गहरा स्थान है। ‘मकर’ शब्द जहां मकर राशि की ओर संकेत करता है, वहीं ‘संक्रांति’ का शाब्दिक अर्थ है—संक्रमण या प्रवेश। सूर्य जब एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो उस खगोलीय घटना को संक्रांति कहा जाता है।

सूर्य वर्षभर में कुल बारह राशियों में क्रमशः प्रवेश करता है, परंतु मकर संक्रांति को सबसे महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है क्योंकि यह उत्तरायण का प्रारंभ बिंदु है। भारतीय परंपरा में उत्तरायण काल को अत्यंत शुभ माना गया है। महाभारत में भी भीष्म पितामह ने उत्तरायण की प्रतीक्षा करते हुए देह त्याग किया था, जिससे इस काल की पुण्यता और अधिक स्थापित होती है।

मकर संक्रांति की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि यह भारत का ऐसा पर्व है, जो लगभग पूरे देश में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, हालांकि इसके नाम, परंपराएं और स्वरूप क्षेत्र विशेष के अनुसार बदल जाते हैं। उत्तर भारत में यह पर्व कहीं लोहड़ी, कहीं खिचड़ी, कहीं माघी तो कहीं पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व ‘पोंगल’ के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह भोगाली बिहू या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे पोंगल या उझवर तिरूनल कहा जाता है। बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कंबोडिया में मोहा संगक्रान और लाओस में पि मा लाओ के नाम से यह पर्व मनाया जाता है।

यह तथ्य दर्शाता है कि सूर्य, ऋतु और कृषि से जुड़ा यह पर्व सीमाओं से परे मानव सभ्यता का साझा उत्सव है।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को अत्यंत पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन तीर्थ स्नान, दान, जप और श्राद्धकर्म को विशेष फलदायी कहा गया है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों के तटों पर लाखों श्रद्धालु इस दिन स्नान के लिए एकत्र होते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति पर लगने वाला मेला इस पर्व की विराटता और आस्था की गहराई का जीवंत उदाहरण है। कहा जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से न केवल आध्यात्मिक शुद्धि होती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। मकर संक्रांति पर तिल का विशेष महत्व है। तिल को शुद्धता, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इस दिन तिल-गुड़ से बने व्यंजनों का सेवन और दान करने की परंपरा लगभग पूरे देश में देखने को मिलती है। माना जाता है कि तिल और गुड़ शरीर को ऊष्मा प्रदान करते हैं और शीत ऋतु में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। यही कारण है कि इस पर्व पर ‘तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो’ जैसी लोक कहावतें सामाजिक सौहार्द और आपसी संबंधों में मधुरता का संदेश देती हैं।

मकर संक्रांति का एक लोकप्रिय स्वरूप पतंगोत्सव के रूप में भी सामने आता है। उत्तर भारत और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। पतंग उड़ाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। कड़ाके की ठंड के मौसम में खुले आकाश के नीचे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है। यह परंपरा अनजाने में ही सूर्य स्नान का रूप ले लेती है, जिससे त्वचा, हड्डियों और संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचता है। इस प्रकार मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन का उत्सव है। यह पर्व हमें सूर्य के महत्व, कृषि के मूल्य, सामाजिक सौहार्द और सकारात्मक जीवन दृष्टि का बोध कराता है। विविधताओं से भरे भारतीय समाज में मकर संक्रांति एक ऐसा सूत्र है, जो विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को एक साझा भाव में बांध देता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता और स्थायी प्रासंगिकता है।

खामेनेई के चीन को कच्चा तेल देने से ईरान का दम घुटा

वीरेंद्र बहादुर सिंह

ईरान में चल रहा जनआंदोलन वास्तव में सिर्फ खामेनेई को सत्ता से हटाने या उनके खिलाफ गुस्से का परिणाम नहीं है। इसके पीछे दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच क्रूड सेक्टर में बादशाहत की जंग है।

गौरतलब है कि 1980 तक ईरान पर अमेरिका का नियंत्रण था। सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका का प्रभाव घट गया। खामेनेई के सत्ता में आने के बाद अमेरिकी दबाव लगभग खत्म हो गया।

2021 में खामेनेई ने चीन के साथ कई समझौते किए, जिनके तहत ईरान अपना 90 प्रतिशत क्रूड चीन को भेजने लगा। बदले में चीन ईरान को मिसाइल निर्माण और परमाणु परियोजनाओं के लिए रेयर अर्थ मिनरल्स उपलब्ध करा रहा था। इससे अमेरिका और अधिक चिढ़ गया। अब अमेरिका ने स्थिति भांपते हुए पर्दे के पीछे से जनआंदोलन को हवा दी है। दूसरी ओर खामेनेई भी आसानी से हार मानने वाले नहीं हैं। सत्ता बचाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकते हैं। चर्चा है कि उन्हें भी पर्दे के पीछे से चीन का समर्थन मिल रहा है। इस तरह अमेरिका और चीन के बीच क्रूड सेक्टर की वर्चस्व की लड़ाई में ईरान पिसता जा रहा है।

ईरान की इस क्रांति के पीछे पेंटागन की भूमिका होने की बातें तेज़ हो गई हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को चेतावनियां दी थीं। मौजूदा आंदोलनों को लेकर भी कहा गया था कि यदि प्रदर्शनकारियों और युवाओं को कुछ हुआ तो अमेरिका सीधे हस्तक्षेप करेगा। जानकार मानते हैं कि एक समय क्रूड सेक्टर में दबदबा रखने वाला अमेरिका फिर से इसकी कमान अपने हाथ में लेना चाहता है और इसलिए प्रतिस्पर्धी देशों को कमजोर करने में जुटा है। यह पूरी कार्रवाई पेंटागन से संचालित हो रही है। ट्रंप की इसमें कोई खास ताकत नहीं मानी जाती।

फिलहाल ईरान में हालात ऐसे हैं कि इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं और फोन सेवाओं पर भी कड़ी पाबंदी है। इससे युवा और अधिक भड़क उठे हैं। देश की कई यूनिवर्सिटियों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कभी क्रूड और गैस सेक्टर के कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं तो कभी शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी और व्यापारी यूनियनों के माध्यम से बाजार बंद कर आंदोलन का रास्ता अपना रहे हैं। इस बार महिलाएं भी खुलकर सरकार के खिलाफ उतर आई हैं। जनआंदोलन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और वे अपनी मुक्ति के लिए अलग ही संघर्ष करती दिख रही हैं। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि 100 से अधिक शहरों में लोग सड़कों पर हैं। इस विद्रोह और जनक्रांति में 600 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 10,000 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं।

जानकारों के अनुसार, ईरान में चल रहे आंदोलन या हड़तालें किसी एक घटना या सरकारी फैसले की प्रतिक्रिया नहीं हैं। देश के नागरिकों में दशकों से असंतोष का ज्वालामुखी उबल रहा था, जो अब फट पड़ा है। आर्थिक तंगी, बढ़ती बेरोजगारी, जीवनशैली में बदलाव, कड़े सामाजिक प्रतिबंध, इन सबने व्यापक रोष पैदा किया है। महिलाओं की आजादी पर भी कठोर पाबंदियां लगाई गई हैं। कभी आधुनिक माने जाने वाले ईरान की तुलना में आज लागू प्रतिबंधों से जनता में गुस्सा है। इसी कारण तेहरान, मशहद, इस्फ़हान, तबरीज सहित कई शहरों में लाखों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अब सवाल यह है कि यह क्रांति वास्तविक परिवर्तन लाएगी या खामेनेई का तंत्र इसे दबा देगा।

ईरान में वास्तव में 28 दिसंबर से उग्र आंदोलनों की शुरुआत हुई। शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, मेडिकल सेक्टर के कर्मी, युवा और महिलाएं, सभी सड़कों पर हैं। महिलाएं खुलेआम परंपरा के नाम पर बनाए गए नियमों को तोड़ रही हैं और सरकारी-सामाजिक बंदिशों के खिलाफ असहमति जता रही हैं। जेन-जी पीढ़ी भी सड़कों पर है, खासकर मोरल पुलिसिंग के खिलाफ उनका तीखा विरोध है। इसी कारण यह आंदोलन और अधिक उग्र, हिंसक और लंबे समय तक चलने वाला बन सकता है।

सबसे बड़ी बात यह है कि ईरान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से क्रूड निर्यात घट गया है। महंगाई लगातार बढ़ रही है और बेरोजगारी बहुत अधिक है। शिक्षित युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही या वेतन बेहद कम है। बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटियों से पढ़े युवा भी रोजगार के अभाव में निराश हैं। यही आर्थिक हताशा युवाओं के विद्रोह का बड़ा कारण बनी है।

इन विरोध प्रदर्शनों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी के कारण इसे 'हिजाब प्रोटेस्ट' भी कहा जा रहा है, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक गहरी और पुरानी है। शिक्षा, जीवनशैली और कामकाज पर दशकों से लगे प्रतिबंधों के कारण महिलाएं आक्रोशित थीं। उन पर निगरानी और मोरल पुलिसिंग के नाम पर दबाव डाला जा रहा था। यह संघर्ष केवल कपड़ों या हिजाब का नहीं, बल्कि अस्तित्व और स्वतंत्रता का है।

ईरान की आबादी में 30 वर्ष से कम उम्र के लोगों की संख्या अधिक है और वही सबसे आगे तथा आक्रामक भूमिका में हैं। वे इंटरनेट और सोशल मीडिया की आजादी चाहते हैं, जिस पर सरकार ने रोक लगा दी है। उन्हें लगता है कि उनके माता-पिता के समय की तुलना में आज उन पर कहीं ज्यादा प्रतिबंध हैं।

बेहतर भविष्य की बातें तो की जाती हैं, लेकिन युवाओं पर नियंत्रण बढ़ते जा रहे हैं। इसीलिए वे उग्र हो रहे हैं।

एक समय तेहरान मध्यपूर्व के सबसे आधुनिक शहरों में गिना जाता था। महिलाएं बिना डर पश्चिमी कपड़े पहन सकती थीं, संगीत, कला और सिनेमा में युवाओं की भागीदारी थी, महिलाएं काम कर सकती थीं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद परिस्थितियां बदल गईं। आज के युवाओं को वैसी स्वतंत्रता नहीं मिली और यही उनके रोष का मूल कारण है।

खामेनेई के बाद चाहे पहलवी आएं, हसन रूहानी या ईरानी सेना, सत्ता अंततः अमेरिका के प्रभाव में ही रहेगी

यदि खामेनेई की सत्ता जाती है तो अगला नेता कौन होगा, इस पर चर्चा तेज है। पहला नाम रजा पहलवी का लिया जा रहा है, जो 1941 से 1979 तक ईरान पर शासन करने वाले शाह के पुत्र हैं और तब से अमेरिका में रहते हैं। माना जाता है कि वह अमेरिकी समर्थन से सत्ता में लौटने का प्रयास कर रहे हैं।

दूसरा विकल्प पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी हैं, जिनके अमेरिका और पश्चिमी देशों से अच्छे संबंध रहे हैं। इसके अलावा सैयद हुसैन मौसवियन का नाम भी चर्चा में है, जो विदेश नीति के जानकार हैं।

एक संभावना यह भी है कि ईरानी सेना हालात पर काबू पाकर सत्ता अपने हाथ में ले ले। हालांकि फिलहाल इसकी संभावना कम है। जानकार मानते हैं कि चाहे सत्ता परिवर्तन हो, नया नेतृत्व अमेरिकी समर्थन और प्रभाव से ही आएगा। यहां तक कि अमेरिका सीधे हस्तक्षेप कर वेनेजुएला की तरह खामेनेई को हटाकर नियंत्रण अपने हाथ में ले, इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत बुनियादी ढाँचे के विकास में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है !

अशोक भाटिया

हाँ, भारत ने बुनियादी ढाँचे के विकास में कई बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिसमें सड़कों, रेलवे, विमानन और डिजिटल कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व वृद्धि शामिल है, जो 'मेक इन इंडिया', 'पीएम गति शक्ति' और 'स्मार्ट सिटी' जैसी पहलों से प्रेरित है, जिससे कनेक्टिविटी बढ़ी है और आर्थिक विकास को गति मिली है ।भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ाया जा रहा है देश में अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है, जिसमें सड़क नेटवर्क अब 63 लाख किमी से अधिक तक फैला हुआ है, जो इसे दुनिया में सबसे बड़े में से एक बनाता है, राष्ट्रीय राजमार्ग प्रणाली 2013-14 में लगभग 91,287 किमी से बढ़कर मार्च 2025 तक लगभग 1,46,204 किमी हो गई है, जो लगभग 60% की वृद्धि है। इसने लंबी दूरी की यात्रा और माल ढुलाई का समर्थन करने के लिए हाई-स्पीड कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे पर भी ध्यान केंद्रित किया। भारतमाला चरण- I के तहत, 26,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से अब तक लगभग 19,800 किलोमीटर पूरे हो चुके हैं। इसका विस्तार बंदरगाहों और सीमावर्ती सड़कों और औद्योगिक क्षेत्रों तक हो गया है। इस कार्यक्रम के तहत 4.9 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। यह विस्तार के इस चरण में पूंजी निवेश के दायरे को रेखांकित करता है। इसके साथ ही एक्सेस-नियंत्रित 'ग्रीनफील्ड कॉरिडोर' का भी तेजी से विस्तार हुआ है। एक दशक पहले एक्सप्रेसवे के 100 किलोमीटर से भी कम से, भारत में अब प्रमुख शहरों और औद्योगिक केंद्रों को जोड़ने वाले हजारों किलोमीटर के हाई-स्पीड कॉरिडोर हैं, जो लंबी दूरी की सड़क यात्रा में एक संरचनात्मक बदलाव को चिह्नित करते हैं। जैसे-जैसे वर्ष 2025 जैसे ही समाप्त हुआ भारत सड़क और राजमार्ग विकास भारत के बुनियादी ढांचे के विकास के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में खड़ा हो गया । बिखरे हुए मार्गों से एक समन्वित, उच्च क्षमता वाले नेटवर्क में परिवर्तन देश भर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, रसद लागत को कम करने और दिन-प्रतिदिन की गतिशीलता में सुधार करने के लिए किए गए दीर्घकालिक प्रयासों का प्रतिबिंब है। वर्ष 2025 राजमार्ग क्षेत्र के लिए एक पुनर्गठन वर्ष को चिह्नित करता है। अनुबंध आवंटन और निर्माण लक्ष्यों पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। एक और बदलाव यह है कि व्यापक विचार-विमर्श के बाद परिसंपत्ति मुद्रीकरण नीति को अंतिम रूप दिया गया था। इससे प्रक्रिया सरल होगी और खुदरा निवेशकों को इस आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा। अब तक कुल 1,410 किलोमीटर राजमार्ग ठेके दिए गए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष के अप्रैल-दिसंबर में 3100 किलोमीटर से काफी कम है। पिछले दो वर्षों से ठेके देने की गति धीमी हो रही है और इस वर्ष गिरावट अधिक तीव्र हो गई है क्योंकि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने अप्रैल में काम शुरू करने से पहले हमारी सड़क निर्माण एजेंसियों को 90 प्रतिशत राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया था इसे अनिवार्य कर दिया गया है। मंत्रालय ने ठेके देने से पहले वन और वन्यजीव मंजूरी और रोड अंडर ब्रिज और रेल अंडर ब्रिज के लिए अनुमोदित ड्राइंग की सामान्य व्यवस्था (जीएडी) की अधिक कड़ी जांच को अनिवार्य कर दिया है। पहले तो तैयारी पूरी होने से पहले ही ठेके मिलने में देरी हो जाती थी। वर्तमान में, लगभग 4 लाख करोड़ रुपये की संयुक्त परियोजना लागत के साथ 643 चालू राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शुरू की गई हैं और 2015-16 से स्वीकृत परियोजनाएं मूल पूर्णता कार्यक्रम से अधिक हो गई हैं। इनमें से 79 परियोजनाओं में तीन साल से अधिक की देरी हुई है। लेकिन एक बार ठेका मिलने के बाद परियोजनाओं का कार्यान्वयन तेजी से होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले वित्तीय वर्ष में स्वीकृत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की कुल लंबाई 7538 किलोमीटर है और इस वर्ष भी यह आंकड़ा हासिल किया जा सकता है। अप्रैल-नवंबर के दौरान लगभग 4073 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जबकि पिछले साल अप्रैल-दिसंबर में 5853 किलोमीटर का निर्माण हुआ था। यह करोड़ों था। यह 2025-25 की इसी अवधि में 1.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। 2024 में आम चुनावों के कारण पिछले वित्तीय वर्ष में पूंजीगत व्यय कम रहा। इस वर्ष के लिए राजमार्ग निर्माण का लक्ष्य 10,000 किमी रखा गया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में 10,660 किमी का लक्ष्य हासिल किया गया था। आम तौर पर, निर्माण और मंजूरी की गति वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में बढ़ जाती है। वित्त वर्ष 26 में सड़क निर्माण की गति 9,000-9,500 किमी (लगभग 25-26 किमी/दिन) तक धीमी होने की उम्मीद है, जो एफवाई25 में 10,660 किमी के निर्माण से कम है। एफवाई26 की दूसरी छमाही में मंजूरी बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि मंत्रालय भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। नवंबर 2023 में, सरकार ने परियोजना के तहत भारत को नई परियोजनाओं को देना बंद करने और 'ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे' पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

वर्तमान में, देश भर में 6 लाख करोड़ रुपये की लागत से 10,000 किलोमीटर लंबाई के 25 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे पर काम चल रहा है।

पढ़ा-लिखा डकैत

डॉ. सुरेश कुमार

आज के दौर में 'पढ़ा-लिखा' होना और 'सुसंस्कृत' होना दो अलग ध्रुव बन चुके हैं। रमेश बाबू का सुपुत्र 'चिन्मय' विदेश से मैनेजमेंट की डिग्री लेकर लौटा, तो पूरे मोहल्ले में चर्चा थी कि लड़का अब कुल का नाम रोशन करेगा। पर चिन्मय के लिए उसकी डिग्री ज्ञान का दीपक नहीं, बल्कि वह 'रेट कार्ड' थी जिसे वह शादी के बाज़ार में भुनाने को बेताब था। वह 'दहेज-लोभी शिक्षित लुटेरों' की उस प्रजाति का सिरमौर था, जिसकी नीयत किसी सड़क-छाप उचक्के से भी ओछी थी। उसने अपनी वर्षों की पढ़ाई और ऊँचे वेतन वाले पद को एक 'एसेट' (संपत्ति) की तरह पेश किया, जिसे केवल वही खरीद सकता था जो उसके पिता के बैंक बैलेंस में 'सात अंकों' का इजाफा कर सके। यहाँ 'विद्या ददाति विनयम' (विद्या विनय देती है) वाली लोकोक्ति दम तोड़ चुकी थी और 'विद्या ददाति दहेजम' का नया सरोकार जन्म ले चुका था। नैतिकता यहाँ उस फटी हुई किताब की तरह कोने में पड़ी सिसक रही थी, जिसे चिन्मय ने कभी परीक्षा पास करने के लिए पढ़ा था। जब विवाह की बात चली, तो चिन्मय के माता-पिता ने 'परंपरा' का ऐसा नकाब ओढ़ा कि साक्षात पाखंड भी शर्मा जाए। उन्होंने वधु पक्ष के सामने अपनी मांगें ऐसे रखीं जैसे कोई डाकू बंदूक की नोक पर तिजोरी की चाबी मांगता है, बस फर्क यह था कि यहाँ 'बंदूक' की जगह 'आईआईटी' और 'आईआईएम' के सर्टिफिकेट मेज पर सजे थे। 'मुंह में राम बगल में छुरी' की तर्ज पर वे लड़की की तारीफ तो कर रहे थे, लेकिन उनकी नजरें लड़की के पिता की 'रिटायरमेंट फंड' और 'पुश्तैनी जमीन' के कागजात पर टिकी थीं। यह पतन की वह वीभत्स गहराई थी जहाँ एक पिता अपनी बेटी के लिए 'वर' नहीं, बल्कि एक 'विदेशी ब्रांड का दामाद' खरीद रहा था। समाज में चिन्मय महिला सशक्तिकरण और समानता पर लंबे-चौड़े भाषण देता था, लेकिन घर के बंद कमरों में वह अपनी होने वाली पत्नी की कीमत 'फॉर्च्यूनर' गाड़ी और 'कैश' के वजन से तौल रहा था। ज्ञान यहाँ केवल 'लूट' का एक परिष्कृत औजार बन गया था। विवाह की रात तो नैतिकता की तेरहवीं का भव्य उत्सव थी। जैसे ही फेरों का समय आया, चिन्मय की 'उच्च-शिक्षित' नैतिकता अचानक कोमा में चली गई। सजी-धजी गाड़ी के मॉडल को लेकर ऐन मंडप पर ऐसी सौदेबाजी शुरू हुई कि 'बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया' वाली बात चरितार्थ हो गई। लड़की का पिता, जिसने अपनी उम्र की हर हड्डी गलाकर पैसे जोड़े थे, हाथ जोड़कर खड़ा था, और 'मैनेजमेंट गुरु' चिन्मय अपनी घड़ी देखते हुए 'डील' फाइनल होने का इंतजार कर रहा था। बिंब ऐसा था कि एक तरफ पवित्र अग्नि जल रही थी और दूसरी तरफ एक पिता का स्वाभिमान और एक बेटी के सपने जलकर राख हो रहे थे। यह रुला देने वाला दृश्य था कि जो व्यक्ति अपनी जीवनसंगिनी चुनने आया था, वह दरअसल एक ऐसी 'कॉर्पोरेट डील' कर रहा था जहाँ स्त्री केवल एक 'इनवेस्टमेंट' (निवेश) थी जिसे वह भविष्य में भुनाने वाला था। जब दहेज की रकम और गाड़ी की चाबी मिल गई, तब जाकर चिन्मय के चेहरे पर वह 'सभ्य' मुस्कान लौटी जो उसने विज्ञापनों से सीखी थी। 'थोथा चना बाजे घना' की तरह वह खुद को समाज का रत्न समझ रहा था, मगर हकीकत में वह उस नैतिक कचरे का ढेर था जिसे डिग्रियों के चमकदार रैपर में लपेटा गया था।

आज सूर्य और भगवान विष्णु की पूजा के शुभ योग में करें तिल से जुड़े 6 शुभ काम

14 जनवरी को धर्म-कर्म के नजरिए से शुभ योग बन रहा है। इस दिन मकर संक्रांति और षट्तिला एकादशी (माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी) दोनों व्रत-पर्व हैं। पंचांग भेद की वजह से कुछ क्षेत्रों में 15 जनवरी को भी मकर संक्रांति मनाई जाएगी। सूर्य के मकर राशि में आने पर मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। षट्तिला एकादशी पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-पूजा की जाती है।

मकर संक्रांति और एकादशी के योग में करें ये शुभ काम

इस दिन सुबह जल्दी जागना चाहिए और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें, जल में कुमकुम, चावल, लाल फूल डालें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र जप करते हुए सूर्य को जल चढ़ाएं।

षट्तिला एकादशी पर तिल से जुड़े 6 शुभ काम करना चाहिए, तिल के 6 उपयोगों की वजह से इस व्रत को षट्तिला कहा जाता है। इस दिन पानी में तिल डालकर स्नान करना चाहिए। शरीर पर तिल का लेप लगाएं। पितरों को तिल मिला हुआ जल अर्पित करें। खाने में तिल का सेवन करें और तिल का दान देना। इस तिथि पर तिल से हवन भी किया जाता है।

इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा और शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अगर नदी में स्नान करना संभव न हो, तो घर पर ही पानी में गंगाजल और काले तिल डालकर स्नान कर सकते हैं।

षट्तिला एकादशी पर भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की विशेष पूजा करनी चाहिए। भगवान को पीले फूल, फल और तिल के लड्डू का भोग लगाएं। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

तिल, गुड़, घी, कंबल, गरम कपड़े, खिचड़ी का दान करें। जरूरतमंद लोगों को सामर्थ्य के अनुसार धन का भी दान करें।

संक्रांति और एकादशी दोनों ही पितरों की तृप्ति के लिए श्रेष्ठ तिथियां हैं। तिल से किया गया तर्पण पितरों को मोक्ष दिलाता है। पितरों के निमित्त तिल का दान भी करना चाहिए।

शाम के समय तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं और परिक्रमा करें।

मकर संक्रांति है सूर्य पूजा का पर्व

ज्योतिष में सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहते हैं। जब सूर्य मकर राशि में आता है, तो उसे मकर संक्रांति कहा जाता है। सूर्य पंचदेवों में शामिल हैं। सभी शुभ काम पंचदेवों की पूजा के साथ शुरू किए जाते हैं। सूर्य सिंह राशि का स्वामी है। सूर्यदेव की दो पत्नियां बताई गई हैं- संज्ञा और छाया। शनि, यमराज और यमुना इनकी संतानें हैं।

3 शुभ योग में षटतिला एकादशी

षटतिला एकादशी व्रत कथा

नारद जी के निवेदन करने पर श्रीहरि विष्णु ने उनको षटतिला एकादशी के महत्व और व्रत विधि के बारे में बताया. साथ ही उनको षटतिला एकादशी की कथा भी सुनाई थी. उस पौराणिक कथा के अनुसार पृथ्वी लोक पर एक नगर में ब्राह्मण पति और पत्नी निवास करते थे. एक दिन पति की मृत्यु हो गई और पत्नी विधवा हो गई. विधवा ब्राह्मणी हर माह की एकादशी का व्रत रखती और विष्णु पूजा करती थी।

विधवा ब्राह्मणी की भक्ति से भगवान विष्णु प्रसन्न हुए. एक दिन श्रीहरि ने उस विधवा ब्राह्मणी की परीक्षा लेने की सोची. उन्होंने एक साधु का स्वरूप धारण किया और वे उस विधवा ब्राह्मणी के घर पहुंच गए. उस विधवा ब्राह्मणी ने उनको कुछ दान नहीं दिया और मिट्टी का एक पिंड देकर विदा कर दिया. उस पिंड को लेकर भगवान विष्णु अपने धाम वापस लौट आए.

धीरे-धीरे समय व्यतीत होने लगा. एक दिन उस विधवा ब्राह्मणी का निधन हो गया. एकादशी व्रत और विष्णु पूजा करने की वजह से उसे बैकुंठ धाम में जगह मिली. उस स्थान पर उसे रहने के लिए एक झोपड़ी मिली और वहां पर आम का एक पेड़ था. वह झोपड़ी खाली थी. यह देखकर विधवा ब्राह्मणी के मन में कुछ सवाल आए।

उसने भगवन विष्णु से पूछा कि पूरे जीवन एकादशी व्रत और आपकी पूछा का क्या लाभ हुआ? मृत्यु के बाद बैकुंठ में स्थान मिला, लेकिन खाली झोपड़ी प्राप्त हुई है. उसमें कुछ भी नहीं है।

तब भगवन विष्णु ने उस विधवा ब्राह्मणी से कहा कि तुमने व्रत और पूजा की, लेकिन जीवन में कभी भी अन्न का दान नहीं दिया. अब तुमने अपने व्रत और पूजा से अर्जित पुण्य के दम पर रहने का स्थान प्राप्त कर लिया, लेकिन भोजन के लिए अन्न नहीं मिला. तब उसने श्रीहरि से उपाय जानना चाहा. इस पर श्रीहरि ने कहा कि जब देव कन्याएं आएंगी तो उनसे षटतिला एकादशी की विधि और महत्व के बारे में पता करना।

एक दिन उस विधवा ब्राह्मणी के पास देव कन्याएं आईं. तब उस ब्राह्मणी ने उनसे षटतिला एकादशी की व्रत विधि के बारे में पूछा. इस पर उन्होंने षटतिला एकादशी के महत्व और विधि को बताया. जब माघ कृष्ण एकादशी यानि षटतिला एकादशी आई तो उसने बताए अनुसार व्रत रखा और विष्णु पूजा की. रात के समय जागरण किया. अगले दिन सुबह जब वह उठी तो देखा कि उसकी झोपड़ी धन और धान्य से भर गई है. जो लोग षटतिला एकादशी का व्रत रखते हैं, उनको इस दिन अन्न का दान जरूर करना चाहिए. आइए जानते हैं षटतिला एकादशी के मुहूर्त और पारण के बारे में.

षटतिला एकादशी मुहूर्त और पारण समय

माघ कृष्ण एकादशी तिथि का प्रारंभः 13 जनवरी, 3:17 पीएम से

माघ कृष्ण एकादशी तिथि का समापनः 14 जनवरी, 5:52 पीएम पर

अमृत सिद्धि योगः 07:15 ए एम से 15 जनवरी को 03:03 ए एम तक

सर्वार्थ सिद्धि योगः 07:15 ए एम से 15 जनवरी को 03:03 ए एम तक

वृद्धि योगः शाम को 07:56 पी एम से अगले दिन सुबह तक

विष्णु पूजा का समयः सुबह 07:15 ए एम से 09:53 ए एम तक

षट्तिला एकादशी पारण समयः 15 जनवरी, 07:15 ए एम से 09:21 ए एम के बीच

विवाह बाधा, कुंडली दोष, कालसर्प योग एवं दांपत्य जीवन का शास्त्रीय विवेचन

वैदिक ज्योतिष के अनुसार विवाह केवल सामाजिक बंधन नहीं, बल्कि पूर्व जन्म के कर्मों का परिणाम होता है। जन्मकुंडली में विवाह का संबंध मुख्यतः सप्तम भाव, द्वितीय भाव, गुरु, शुक्र तथा चंद्रमा से माना गया है। यदि इन भावों या ग्रहों में दोष, पाप प्रभाव या आपसी दृष्टि दोष हो, तो विवाह में विलंब, रुकावट, तनाव अथवा वैवाहिक अस्थिरता उत्पन्न होती है।

जन्मपत्रिका में सप्तम स्थान को विवाह स्थान कहा गया है। यह भाव पति-पत्नी के संबंध, आपसी सामंजस्य और दांपत्य सुख को दर्शाता है। द्वितीय भाव परिवार, वाणी और वैवाहिक स्थायित्व का सूचक है। गुरु ग्रह विवाह का मुख्य कारक है, विशेषकर स्त्री कुंडली में। सिकंदराबाद के **ज्योतिषाचार्य पंढरीनाथ नर्सीकर** के अनुसार यदि गुरु कमजोर, अस्त या पाप ग्रहों से ग्रस्त हो, तो विवाह में देरी या असंतोष बना रहता है। यदि गुरु सप्तम भाव में शुभ स्थिति में हो, तो विवाह करना अत्यंत कल्याणकारी माना गया है।

कुंडली से यह भी ज्ञात होता है कि वर या वधू को जीवन में किस दिशा से सहयोग, बाधा अथवा प्रेरणा प्राप्त होगी। पत्नी ग्रह, पति ग्रह तथा उनके आपसी योग यह स्पष्ट करते हैं कि विवाह के बाद जीवन सहज रहेगा या संघर्षपूर्ण। यदि ग्रहों का आपसी संबंध प्रतिकूल हो, तो विवाह के बाद भी मानसिक तनाव, अविश्वास और कलह बना रहता है।

यदि वर या वधू की कुंडली में कालसर्प योग (नागदोष) हो, तो विवाह से पूर्व उसका समाधान अत्यंत आवश्यक माना गया है। कालसर्प योग तब बनता है जब कुंडली के सभी ग्रह राहु और केतु के बीच आ जाते हैं। इस योग से जातक को जीवन में बार-बार रुकावट, मानसिक अशांति, निर्णयों में भ्रम, विवाह में देरी तथा दांपत्य जीवन में स्थिरता की कमी का सामना करना पड़ता है। यदि कुंडली में दो ग्रहों के बीच नागदोष या विशेष पाप योग हो और वह दोष सप्तम भाव या विवाह कारक ग्रहों से संबंधित हो, तो विवाह संबंधी समस्याएँ गंभीर रूप ले लेती हैं। ऐसे जातकों का विवाह समय पर न हो पाने से जीवन में आर्थिक दबाव, पारिवारिक तनाव और मानसिक पीड़ा बढ़ती जाती है।

विवाह उपरांत यदि दोषों की उपेक्षा कर विवाह किया जाए, तो पति-पत्नी के बीच मतभेद, संदेह और अविश्वास उत्पन्न होता है। कई बार स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि अलगाव या लंबा मानसिक संघर्ष देखने को मिलता है। जीवनसाथी से दूरी बढ़ने लगती है और जीवन में असंतोष बना रहता है।

ज्योतिष शास्त्र में स्पष्ट कहा गया है कि विवाह से पूर्व गुण मिलान अनिवार्य है। न्यूनतम 18 गुणों का मिलना आवश्यक माना गया है। इसके साथ-साथ मंगल दोष, कालसर्प दोष, नाड़ी दोष, भकूट दोष आदि का परीक्षण किया जाना चाहिए। विवाह स्थान में पाप ग्रहों की उपस्थिति होने पर शास्त्रोक्त उपाय आवश्यक हो जाते हैं।

यदि कुंडली में विवाह बाधक योग हों, तो बिना उपाय विवाह करना उचित नहीं माना गया है। ऐसे मामलों में पूजा, जप, दान, अनुष्ठान तथा कालसर्प शांति जैसे उपायों द्वारा दोष शमन किया जाता है। शास्त्रों में वर्णित विधि से किए गए उपायों के बाद विवाह करने से जीवन में स्थिरता, सुख-समृद्धि और मानसिक शांति प्राप्त होती है।

संपूर्ण विवेचन वैदिक ग्रंथों, सूत्रों तथा अनुभवी ज्योतिषीय परंपरा पर आधारित है। विवाह जैसे महत्वपूर्ण निर्णय में केवल भावनाओं या सामाजिक दबाव के आधार पर नहीं, बल्कि जन्मकुंडली के सूक्ष्म, शास्त्रीय और वैज्ञानिक परीक्षण के आधार पर निर्णय लेना ही श्रेयस्कर होता है। सही समय, सही मिलान और उचित उपाय ही सुखद दांपत्य जीवन का आधार बनते हैं।

15 जनवरी को मकर संक्रांति का स्नान

14 जनवरी को सूर्य का मकर राशि में गोचर

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, 14 जनवरी को दोपहर 3 बजकर 6 मिनट पर सूर्य मकर राशि में गोचर करने वाले हैं. सूर्य का मकर राशि में प्रवेश ही मकर संक्रांति कहलाता है. सूर्य का प्रवेश दोपहर के समय हो रहा है, इसलिए लोगों में मकर संक्रांति की तिथि को लेकर कनफ्यूजन की स्थिति बनी हुई है. सूर्य के गोचर के आधार पर मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को मनाया जाएगा लेकिन इस पर्व के सभी धार्मिक कार्य जैसे स्नान, दान, पूजा-पाठ, जप-तप आदि सभी 15 जनवरी को किए जाएंगे।

23 साल बाद संक्रांति और एकादशी एक ही दिन

इस साल मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी का पर्व 14 जनवरी को मनाया जाएगा लेकिन मकर संक्रांति के सभी धार्मिक कार्य 15 जनवरी को किए जाएंगे. करीब 23 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है, जब संक्रांति और एकादशी तिथि एक ही दिन पड़ रही हो. ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, संक्रांति और एकादशी तिथि का एक साथ होना अक्षय पुण्यदायक माना जाता है।

15 जनवरी स्नान मुहूर्त 2026

5 बजकर 27 मिनट से 7 बजकर 15 मिनट तक

9 बजकर 7 मिनट से 12 बजकर 10 मिनट तक

पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व

मकर संक्रांति के दिन गंगा-यमुना समेत पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्व है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, स्नान का सबसे शुभ समयः सूर्योदय से दोपहर तक इसी अवधि को पुण्य काल माना जाता है. अगर संभव हो तो सूर्य निकलते ही स्नान करना सबसे उत्तम माना जाता है. गंगा, यमुना, संगम या किसी पवित्र नदी में स्नान का विशेष फल मिलता है, लेकिन जो लोग वहां नहीं जा सकते, वे घर पर भी विधि-विधान से स्नान कर पुण्य पा सकते हैं।

घर पर मकर संक्रांति का स्नान कैसे करें?

अगर आप नदी या तीर्थ स्थल नहीं जा पा रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं. शास्त्रों में घर पर स्नान की भी पूरी विधि बताई गई है. सुबह उठकर ईश्वर का ध्यान करते हुए मन ही मन स्नान का संकल्प लें. नहाने के पानी में गंगाजल की कुछ बूंदें, तिल, अगर चाहें तो थोड़ा कुश या तुलसी जल मिला सकते हैं. स्नान करने के बाद बाद तांबे के लोटे में जल भरकर सूर्य देव को अर्घ्य दें और ॐ सूर्याय नमः मंत्र का जाप करें. मकर संक्रांति पर तिल, गुड़, खिचड़ी, कंबल या वस्त्र का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है।

मकर संक्रांति के दिन क्या-क्या करते हैं?

सुबह करें पवित्र स्नान - सभी संक्रांति पर तीर्थस्थलों पर स्नान और दान का बड़ा ही महत्व है। मकर संक्रांति के दिन गंगा नदी में स्नान का विशेष महत्व है, लेकिन अगर आप वहां जाने में असमर्थ हैं, तो इस दिन घर पर ही सामान्य पानी से स्नान करना चाहिए और हो सके तो, उस जल में थोड़ा-सा पवित्र नदियों का जल मिलाना चाहिए।

ऐसा करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है और उसे धन की कोई कमी नहीं होती। इस बात का भी ध्यान रखें कि संक्रांति के दिन दांतों को साफ करके जल में तिल मिलाकर स्नान करना चाहिए या स्नान से पहले तिल का तेल या तिल का उबटन लगाना चाहिए।

स्नान के बाद करें दान - कहते हैं संक्रांति के दिन दान दक्षिणा या धार्मिक कार्य का सौ गुना फल मिलता है। कहा भी गया है- माघे मासे महादेवः यो दास्यति घृतकम्बलम। स भुक्त्वा सकलान भोगान अन्ते मोक्षं प्राप्यति॥ इस दिन व्यक्ति को किसी गृहस्थ ब्राह्मण को भोजन या भोजन सामग्रियों से युक्त तीन पात्र देने चाहिए और संभव हो तो यम, रुद्र और धर्म के नाम पर गाय का दान करना चाहिए। यदि किसी के बस में ये सब दान करना नहीं है, तो वह केवल फल का दान करें, लेकिन कुछ न कुछ दान जरूर करें। साथ ही यह श्लोक पढ़ना चाहिए। श्लोक इस प्रकार है- 'यथा भेदं न पश्यामि शिवविष्णवर्कपद्मजान। तथा ममास्तु विश्वात्मा शंकरः शंकरः सदा।।' इसका अर्थ है- मैं शिव एवं विष्णु तथा सूर्य एवं ब्रह्मा में अन्तर नहीं करता। वह शंकर, जो विश्वात्मा है, सदा कल्याण करने वाला हो।

ऐसे करें दान - संक्रांति के दिन काली उड़द की दाल और चावल का दान जरूर किया जाता है। घर की महिलाएं एक थाली में ये दोनों चीजें निकालकर मिक्स कर देती हैं और फिर घर के सभी सदस्य स्नान करने के बाद इस खिचड़ी को स्पर्श करते हैं। फिर इसे किसी ब्राह्मण को दान कर दिया जाता है।

दूसरों को जरूर कराएं भोजन - संक्रांति के दिन उड़द की दाल और चावल के अलावा तिल, चिड़वा, सोना, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि का दान भी बेहद शुभ माना जाता है। दान के बाद बिना तेल वाला भोजन करना चाहिए और यथाशक्ति अन्य लोगों को भी भोजन देना चाहिए।

खिचड़ी का करें सेवन - इस दिन काली उड़द की दाल और चावल से बनी खिचड़ी भी जरूर खानी चाहिए। कहते हैं इस खिचड़ी के सेवन से सभी ग्रहों को मजबूती मिलती है।

मार्शल आर्ट्स के टाइगर बने पवन कल्याण, जापान के बाहर समुराई समुदाय में शामिल होने वाले पहले व्यक्ति बने

साउथ के अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने प्राचीन तलवारबाजी आर्ट केन्जुत्सु में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस आर्ट में महारत हासिल करके वह समुरई कम्युनिटी में शामिल हो गए हैं। यह कामयाबी उन्हें तीन दशकों तक ट्रेनिंग करने के बाद मिली है। इस कामयाबी के बाद वह ग्लोबल लेवल पर कुछ चुनिंदा लोगों में शामिल हो गए हैं।

यंग एज में शुरू की ट्रेनिंग

पवन कल्याण फिल्म और राजनीति में आने से पहले से मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग कर रहे थे। उन्होंने चेन्नई में कराटे और दूसरी कलाओं की ट्रेनिंग ली। इसके बाद उनकी दिलचस्पी मार्शल आर्ट में बढ़ी। उन्होंने इस पर काम किया और ट्रेनिंग ली। उनकी कला का प्रदर्शन उनकी फिल्मों में भी देखने को मिलता है। 'खुशी', 'थम्मुडु' और 'ओजी' जैसी फिल्मों में उन्होंने मार्शल आर्ट का इस्तेमाल किया।

पवन कल्याण को मिले अवॉर्ड्स

पवन कल्याण को अपनी कला दिखाने के लिए इंटरनेशनल लेवल पर कई अवॉर्ड मिल चुके हैं।

सोगो बूडो कानरी काई से उन्हें फिफ्थ डैन की उपाधि दी गई है।

गोल्डन ड्रैगन्स क्लब से उन्हें 'मार्शल आर्ट्स का टाइगर' का टाइटल मिला।

वह सोके मुरामात्सु सेंसेई की क्लैन के तहत ताकेदा शिंगेन क्लैन में शामिल हो गए हैं।

इस तरह वह जापान के बाहर आधिकारिक तौर पर समुराई समुदाय में शामिल होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

यह सम्मान अक्सर जापानी लोगों के लिए रिजर्व रहता है।

पनन कल्याण ने किससे ट्रेनिंग ली?

आपको बता दें कि पवन कल्याण ने भारत के जापानी मार्शल आर्ट के जानकार हांशी प्रोफेसर डॉक्टर सिद्दीकी महमूदी की गाइडेंस में ट्रेनिंग ली है। उनकी निगरानी में उन्होंने कैंडो की तकनीकी और फिलॉसाफिकल पर स्टडी की है। पवन कल्याण को मिला यह अवॉर्ड उनकी मेहनत और लगन को दिखाता है।

बड़े पर्दे पर पतंगबाजी करते दिखे शाहरुख और सलमान कई फिल्मों में दिखा मकर संक्रांति का उल्लास और उमंग

हिंदी फिल्मों में भारतीय त्योहार कहानियों का अहम हिस्सा रहे हैं। हमारे त्योहारों, इसकी परंपरा पर फिल्मों में कई गाने भी सुनने को मिलते हैं। कई गाने तो बहुत हिट भी रहे हैं। होली, दिवाली, करवाचौथ के गीत बहुत बड़ी संख्या में हिंदी फिल्मों में रखे जाते हैं। कल मकर संक्रांति (14 जनवरी) का त्योहार है। मकर संक्रांति पर भी फिल्मी गीत, सीन्स कई बॉलीवुड फिल्मों में दिखे हैं। जानिए, इस त्योहार की झलक किन-किन हिंदी फिल्मों में दिखी है।

हम दिल दे चुके सनम

सलमान खान और ऐश्वर्या राय की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम(1999)' को दर्शकों से काफी प्यार मिला था। इस फिल्म में मकर संक्रांति का त्योहार दिखाया गया था। साथ ही एक गाना 'ढील दे दे रे भईया...' सलमान खान पर फिल्माया गया था। वह फिल्म में पतंगबाजी करते हुए नजर आते हैं। यह गाना आज भी मकर संक्रांति पर खूब पसंद किया जाता है, पतंगबाजी करते हुए लोग इस गाने को गाते या सुनते हैं। सलमान खान की 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'सुल्तान' में भी मकर संक्रांति की एक झलक मिलती है। एक सीन में उनका किरदार अपने गांव की गलियों में पतंगबाजी करता हुआ नजर आता है।

काई पो चे

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'काई पो चे' साल 2013 में रिलीज हुई। इस फिल्म में भी 'मांझा...' नाम से एक गाना था, जिसमें सुशांत, राजकुमार राव और अमित साध दोस्तों के किरदार में नजर आते हैं। फिल्म में सभी मिलकर मकर संक्रांति का त्योहार मनाते हैं। यह गाना भी मकर संक्रांति के मौके पर लोग काफी पसंद करते हैं।

रईस

शाहरुख खान की फिल्मों में भारतीय त्योहारों पर कई गाने देखने को मिलते हैं। साल 2017 में उनकी फिल्म 'रईस' रिलीज हुई। इस फिल्म में 'उड़ी उड़ी जाए...' गाने में मकर संक्रांति का उल्लास, उमंग दिखा। पतंगबाजी भी झलक भी मिली। इस गाने में शाहरुख खान के साथ पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान भी नजर आईं।

पतंग द काइट

साल 2011 में रिलीज हुई 'पतंग द काइट' फिल्म की कहानी तो मकर संक्रांति पर की जाने वाली पतंगबाजी के ईद-गिर्द बुनी गई। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आए थे। इस फिल्म में मकर संक्रांति पर होने वाली पतंगबाजी उत्सव के साथ एक परिवार के लोगों की जिंदगी, रिश्तों और सपनों को दिखाया गया है। तापसी पन्नू की फिल्म 'रश्मि रॉकेट' में भी मकर संक्रांति का सीक्वेंस दिखाया गया था। रश्मि की तेज दौड़ और पतंगबाजी को साथ में जोड़कर यह सीन फिल्म में दिखाया जाता है।

मकर संक्रांति के अलावा इन फिल्मों में दिखी लोहड़ी के त्योहार की धूम

मकर संक्रांति से पहले देश भर में लोहड़ी का त्योहार मनाया जाता है। आज (13 जनवरी) ही यह त्योहार मनाया जाएगा। हिंदी फिल्मों में भी लोहड़ी के रंग नजर आए हैं। शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की 'वीर जारा', में लोहड़ी का त्योहार दिखाया गया। इस फिल्म में एक गाना 'लो आ गई लोहड़ी...' अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी पर फिल्माया गया। इसी तरह अजय देवगन और सोनाक्षी सिन्हा पर फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में 'तू कमाल दी...' गाना फिल्माया गया, इस गाने में लोहड़ी का उत्सव, उल्लास दिखाया गया। फिल्म 'यमला पगला दीवाना' में भी लोहड़ी का त्योहार दिखाया गया था, जिसमें दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र नजर आए थे।

शाहरुख खान के साथ काम करना चाहता है हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ, सलमान-अमिताभ से भी कर चुका बात

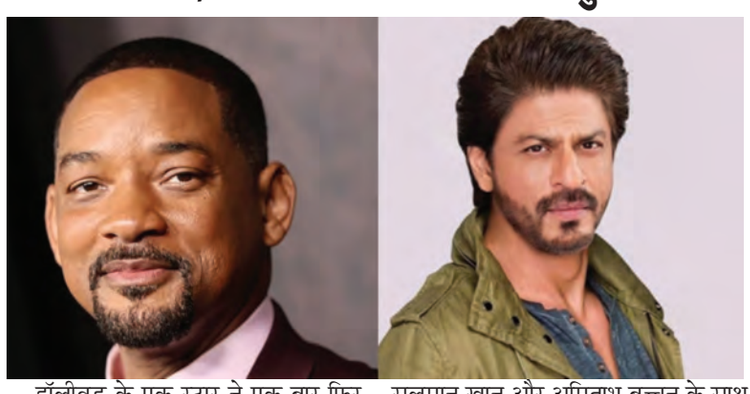

हॉलीवुड के एक स्टार ने एक बार फिर बॉलीवुड के लिए अपना प्यार दिखाया है। हॉलीवुड से बाहर की संस्कृतियों में अपनी जिज्ञासा के लिए जाने जाने वाले हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ ने भारतीय अभिनेताओं के साथ काम करने की इच्छा जताई है। उनका कहना है कि किसी दिन आखिरकार वह बॉलीवुड प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे।

शाहरुख खान के साथ काम करना चाहते हैं विल स्मिथ

विल स्मिथ ने शाहरुख खान के बारे में बात की। उन्होंने उनके स्टारडम और ग्लोबल असर को माना। एक्टर ने बताया कि उन्होंने खुद शाहरुख खान से संपर्क किया है। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि शाहरुख मुझे किसी चीज में लें।' विल स्मिथ की खुली तारीफ ने एक बार फिर इस बात पर चर्चा छेड़ दी है कि वह शाहरुख के साथ काम कर सकते हैं।

सलमान और अमिताभ से हुई बात

विल स्मिथ ने बॉलीवुड के दूसरे दिग्गजों के साथ काम करने की पिछली कोशिशों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि वह पहले सलमान खान और अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत कर रहे थे, लेकिन उन बातचीत से कोई फिल्म नहीं बन पाई। ईमानदारी और मजाक के साथ उन्होंने कहा, 'मैं सलमान से बात कर रहा था। मैं बिग बी के साथ कुछ करने की कोशिश कर रहा था। पिछले कुछ वर्षों में कुछ चीजें हुई थीं लेकिन कुछ भी काम नहीं आया।'

किस सीरीज में नजर आएंगे विल स्मिथ?

आपको बता दें कि विल स्मिथ 'पोल टू पोल विद विल स्मिथ' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। यह एक हाई-एनर्जी सीरीज है, जो 100 दिनों में दुनिया भर के मुश्किल इलाकों में खुद को फिजिकली और मेंटली चुनौती देने की उनकी कोशिश को दिखाती है।

शाहरुख खान का वर्कफ्रंट

फिलहाल, शाहरुख खान सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'किंग' की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और कई दूसरे कलाकार भी हैं। उम्मीद है कि यह फिल्म इस साल या अगले साल रिलीज होगी।

कौन हैं दिशा पाटनी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड तलविंदर सिंह सिद्धू?

नकाबपोश शख्स के बारे में सामने आई दिलचस्प बात

दिशा पाटनी की लव लाइफ हमेशा चर्चा में रही है। दिशा का नाम पहले अलेक्जेंडर एलेक्स से जोड़ा जाता था, लेकिन उन्होंने कभी इस रिश्ते को कन्फर्म नहीं किया। वहीं अब नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी में दिशा एक मास्क पहने शख्स के साथ दिखीं। इस नकाबपोश शख्स के साथ दिशा की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस जानना चाहते हैं कि आखिर कौन हैं दिशा के रूमर्ड बॉडफ्रेंड?

कौन हैं तलविंदर सिंह सिद्धू?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिशा पाटनी के साथ दिखने वाला यह शख्स और कोई नहीं बल्कि तलविंदर सिंह सिद्धू है, जिन्हें स्टेज नाम तलविंदर (या Talwiinder) से जाना जाता है। तलविंदर एक पंजाबी सिंगर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं।

तलविंदर सिंह सिद्धू का जन्म और परिवार

तलविंदर सिंह सिद्धू का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले के एक पंजाबी जाट सिख परिवार में हुआ था। तलविंदर ने सिर्फ 4 साल की उम्र से गाना शुरू कर दिया था। 14 साल की उम्र में वे सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) चले गए, जहां पढ़ाई के साथ-साथ संगीत सीखा। तलविंदर ट्रैप, लो-फाई, हिप-हॉप जैसे अलग-अलग स्टाइल में गाने बनाते हैं।

किसके साथ काम कर चुके हैं तलविंदर?

तलविंदर ने कई बड़े सिंगर्स के साथ गाने गाए और परफॉर्म किया है। इस लिस्ट में यो यो हनी सिंह, करण औजला और कई दूसरे आर्टिस्ट्स शामिल हैं। उन्होंने कुछ बॉलीवुड गानों में भी काम किया है, जैसे 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' (गल्ला) और 'तू मेरी मैं तेरा' (तेनु ज्यादा मोहब्बत)।

अपना चेहरा क्यों छिपाते हैं, तलविंदर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तलविंदर अपनी प्राइवेट लाइफ को करियर से अलग रखना चाहते हैं। वो मानते हैं कि नॉर्मल लाइफ जीना और चकाचौंध से दूर रहना जरूरी है। इसलिए वो स्टेज पर परफॉर्म करते वक्त चेहरे पर पेंट या मास्क लगाते हैं, ताकि उनकी पहचान छिपी रहे। फिलहाल, दिशा और तलविंदर के रिलेशनशिप की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन शादी और एयरपोर्ट के वीडियो देखकर फैंस काफी सोचते हैं।

लोग बस गपशप करना चाहते हैं। मुझे उन्हें जवाब क्यों देना चाहिए? कोई सफाई देना जरूरी नहीं है? ये हमारी निजी जिंदगी है। हम सब बहुत खुश हैं और एक-दूसरे के बहुत करीब हैं।'

धर्मेंद्र की याद में बनेगा संग्रहालय

हेमा ने आगे बताया कि सनी देओल अपने दिवंगत पिता धर्मेंद्र की याद में एक संग्रहालय बनाने की योजना बना रहे हैं। हेमा ने यह भी बताया कि सनी जो भी काम अपने पिता को लेकर करेंगे, उन्हें जरूर बताएंगे। फिर सब मिलकर सलाह लेंगे और उसे पूरा करेंगे।

धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा

सनी और बॉबी ने हाल ही में धर्मेंद्र के निधन के बाद पिता की याद में दिल्ली में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। यह प्रार्थना सभा डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में हुई।

मुंबई वाली प्रार्थना सभा में सलमान खान, रेखा, विद्या बालन और ऐश्वर्या राय बच्चन जैसी कई बड़ी हस्तियां आईं। सभा के दौरान हेमा भावुक हो गईं और उन्होंने धर्मेंद्र के साथ बिताए पलों को याद किया।

हेमा मालिनी ने सनी देओल के साथ अनबन की खबरों पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मैं धरम जी के बेटों के बेहद करीब

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को मुंबई में उनके घर पर निधन हो गया। वे 89 साल के थे। उनके निधन के बाद देओल परिवार के रिश्तों पर लोगों की नजर टिक गई।

धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी ने सनी देओल और बॉबी देओल (जो उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के बेटे हैं) के साथ कथित अनबन की अफवाहों पर खुलकर बात की है।

कैसा है धर्मेंद्र के दोनों बेटों संग हेमा का रिश्ता?

धर्मेंद्र के निधन के तीन दिन बाद सनी और बॉबी ने मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में प्रार्थना सभा रखी। उसी दिन हेमा ने अपने घर पर गीता पाठ करवाया। दो हफ्ते बाद उन्होंने दिल्ली में अलग से एक प्रार्थना सभा आयोजित की।

इससे परिवार में एकता को लेकर बातें होने लगीं। इन अफवाहों पर हेमा मालिनी ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा, 'सनी और बॉबी के साथ मेरा रिश्ता हमेशा बहुत अच्छा और प्यार भरा रहा है। आज भी वैसा ही है। मुझे समझ नहीं आता कि लोग हमारे बीच कुछ गड़बड़ क्यों

भूपेन हजारिका के भाई समर हजारिका का निधन

75 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

दिग्गज गायक भूपेन हजारिका के भाई और मशहूर असमिया संगीतकार समर हजारिका का आज निधन हो गया। समर हजारिका कुछ समय से बीमार थे और हाल ही में अस्पताल से छुट्टी पाकर घर लौटे थे। उनके निधन की जानकारी परिवार की ओर से दी गई। गायक का निधन निजारापार स्थित उनके आवास पर हुआ। जहां पूरा हजारिका परिवार एक पहाड़ी की चोटी पर बने अलग-अलग घरों में रहता था।

भाई की विरासत को बढ़ाया आगे

समर हजारिका भूपेन हजारिका के सबसे छोटे भाई थे। वो अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उन्होंने रेडियो, एल्बम और फिल्मों के लिए संगीत दिया और कई गाने भी गाए। उन्होंने भूपेन हजारिका की विरासत को आगे बढ़ाया और उनकी ही तरह मानवता और बंधुत्व के गीतों को अपने करियर में प्राथमिकता दी।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने जताया दुख

समर हजारिका के निधन पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दुख जताते हुए एक्स पर पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने कहा कि, 'उनकी मधुर आवाज हर अवसर को रोशन कर देती थी। उन्होंने असम के सांस्कृतिक परिदृश्य में अमिट योगदान दिया। उन्होंने सुधाकांत डॉ. भूपेन हजारिका की समृद्ध विरासत को भी आगे बढ़ाया और उनकी जन्म शताब्दी मनाने के हमारे प्रयासों में व्यापक योगदान दिया। उनके निधन से असम ने एक और स्वर्णिम आवाज खो दी है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और फैंस के साथ हैं।'

असमिया संगीत में अमर रहेगा उनका योगदान

केंद्रीय मंत्री सरबानंदा सोनोवाल ने भी समर हजारिका के निधन पर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा, 'माघ बिहू पर्व के दिन प्रख्यात गायक के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपनी मधुर आवाज से लोगों के दिलों को मोह लिया था। असमिया संगीत में उनका योगदान अमर रहेगा और हमेशा याद किया जाएगा।'

पीआर गेम पर भड़कीं तापसी पन्नू, बोलीं- मैं हिट फिल्म से खुश नहीं

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी महिला आधारित फिल्मों और शानदार अभिनय के अलावा, अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। तापसी अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। अब तापसी ने इंस्ट्री में चलने वाले पीआर गेम पर अपनी राय रखते हुए इसकी आलोचना की है। साथ ही उन्होंने कहा कि वो खुद को इस पीआर गेम से दूर रखती हैं। तापसी ने पीआर को लेकर सवाल भी उठाया है।

डेढ़-दो साल में पीआर गेम काफी बढ़ गया है

एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल इंडस्ट्री में पीआर गेम काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि मैं अपने कामों में बहुत व्यस्त थी। लेकिन पिछले डेढ़-दो साल से मैंने अपनी रफ्तार धीमी कर दी है और यह एक सोची-समझी कोशिश भी थी।

मैंने महसूस किया है कि यह पीआर गेम एक अलग ही स्तर पर पहुंच गया है। आप या तो खुद को आगे बढ़ाने के लिए पैसे दे रहे हैं, जो पीआर करने का एक तरीका था। आप किसी और को नीचे गिराने के लिए भी पैसे दे रहे हैं।

किसी की सफलता किसी दूसरे की असफलता पर कबसे निर्भर होने लगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे ये नहीं समझ में आता कि कब से आपकी सफलता किसी और की असफलता पर निर्भर करने लगी? लोग प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने व्यक्तित्व का एक नया मुखौटा बना रहे हैं। मैं सिर्फ किसी हिट फिल्म में होने से संतुष्ट नहीं हूं, मुझे भी अपनी एक सशक्त आवाज चाहिए, भले ही वह आपकी न हो।

लेकिन आपको अपनी एक आवाज बनानी होगी। फिल्मों से परे आप जो आवाज बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वह आपके काम से मेल नहीं खाती। यही विरोधाभास है।

आप फिल्मों से परे होने की बात कर रहे हैं, लेकिन आपका काम कुछ और ही कह रहा है। मेरा मानना है कि पैसे देकर आर्टिकल छपवाने से अच्छा है, खुद पर और अपने करीबियों पर पैसा खर्च करूं।

'गांधारी' में नजर आएंगी तापसी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में तेलुगु फिल्म 'झुम्मंडी नादम' से की थी। जबकि बॉलीवुड में उन्होंने अपना डेब्यू 2012 में आई 'चश्मे बद्दूर' से किया। तापसी आखिरी बार 2024 में आई कॉमेडी फिल्म 'खेल खेल में' नजर आई थीं। अक्षय कुमार स्टारर इस फिल्म में तापसी के अलावा कई और कलाकार भी नजर आए थे। वहीं उनकी आगामी फिल्म 'गांधारी' है, जो ओटीटी पर रिलीज होगी।

हर बात पर आता है गुस्सा तो ऐसे पाएं काबू

वर्तमान समय में हर घर से युवाओं की क्रोधित आवाज सुनाई पड़ जाती है। कहीं-कहीं से तो यह कुछ ज्यादा ही सुनाई देती है। गुस्से में कही गई बातें अक्सर रिश्तों में कड़वाहट घोल देती हैं। कुछ लोग छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर बैठते हैं और बाद में पछताते हैं। गुस्सा जहाँ रिश्तों को खत्म करने का काम करता है वहीं गुस्से से आपके शरीर को भी नुकसान होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने क्रोध पर काबू रखें। जहाँ आपको क्रोधित होने की आवश्यकता हो वहाँ जरूर अपना गुस्सा प्रकट करें। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को कुछ ऐसे आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने गुस्से को वश में कर सकते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं गुस्से को कंट्रोल करने के लिए उस एनर्जी को किसी क्रिएटिव या फिजिकल एक्टिविटी में लगाएं। एक्सरसाइज, डांस या किसी अन्य हॉबी को समय देने से न केवल आपका गुस्सा शांत होगा बल्कि आपको सकारात्मक महसूस होगा।

चुप रहने का प्रयास करें

जब भी गुस्सा आए, तुरंत रिएक्ट करने की बजाय चुप रहने की कोशिश करें। आप चाहें तो 1

से 10 तक उल्टी गिनती गिनें या अपने दिमाग को किसी और काम में व्यस्त कर लें। गुस्से में कोई भी ऐसा कदम न उठाएं, जो आपको बाद में पछताना पड़े। बेहतर होगा कि आप गुस्से की स्थिति में थोड़ा समय लें और खुद को शांत करें।

संगीत को अपनाएँ

शांत और सुकून भरा संगीत सुनना आपके गुस्से को शांत करने में मदद कर सकता है। धीमे और हल्के संगीत से आप अपने मूड को मिनटों में बदल सकते हैं। ध्यान रखें कि लाउड म्यूजिक से बचें क्योंकि यह गुस्से को कम करने की बजाय बढ़ा सकता है।

योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें

मेडिटेशन और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। नियमित मेडिटेशन आपके दिमाग को शांत और स्थिर बनाता है। इससे आप मुश्किल परिस्थितियों को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। मेडिटेशन न केवल गुस्से को कम करता है बल्कि आपकी सोचने-समझने की क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

भावनाओं को कागज पर लिखें

अगर गुस्सा शांत नहीं हो रहा है, तो अपनी भावनाओं को लिखने की आदत डालें। एक डायरी में लिखें कि आपको गुस्सा क्यों आया और आप इसे कैसे संभाल सकते थे। इससे न केवल आप खुद को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे, बल्कि गुस्से के कारणों का विश्लेषण भी कर पाएंगे।

कामकाजी महिलाएं ऐसे रखे बच्चों का ध्यान

आज के दौर में हर महिला कामकाजी है जो अपने दम पर सब कुछ करना चाहती है। वह अपनी इच्छाओं के लिए किसी पर भी आश्रित नहीं रहना चाहती है। महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है। अपने काम के साथ-साथ उसे अपने घर परिवार और बच्चों का भी ख्याल रखना होता है। कामकाजी महिलाओं के लिए आजकल बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने व ऑफिस के काम के बीच तालमेल बिठाना काफी चुनौतिपूर्ण हो गया है। दोनों रोल को अच्छे से निभाना हर वर्किंग मदर्स के लिए आसान नहीं होता। बच्चे के जन्म से लेकर हर जिम्मेदारी को माँ को ही निभाना होता है। और ऐसे में जब कभी वह अपने बच्चो का ख्याल सही से न रख पाए तो वह अपने माँ होने को दोषी ठहराती है। आज हम आपको कामकजी होने के साथ साथ बच्चो की देखभाल करने के बारे मे बताएंगे, तो आइये जानते है.....

प्राथमिकता तय करें

अगर आप कामकाजी हैं और बच्चे पर भी ध्यान देना चाहती हैं, तो सबसे पहले अपनी प्राथमिकता तय करें। ये तय करें कि ऑफिस के बाद का समय आप बच्चे को किस तरह और कितना दे सकती हैं। किन चीजों से समझौता कर सकती हैं। एक मां के लिए सबसे पहली प्राथमिकता उसका बच्चा ही होता है। ऐसे में आप ये निर्णय करें कि आपके बच्चे को किन-किन चीजों की सबसे ज्यादा जरूरत है और आप उसके ध्यान रखने और ऑफिस की जिम्मेदारियों में कितना समझौता कर सकती हैं।

योजना बनाकर काम करें

योजना बनाकर काम करना वैसे तो सभी के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन अगर आप कामकाजी हैं और बच्चे की मां हैं तो ये और जरूरी हो जाता है। आप हर काम को प्लानिंग से करें। एक रूटीन तैयार करें कि किस समय कौन सा काम निपटाना है। इससे आपका समय बर्बाद नहीं होगा और जो समय बचेगा वह बच्चे को दे पाएंगी। इसके अलावा जब ऑफिस टाइम से अलग जब आप बच्चे के साथ हों तो मोबाइल को खुद से दूर रखें। जितना ज्यादा हो सके उतना समय बच्चे के साथ बिताएं।

वीकेंड में बच्चों को दें पूरा समय

वीकेंड बच्चे के साथ बिताने के लिए जरूरी है कि आप वीकेंड पर पूरी तरह से खाली रहें। इसके लिए आपको सभी काम पहले निपटाने होंगे। इसके बाद वीकेंड पर बच्चे के साथ पूरा समय बिताएं।

सही ऑफिस का चुनाव करें

अगर आपका बच्चा छोटा है और उसे समय देना चाहती हैं, तो ये जरूरी है कि आप ऐसी कंपनी का चयन करें जहां काम के घंटे कम हों और ऑफिस की टाइमिंग फ्लैक्सिबल हो।

तकनीक व पार्टनर की सहायता लें

अगर बच्चा छोटा है तो घर के कामों में खुद ही उलझकर समय बर्बाद न करें। बेहतर होगा कि आप इन कामों में अपने पार्टनर की मदद लें। इस दौरान जो समय बचे उसे बच्चे के साथ बिताएं। इसके अलावा आजकल बाजारों में कई ऐसी तकनीकें आ गईं हैं जिनकी मदद से आप अपने कई काम घर बैठे ही निपटा सकती हैं। आप इन तकनीकों का सहारा लें और जो समय बचता है उसे बच्चे को दें।

शॉपिंग में समय बर्बाद करने से बचें

महिलाओं को शॉपिंग करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन अगर आपका बच्चा छोटा है, तो शॉपिंग से ज्यादा आपको बच्चे पर ध्यान देना चाहिए। अगर शॉपिंग जरूरी है तो बच्चे को भी साथ ले जाएं। वैसे बेहतर होगा कि आप ऑनलाइन खरीदारी करें। इससे आपका समय बचेगा।

आया रखें

ऑफिस से आने के बाद अगर आप घरेलू काम में लगेंगी तो बच्चे के लिए समय नहीं बचेगा। ऐसे में बेहतर होगा कि आप घरेलू कामों के लिए आया रखें। इससे आप ऑफिस जाने से पहले के समय व आने के बाद के समय को बच्चे के साथ अच्छे से बिता सकेंगी ।

इसके अतिरिक्त कुछ ऐसा करें—

1. बच्चों को सही समय पर भोजन बना दे तो वह आपके काम पर जाने से कोई भी आपत्ति नहीं जताएंगे।

2. कुछ बच्चों को माँ के हाथ के खाने के अलावा किसी और के हाथ का खाना अच्छा नहीं लगता है, तो ऐसे मे माँ को 5 मिनट का समय निकालकर उनका पसंदीदा खाना बना देना चाहिए।

3. दिन भर आपके बच्चे आपसे अलग रहते हैं, तो शाम को घर आने के बाद पूरा वक्त अपने बच्चों को दे इससे आपके बच्चे और आपके बीच में नज़दीकिया बढ़ेगी।

4. समय-समय पर उनकी ख्वाहिशों को पूरा करते रहें, बात-बात पर उन पर चिल्लाने की बजाए उनसे प्यार से बात करें।

5. छुट्टियों में बाहर घूमने भी ले जाये जिससे पूरा वक्त वे आपसे जुड़े रहें और आप भी अपने बच्चों को अच्छे से समझ पाए।

सोशल मीडिया: रिश्तों का सहारा या तनाव की वजह?

आज सोशल मीडिया केवल एक तकनीकी माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह हमारे व्यक्तिगत और रिश्तों के अनुभवों का अहम हिस्सा बन चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हम अपने विचार, तस्वीरें और पर्सनल लाइफ के पल शेयर करते हैं। लेकिन कई बार यही सोशल मीडिया रिश्तों में कड़वाहट, असुरक्षा और झगड़ों का कारण बन जाता है। आजकल यह आम होता जा रहा है कि कोई एक पार्टनर दूसरे से कहता है – तुम सोशल मीडिया बंद कर दो₹, या उससे चैट करना बंद करो, या फिर अगर मुझसे प्यार है, तो इंस्टा डिलीट कर दो₹। सवाल ये है – क्या ऐसा करना वाकई प्यार की निशानी है, या यह नियंत्रण की शुरुआत?

क्या सोशल मीडिया छोड़ना रिश्ते के लिए हेल्दी फैसला है?

इस विषय में विशेषज्ञों की राय बेहद स्पष्ट है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक का इस बारे में कहना है कि, "अगर आप दोनों मिलकर तय करते हैं कि कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहना है ताकि आप एक-दूसरे पर ध्यान दे सकें, तो यह एक हेल्दी और सकारात्मक फैसला है। लेकिन अगर कोई एक व्यक्ति डर, दबाव या गिल्ट में आकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट करता है, तो यह रिश्ते में नियंत्रण का संकेत हो सकता है।

इस मांग के पीछे छिपे होते हैं गहरे जज़्बाती मुद्दे

जब कोई पार्टनर बार-बार सोशल मीडिया छोड़ने की बात करता है, तो यह सिर्फ ऐप या चैटिंग की बात नहीं होती। इसके पीछे अक्सर भावनात्मक असुरक्षा, खो जाने का डर, या बीते रिश्तों की कड़वी यादें काम करती हैं। ऐसी मांगें उन लोगों में ज्यादा देखी जाती हैं जो 'इनसिक्योर अटैचमेंट स्टाइल' से ग्रसित होते हैं। कई बार

व्यक्ति को डर होता है कि सोशल मीडिया पर कोई और ज़्यादा आकर्षक लग सकता है, या पार्टनर किसी और से जुड़ सकता है। ये डर रिश्ते की जड़ें खोखली कर सकते हैं।

इसका हल टकराव नहीं, बल्कि संवाद है। एक-दूसरे की बातों को बिना जज किए सुनना और समझना बेहद जरूरी है।

रिश्तों में ईर्ष्या एक सामान्य भावना है, लेकिन इसे कैसे हैंडल किया जाए, वही तय करता है कि रिश्ता मजबूत होगा या टूटेगा। डॉ. इदरीस सलाह देते हैं कि जो बातें आपको असहज करती हैं, उन पर शांति से बातचीत करें। यह समझना जरूरी है कि हम रियल लाइफ के बजाय वर्चुअल दुनिया के जरिए अपने पार्टनर को जज कर रहे हैं या नहीं।

रिश्ते में नियमों के बजाय सीमाएं साझा करना ज़रूरी है। सोशल मीडिया से कभी-कभी ब्रेक लेना, या पारदर्शिता के साथ प्राइवेसी का सम्मान करना रिश्ते को और गहरा बना सकता है। आत्म-सम्मान को मजबूत करना, विश्वास कायम रखना, और ज़रूरत हो तो थेरेपिस्ट की मदद लेना, ईर्ष्या को आत्म-विकास में बदल सकता है।

ईर्ष्या को कैसे संभालें बिना आज़ादी छीने?

ईर्ष्या एक स्वाभाविक भावना है, लेकिन इसका गलत प्रबंधन रिश्ते को तोड़ सकता है। कुछ प्रभावी उपाय सुझाते हैं:

खुलकर बातचीत करें

जब भी आपको असुरक्षा महसूस हो, शांत होकर बात करें। ना चिल्लाएं, ना आरोप लगाएं। पूछें – क्या ये भावना किसी सच्चाई पर आधारित है, या सिर्फ सोशल मीडिया की वजह से?

सीमाएं तय करें, नियम नहीं

रिश्ते में तुम ये मत करो की बजाय हमें क्या अच्छा लगेगा जैसे शब्दों का इस्तेमाल करें। इससे एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान होगा।

पारदर्शिता और प्राइवेसी का संतुलन

यह जरूरी है कि आप दोनों अपने सोशल मीडिया व्यवहार में पारदर्शी हों, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर मैसेज या फॉलोअर की निगरानी की जाए।

सेल्फ-एस्टीम पर काम करें

खुद को समझें, खुद से प्यार करें। जब आत्मसम्मान मजबूत होता है, तब आप रिश्ते में कम असुरक्षित महसूस करते हैं।

थेरपी की मदद लें

अगर असुरक्षा बहुत गहरी है और हर बातचीत टकराव में बदल जाती है, तो कपल थेरपी या काउंसलिंग से मदद ली जा सकती है।

सोशल मीडिया छोड़ना या न छोड़ना—यह कोई एक जवाब वाला सवाल नहीं है। इसका सही जवाब रिश्ते की गुणवत्ता, आपसी समझ और संवाद पर निर्भर करता है। अगर दोनों पार्टनर एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए फैसला लेते हैं, तो वह रिश्ता और भी मजबूत बनता है।

लेकिन अगर प्यार के नाम पर नियंत्रण थोपा जा रहा है, तो आपको खुद से पूछना चाहिए – ₹क्या मैं इस रिश्ते में खुद को खो रहा हूं?₹ रिश्ते में समझदारी, विश्वास और आज़ादी तीनों जरूरी हैं। तभी प्यार टिकता है।

इन आदतों की वजह से पत्नी की नजरों में बुरा बनता है पति

पति-पत्नी का रिश्ता अपनेआप में बेहद अटूट होता हैं जिसकी डोर आपसी विश्वास और सम्मान पर टिकी होती हैं। यह रिश्ता तभी लंबा चल पाता हैं जब दोनों एक-दूसरे को समझें और सम्मान करें। शादी के रिश्ते को सहेजने के लिए पति और पत्नी दोनों को ही बराबर कोशिशें करनी चाहिए। लेकिन पुरुषों को बेचलर लाइफ से शादीशुदा जिंदगी में शामिल होना थोड़ा मुश्किल होता है और उन्हें इसमें ढलने में वक्त लगता है। इस कारण कपल के बीच छोटी मोटी बहस भी हो जाती है। लेकिन पुरुषों की कई आदतें ऐसी होती हैं जो उन्हें बुरा पति बनाती हैं। आज हम अपने पाठकों को उन्हीं आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनमें पुरुषों को सुधार करने की जरूरत हैं।

अपनी माँ से तुलना करना

कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है। हर किसी में खूबियां और खामियां होती हैं। लेकिन जब पति हर छोटी बड़ी बात में अपनी पत्नी की तुलना अपनी माँ से करने लगते हैं तो वहां से दिक्कत शुरू होती है। आप बार बार उनकी कमियां और गलतियां याद दिलाएंगे तो इससे पत्नी की नाराजगी लाजमी है। इन बातों से आपका और उनका रिश्ता बिगड़ भी सकता है। क्योंकि किसी भी पत्नी को पति की ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आती।

ज्यादा उम्मीदें रखना

हर इंसान रिश्ते निभाने के दौरान एक दूसरों से हद से ज्यादा उम्मीद रखने लगता है। हर इंसान के अंदर स्वार्थ स्वाभाविक रूप से मौजूद होता है। किसी से एक हद तक उम्मीद रखना गलत नहीं है।

पत्नी की शारीरिक बनावट पर

मगर ये भी समझना जरूरी है कि हर इंसान के अंदर अगर कुछ प्रतिभाएं हैं तो दूसरी तरफ कुछ खामियां भी हैं। कोई भी इंसान आपको हर तरह से संतुष्ट नहीं कर सकता। आपको ये समझने की जरूरत है कि आप ज्यादा आकांक्षाएं रखने की बजाए अपने लाइफ पार्टनर से प्यार और आदर का भाव रखें।

टिप्पणी करना

कोई भी इंसान जब आपके रंग रूप या शारीरिक बनावट पर टिप्पणी करता है, तो इसपर नाराज होना लाजमी है। वहीं अगर पति अपनी पत्नी के लुक्स का मजाक बनाए, उन्हें मोटा, लंबा या छोटा कहे, तो इस तरह के नकारात्मक कमेंट से पत्नी आहत हो सकती हैं। तारीफ करने के बजाए पत्नी के शरीर का मजाक बनाने पर वह गुस्सा हो जाती हैं।

आलोचना करना

कई बार ऐसा देखा गया है कि दूसरों के सामने पति अपनी पत्नियों की आलोचना करते नजर आते हैं। या कभी-कभी अपने मन-पसंद का खाना ना मिलने पर भी उन्हें तरह-तरह की बातें सुनाते हैं। ऐसा करना गलत है। आपको उन्हें ये बताने की जरूरत है कि उनकी कौन सी बात आपको पसंद नहीं आई। इसके बाद आपको उनके अच्छे कामों की प्रशंसा करने की भी जरूरत है।

बात करने का गलत लहजा

कई बार पति काम के तनाव के कारण अपनी पत्नी पर गुस्सा जाहिर कर देते हैं या कई बार ठीक तरीके से बात नहीं करते हैं। ऐसे में आपको बात करते समय विनम्र होने की जरूरत है ताकि उन्हें भावनात्मक ठेस ना पहुंचे। वो आपसे कुछ पल का प्यार चाहती हैं, अगर आप रोज ऐसा करेंगे तो उन्हें सबसे ज्यादा खुशी होगी।

जरूरी है घर के बुजुर्गों को स्वस्थ व खुश रखना, इस प्रकार रखें उनका ध्यान

कहा जाता है जिस घर में बुजुर्गों का साया होता है उस घर से जुड़ी कई तकलीफें आसानी से हल हो जाती हैं। बुजुर्गों का अनुभव और आशीर्वाद हमेशा आगे बढ़ने की ओर अग्रसर करता है।हालांकि उनका हर बात में रोकटोक करना आज की पीढ़ी को अखरता है लेकिन ठंडे दिमाग से जब युवा सोचता है तो उसे लगता है उसके दादा या पिता सही थे। बुजुर्गों कभी भी अपने बच्चों से पूरी तरह खुश नहीं रहते हैं। उन्हें ऐसा महसूस होता है कि जितना उन पर ध्यान देने की जरूरत है उतना वे ध्यान दे नहीं पाते हैं। यदि ऐसा महसूस होता है तो जरूरत है आप उनके प्रति अपना व्यवहार बदलें। वैसे कहा गया है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है वैसे-वैसे बुजुर्ग बच्चे बनते चले जाते हैं। ऐसे में आपको अपने बुजुर्गों से ऐसा व्यवहार करने की जरूरत होती है जैसा आप अपने बच्चों के साथ करते हो। आपका अपनापन और प्यार उन्हें सुरक्षित माहौल प्रदान करता है। आपका प्रतिदिन उनके वार्तालाप करना उन्हें इस बात का विश्वास दिलाता है आप उनके प्रति कितने जागरुक और चिंतित हैं। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसी बातों के बारे में बता रहे हैं जिनकी मदद से आप अपने घर के बुजुर्गों को खुश रख सकते हैं, उनकी तकलीफ को दूर कर सकते हैं। आप उन्हें यह विश्वास दिला सकते हैं कि आप उनके साथ हैं।

व्यक्तिगत समस्याओं पर लें परामर्श

यदि आप किसी परेशानी में हैं और उसे सॉल्व नहीं कर पा रहे हैं तो आप उनसे परामर्श करें। हो सकता है उनका अनुभव आपकी समस्या को दूर करने का उपाय बताए। ऐसा होने पर उन्हें भी विश्वास होगा वे आपके लिए कितने जरूरी हैं। ऐसे में आप उनसे हर तरह का परामर्श लें और ज़रूरी बातें शेयर करें। उनके गुस्से को सहना सीखें। कभी भी उनका विरोध न करें। प्रयास करें आप कोई ऐसी बात या शब्द न बोलें जिससे उन्हें ठेस पहुँचे।

तनाव से रखें दूर

जहां तक संभव हो आप उन्हें

हर प्रकार के तनाव से दूर रखें। विशेष रूप से उनके भविष्य को लेकर उनकी चिंता दूर करें। उन्हें इस बात का अहसास करवाएं कि आप उनके साथ हैं। उनके बिना आप कुछ भी नहीं हैं। बढ़ती उम्र में याददाश्त कमजोर हो जाती है। इंसान भूलने लगता है। बुजुर्ग अपने स्वास्थ्य को लेकर डरा रहता है ऐसे में उनकी इन बातों को दूर करने का प्रयास करें। इससे वे न सिर्फ बेहतर महसूस करेंगे अपितु उनके मन में यह विश्वास बना रहेगा कि आप हर परिस्थिति में उनके साथ हैं।

उनके साथ खाना खाएं

खाने की टेबल वो जगह है जहाँ पूरा परिवार एक साथ एकत्रित होता है। यह वो समय होता है जब आपस में बैठकर एक दूसरे से खुलकर बातचीत की जा सकती है। इस वक्त आप उनसे उनके उत्तराधिकार को लेकर भी बात कर सकते हैं। उन्हें कुछ समझा भी सकते हैं और उनकी सलाह भी ले सकते हैं। इससे रिश्तों में खुलापन आएगा। उन्हें उनके मन के मुताबिक निर्णय लेने दें। कहते हैं एक साथ बैठकर जब पूरा परिवार खाना खाता है तो आपसी प्यार बढ़ता है। अकेलापन दूर होता है रिश्तों में मिठास आती है। सप्ताह में एक बार उनके साथ बाहर घूमने जाएं, इससे उनका मन खुश होगा। दिमागी तनाव कम होगा।

एक्टिव रखें

वैसे तो एक उम्र ऐसी आती है, जब इंसान के लिए चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए फिट और एक्टिव रहना आसान काम नहीं होता। ऐसे में आप उन्हें फिट और एक्टिव रखने के लिए योग और व्यायाम करने में मदद करें। बुजुर्गों को व्यायाम और योग करने के लिए प्रेरित करते रहें। साथ भी खुद भी व्यायाम करें। इससे न केवल उनकी शारीरिक बीमारियां दूर भागेंगी बल्कि आपका अकेलापन भी दूर होगा और वह फिट भी रहेंगे।

डिजिटल दुनिया से जोड़ें

डिजिटल युग में जिस प्रकार आप अपने बच्चों को हर चीज यूज़ करना सिखाते हैं, अपने पेरेंट्स को भी अपग्रेट करते रहें और उन्हें मोबाइल, लैपटॉप आदि यूज़ करना सिखाएं, ताकि आप जब घर पर ना हों, तो उन्हें अकेलापन महसूस ना हो और अपना समय वे एन्जॉय करते हुए बिता सकें।

अड़ोस-पड़ोस में बातचीत करनें दें

बुजुर्गों को हमेशा सम्मान दें। उन्हें कभी भी ऐसी बात न कहें जिससे उनके मन को ठेस लगे। उन्हें बाहर लोगों से मिलने दें और नए दोस्त बनाने दें। इससे उनका अकेलापन दूर होगा और वह हमेशा खुश रहेंगे। उनके अनुभव और कहानी को ध्यान से सुनें। शायद उनकी सुनाई कहानी से आपको जीवन की किसी परेशानी का हल मिल जाए।

सुरक्षित माहौल दें

बुजुर्गों के लिए स्ट्रेसफ्री होना बहुत ही ज़रूरी है, जबकि ऐसा हो नहीं पाता। समाज में बुजुर्गों के साथ बढ़ती हिंसा उनके मन में डर पैदा कर सकती है। ऐसे में आप घर और आसपास सीसीटीवी कैमरा लगवा सकते हैं। आप चाहें तो उनके साथ जीपीएस ट्रैकर रख सकते हैं, जो उनकी गतिविधियों को बताते रहे। बुजुर्गों को अगर ज्यादा कमजोरी महसूस हो या फिर भूलने की आदत हो तो उनके बाहर जाने पर उन पर नजर रखें। उन्हें घर वापिस आने में देर हो जाए तो बाहर देखने जरूर जाएं। बड़े बुजुर्ग अगर कोई काम करना चाहते हैं तो उन्हें मना न करें। अगर आप उन्हें मना करते हैं तो उन्हें लगता है कि आप उन्हें रोक-टोक कर रहे हैं।

पॉकेट मनी जरूर दें

यह एक ऐसा काम है जिसे हर युवा को अपने ध्यान में रखना चाहिए। आपके बुजुर्ग आपसे अपने खर्च के लिए पैसे मांगते हुए शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। ऐसे में आप उनके बिना मांगे ही उन्हें हर सप्ताह उनके खर्च या उनकी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा दें। वैसे भी बुजुर्ग स्वयं पर कुछ खर्च नहीं करते वे आपके ही बच्चों के लिए कुछ न कुछ लेकर आते हैं। उन्हें आपके बच्चों के साथ ऐसा करना अच्छा लगता है।

मजदूरों का हक मार रही हैं बड़ी कंपनियां!

अमेरिका के इतिहास में कभी नहीं हुआ ऐसा

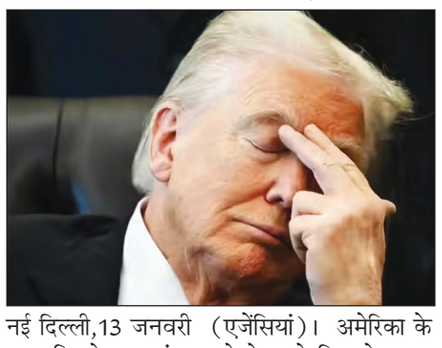

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश को फिर से महान बनाने के लक्ष्य को लेकर काम कर रहे हैं। लेकिन देश में वर्कर्स की हालत दिन ब दिन बदतर होती जा रही है। अमेरिका की जीडीपी में लेबर यानी नॉन-फार्म वर्कर्स की हिस्सेदारी अब 53.8 फीसदी रह गई है जो 1947 के बाद सबसे कम है। इस तरह के आंकड़ों को जमा करने की शुरुआत 1947 में हुई थी। इससे पता चलता है कि इकनॉमिक आउटपुट का कितना हिस्से वेज, सैलरी, बोनस और बेनिफिट्स के रूप में वर्कर्स को मिल रहा है। आंकड़ों के मुताबिक 1950 में यह करीब 65% था जबकि 1960 में रेकॉर्ड 66% पहुंच गया था। साल 2001 में यह 64 फीसदी था लेकिन उसके बाद से इसमें 10.4 फीसदी गिरावट आई है। इस दौरान कॉरपोरेट प्रॉफिट मार्जिन 10.9 फीसदी पहुंच गया है जो अब तक का दूसरा सबसे बड़ा रेकॉर्ड है। इसका मतलब है कि वर्कर्स ज्यादा प्रोड्यूस कर रहे हैं लेकिन मुनाफे का मोटा हिस्सा कंपनियों की जेब में जा रहा है।

क्या होगा असर?

जानकारों का कहना है कि ऑटोमेशन के यूज से कंपनियों में प्रोडक्टिविटी बढ़ी है लेकिन इसका इस्तेमाल वर्कर्स की सैलरी बढ़ाने के बजाय प्रॉफिट बढ़ाने में किया जा रहा है। इससे देश में अमीरों और गरीबों के बीच खाई बढ़ रही है क्योंकि केवल कुछ ही लोगों को इसका फायदा हो रहा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसका देश की इकॉनमी पर प्रतिकूल असर हो सकता है।

53 करोड़ से अधिक बैंक खाते और डिजिटल भुगतान में दुनिया का नेतृत्व, आखिर जन-धन योजना ने कैसे बदला भारत

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)।भारत की महत्वाकांक्षी वित्तीय समावेशन मुहिम ने करोड़ों नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण आबादी के आर्थिक जीवन को मौलिक रूप से बदल दिया है। 'ग्लोबल इंक्लूसिव फाइनेंस समिट' में बोलते हुए वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने 28 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री जन धन योजना के शुभारंभ को भारत के इतिहास के 'सबसे परिवर्तनकारी दिनों में से एक' बताया।नागराजू ने खुलासा किया कि इस योजना के माध्यम से अब तक 53 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इनमें से 72 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव लैंगिक समानता के मोर्चे पर देखा गया है, जहाँ अब 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के पास हैं, जिसने खाता स्वामित्व के मामले में महिला-पुरुष के अंतर को समाप्त कर दिया है। नागराजू के अनुसार, इससे ग्रामीण महिलाओं में खुद को आर्थिक विकास में समान हितधारक समझने का आत्मविश्वास और सशक्तिकरण बढ़ा है। डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए सरकार ने मुद्रा योजना के तहत अप्रैल 2015 से अब तक लगभग 38 लाख करोड़ रुपये के 56.32 करोड़ ऋण स्वीकृत किए हैं। इनमें से 67 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं।सफलता के बावजूद, नागराजू ने कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें शुरुआती चरणों में खोले गए खातों के लिए केवाईसी विवरण को अपडेट करना, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों को मजबूत करना और साइबर सुरक्षा के उपायों को बेहतर बनाना शामिल है।सचिव ने आगामी समय के लिए तीन स्तंभों वाले दृष्टिकोण के बारे में बताया। ये हैं वित्तीय समावेशन के जरिए वित्तीय साक्षरता सुनिश्चित करना, जो अंततः ऋण पहुंच, जोखिम कवरेज और पेंशन जरिए वित्तीय सुरक्षा का माहौल बनाए। उन्होंने भरोसा जताया कि इन तत्वों के समावेश से देश अगली शताब्दी की ओर बढ़ने के लिए अधिक मजबूत और सुरक्षित बनेगा। एम. नागराजू ने मंगलवार को संकेत दिए कि भारत अब विशेष रूप से पूर्वी एशिया (ईस्ट एशिया) के देशों में यूपीआई की मौजूदगी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 250 अंक टूटा, निफ्टी 26800 के नीचे

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के चलते मंगलवार को एक दिन की राहत के बाद इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी निचले स्तर पर बंद हुए। व्यापारियों के अनुसार, आय सत्र की कमजोर शुरुआत के कारण बाजार का माहौल भी सुस्त था। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 250.48 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 85,627.69 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 615.38 अंक या 0.73 प्रतिशत गिरकर 83,262.79 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक या 0.22 प्रतिशत गिरकर 26,732.30 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 90.21 (अस्थायी) पर बंद हुआ।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति, आईटीसी, अदानी पोर्ट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लाभ कमाने वालों में शामिल थे।देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा निर्यातक कंपनी टीसीएस ने सोमवार को दिसंबर तिमाही में अपने मुनाफे में 13.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो कि 10,657 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट मुख्य रूप से नए श्रम कानूनों के एकमुश्त प्रभाव के कारण हुई। इस बीच, खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में तीन महीने के उच्चतम स्तर 1.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि थी, लेकिन यह भारतीय रिजर्व बैंक के निम्नतम सहनशीलता स्तर से नीचे रही।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को वाशिंगटन के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत टैरिफ का भुगतान करना होगा, एक ऐसा कदम जो भारत, चीन और यूएई जैसे तेहरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों को प्रभावित कर सकता है।ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि साप्ताहिक समाप्ति पर भारतीय शेयर बाजारों में दिन भर में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

तकनीकी खराबी के चलते आखिरी समय में रोकी गई अकासा की उड़ान, पुणे से बंगलूरु जा रही थी

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अकासा एयर की पुणे से बंगलूरू जा रही उड़ान को हवाई अड्डे पर आखिरी मिनट में रोक दिया गया। दरअसल विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद विमान में सवार यात्रियों को उतारा गया। उड़ान मंगलवार सुबह 8.50 बजे जाने वाली थी और यात्रियों को 8.10 बजे विमान में सवार किया गया। लेकिन विमान जब उड़ान भरने के लिए तैयार था, तभी उसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई और विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया।

यात्रियों ने क्या बताया?

अकासा एयर के जिस विमान में खराबी आई, वो बोइंग 737 मैक्स है। खराबी के चलते करीब डेढ़ घंटे तक यात्री विमान के अंदर ही रहे,

लेकिन जब गड़बड़ी ठीक नहीं हो सकी तो आखिरकार यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। विमान में सवार एक यात्री ने बताया कि 'अकासा एयर की बंगलूरू जाने वाली फ्लाइट - क्यूआईपी1312 - जो 13 जनवरी को पुणे से थी, पुणे एयरपोर्ट पर रुकी हुई है। यात्री विमान में सवार हो गए थे और फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी, तभी आखिरी समय में विमान में कुछ तकनीकी दिक्कत आ गई। बाद में सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया।'

अकासा एयर ने बयान जारी कर दी जानकारी

अकासा एयर ने एक बयान जारी कर बताया कि उड़ान संख्या क्यूआईपी 1312 में तकनीकी खराबी के चलते देरी हुई और अब ये उड़ान दोपहर 1.15 बजे उड़ान भरेगी। अकासा एयर ने बताया कि जो यात्री संशोधित उड़ान में सफर करना चाहते हैं, उन्हें इससे भेजा जाएगा और जो रिफंड वापस चाहते हैं, उसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।अकासा एयरलाइंस फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में वाराणसी से जेवर एयरपोर्ट, पुणे और अहमदाबाद के लिए नई विमान सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है। अकासा एयरलाइंस के यूपी सेल्स हेड राहुल सिंह ने बताया कि वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

10 मिनट की डिलीवरी पर रोक

सरकार ने लिया फैसला, ब्लिंकिट और जेप्टो समेत सभी क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लगाम

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म की 10 मिनट की डिलीवरी पर रोक लगा दी है। इस जेप्टो, ब्लिंकिट, स्विगी आदि जैसे प्लेटफार्म 10 मिनट में डिलीवरी नहीं दे पाएंगे। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने इस सर्विस पर रोक लगाई। यह मामला हैदराबाद में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले एक शख्स की मौत से जुड़ा है। जेप्टो ने उस शख्स को अपना कर्मचारी नहीं बताया था। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रमुख डिलीवरी एग्रीगेटर्स के साथ इस मामले में बात की।

अंत में उन्होंने 10 मिनट की डिलीवरी की समय सीमा को हटाने के लिए राजी कर लिया। डिलीवरी की समय सीमा से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए ब्लिंकिट, ज़ेप्टो, ज़ोमैटो और स्विगी सहित प्रमुख प्लेटफार्मों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।सूत्रों के अनुसार, ब्लिंकिट ने पहले ही निर्देश पर कार्रवाई की है और अपनी ब्रांडिंग से 10 मिनट की डिलीवरी का वादा हटा दिया है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में अन्य एग्रीगेटर भी इसी राह पर चलेंगे। इस कदम का उद्देश्य गिग वर्कर्स (अस्थायी या फ्रीलांस काम करने वाले) की सुरक्षा, संरक्षा और काम करने की बेहतर स्थिति सुनिश्चित करना है।हाल के संसद सत्र में आम आदमी

पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भारत के गिग वर्कर्स की परेशानियों के बारे में आवाज उठाई थी। उन्होंने क्विक कॉमर्स और अन्य ऐप-आधारित डिलीवरी और सेवा व्यवसायों के लिए नियमों की मांग की थी। साथ ही गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभों की आवश्यकता पर जोर दिया था। संसद में अपने हस्तक्षेप में राज्यसभा सदस्य ने गिग वर्कर्स के लिए गरिमा, सुरक्षा और उचित वेतन की मांग की।हैदराबाद में जान गंवाने वाले शख्स को जेप्टो ने अपना कर्मचारी नहीं बताया था।

पहले मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि वह शख्स जेप्टो के काम करता था। यह हादसा शहर के मेहदीपट्टनम पुलिस इलाके में हुआ। अभिषेक नाम के एक डिलीवरी राइडर की दोपहिया गाड़ी एक बस से टकरा गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने शुरू में बताया था कि मृतक जेप्टो के लिए डिलीवरी का काम करता था।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु मे	धनु.....	04-48 बजे
चंद्र	वृश्चिक मे	मकर...	06-54 बजे
मंगल	धनु मे	कुंभ....	08-44 बजे
बुध	धनु मे	मीन....	10-23 बजे
गुरु	मिथुन मे	मेष.....	11-59 बजे
शुक्र	मकर मे	वृष.....	13-43 बजे
शनि	मीन मे	मिथुन..	15-45 बजे
राहु	कुंभ मे	कर्क...	17-56 बजे
केतु	सिंह मे	सिंह---	20-09 बजे
		कन्या--	22-15 बजे
		तुला---	00-20 बजे
		वृश्चिक..	02-30 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-53
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-57
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष बुधवार 14 January 2026
तिथि - एकादशी 17-52 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - अनुराधा 03-03 रात्रि तक उप ज्येष्ठा
योग - गण्ड 19-55 तक उप. वृद्धि
करण - बालव 17-52 तक उप. कौलव
षटतिला एकादशी व्रत
मकर संक्रांति, पुण्यकाल
मकर मे सूर्य १५-०७ से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-25 13-49

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया	रात का चौघडिया
लाभ 06-53 - 08-14 शुभ	उत्पात17-57 - 19-36 अशुभ
अमृत 08-14 - 09-38 शुभ	शुभ. 19-36 - 21-13 शुभ
काल 09-38 - 11-02 अशुभ	अमृत 21-13 - 22-49 शुभ
शुभ। 11-02 - 12-25 शुभ	चंचल 22-49 - 00-25 शुभ
रोग 12-25 - 13-49 अशुभ	रोग 00-25 - 02-02 अशुभ
उत्पात13-49 - 15-13 अशुभ	काल 02-02 - 03-38 अशुभ
चंचल 15-13 - 16-36 शुभ	लाभ 03-38 - 05-14 शुभ
लाभ 16-36 - 17-57 शुभ	उत्पात05-14 - 06-53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा । आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राकृतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ईरान टेंशन का भारत पर असर, 1 हफ्ते में इतना सस्ता हो गया बासमती चावल!

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दोनों ही देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है, स्थिति अगर ऐसी ही बनी रही तो आने वाले समय में कई चीजें महंगी हो सकती हैं. एक ओर जहां कई चीजें महंगी हो सकती हैं तो वहीं भारत में बासमती चावल की कीमतें कम हो सकती हैं जिससे बासमती चावल सस्ता हो सकता है. इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) ने बताया कि ईरान में बड़े पैमाने पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भारत के बासमती चावल एक्सपोर्ट ट्रेड पर भारी असर पड़ रहा है, जिससे घरेलू कीमतों में भारी गिरावट आई है.

भारत ने ईरान को भेजा 4225 करोड़ का चावल

इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) के जारी एक्सपोर्ट डेटा के अनुसार, भारत ने मौजूदा फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में अप्रैल-नवंबर के दौरान ईरान को $468.10 मिलियन (लगभग 4,225 करोड़) का बासमती चावल एक्सपोर्ट किया जो लगभग 5.99 लाख मीट्रिक टन है. आईआरईएफ ने कहा कि ईरान पारंपरिक रूप से भारतीय बासमती के सबसे बड़े डेस्टिनेशन में से एक रहा है, लेकिन मौजूदा अस्थिरता के कारण इस साल ट्रेड फ्लो में काफी अनिश्चितता आई है.आईआरईएफ के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. प्रेम गर्ग ने कहा, ईरान पहले से ही भारतीय बासमती के लिए एक अहम मार्केट रहा है. हालांकि, मौजूदा उथल-पुथल ने ट्रेड चैनल में रुकावट डाली है, पेमेंट धीमा कर दिया है और खरीदारों का भरोसा कम कर दिया है. उन्होंने बताया कि इसका सीधा असर भारतीय मंडियों में दिख रहा है, जहां कुछ ही दिनों में

बासमती की कीमतें तेजी से कम हो गई हैं. एक्सपोर्टर्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए, खासकर क्रेडिट एक्सपोज़र और शिपमेंट टाइमलाइन को लेकर.

एक्सपोर्टर्स के लिए एडवाइजरी

बदलते हालात को देखते हुए, आईआरईएफ ने एक एडवाइज़री जारी की है जिसमें एक्सपोर्टर्स से ईरानी कॉन्ट्रैक्ट्स से जुड़े रिस्क को फिर से देखने, ज्यादा सुरक्षित पेमेंट सिस्टम अपनाने और सिर्फ ईरानी मार्केट के लिए बनी इन्वेंट्री का ज्यादा इस्तेमाल करने से बचने की अपील की है. फेडरेशन ने एक्सपोर्टर्स और किसानों, दोनों को अचानक आने वाले झटकों से बचाने के लिए सोच-समझकर और सावधानी से काम लेने की भी सलाह दी है.

अमेरिका लगा रहा भारतीय चावल पर इतना टैरिफ

ईरान संकट के साथ-साथ, आईआरईएफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति के हाल ही में सामने आए बयान पर भी ध्यान दिया है, जिसमें कहा गया है कि ईरान के साथ व्यापार जारी रखने वाले देशों पर 25 परसेंट टैरिफ लग सकता है. फेडरेशन ने साफ किया कि यूएस पहले ही भारतीय चावल के एक्सपोर्ट पर 50 फीसदी का भारी टैरिफ लग रहा है जो पहले की 10 फीसदी ड्यूटी से काफी ज्यादा है.

यूके और ईयू ने बड़ी डील के लिए भारत की तरफ बढ़ाए कदम

बांग्लादेश को झटका लगना तय

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के यूके और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ बढ़ते व्यापारिक रिश्ते रंग दिखाने लगे हैं। भारत व यूके और भारत व ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम मंजूरी बहुत जल्द मिल सकती है। ऐसे में यूके और यूरोपीय देशों के बड़े कपड़े ब्रांड्स जैसे मार्क्स एंड स्पेंसर , प्राइमेक और नेक्स्ट भारतीय सप्लायर्स से बातचीत शुरू कर चुके हैं।

इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार निर्यातकों का कहना है कि खरीदार तमिलनाडु के तिरुपुर जैसे कपड़ा हब में फैक्ट्रियों का निरीक्षण और मूल्यांकन बढ़ा रहे हैं। वे बांग्लादेश में सप्लाई चेन की अनिश्चितताओं और एफटीए के तहत कम टैरिफ की उम्मीद में भारत से सामान खरीदना शुरू करने या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। यूके और ईयू के भारत की ओर कदम बढ़ाने से बांग्लादेश को झटका लगना तय है। तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केएम सुब्रमण्यन ने बताया कि एमएंडएस , सीएंडए , प्राइमेक , मदरकेयर , नेक्स्ट और

डन्स जैसे ब्रांड्स तकनीकी ऑडिट, नई फैक्ट्रियों के मूल्यांकन और अपने मौजूदा सप्लायर्स से और अधिक सामान खरीदने की संभावना तलाशने के लिए तिरुपुर का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो ब्रांड्स पहले से ही भारत से सामान खरीद रहे हैं, वे अपनी खरीद को बढ़ाने के लिए भी उत्सुक हैं।

क्या है भारत-यूके एफटीए डील

भारत-यूके एफटीए के तहत भारत के 99% निर्यात पर लगने वाले टैरिफ को खत्म करने का प्रस्ताव है।

यह समझौता तभी लागू होगा जब यूके की संसद इसे मंजूरी दे देगी, जिसके अगले कुछ महीनों में पूरा होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश से भारत शिफ्ट होगा कारोबार!

बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति ने भी यूरोपीय खरीदारों को सामान खरीदने की रणनीति पर फिर से विचार करने और भारत से आयात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया है। कॉटन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन विजय अग्रवाल ने कहा कि सीएंडए जैसे खरीदार बांग्लादेश से बड़ी मात्रा में जींस और बॉटम्स खरीदते हैं। अब वे अपनी सोर्सिंग (सामान खरीदने) का कुछ हिस्सा भारत में शिफ्ट करने की संभावना तलाश रहे हैं। कुछ यूके खरीदारों ने भी बांग्लादेश से प्रोडक्शन भारत में ट्रांसफर करने की इच्छा जताई है।

बांग्लादेश-भारत में कितना अंतर

आयात शुल्क के कारण भारत से सामान खरीदना बांग्लादेश की तुलना में महंगा पड़ता है। बांग्लादेश को लगभग 25 सालों से यूरोपीय बाजार में ड्यूटी-फ्री पहुंच मिली हुई है। इसके विपरीत भारतीय परिधान और वस्त्रों पर वर्तमान में ईयू में 12.5% और यूके में 9.6% का शुल्क लगता है। ईयू और यूके के साथ एफटीए लागू होने से भारतीय वस्त्रों और परिधानों पर लगने वाले शुल्क खत्म हो जाएंगे, जिससे भारत बांग्लादेश के बराबर आ जाएगा।

चांदी दो दिन में 20,000 बढ़कर 2.63 लाख किलो

सोना 1.40 लाख प्रति 10 ग्राम बिक रहा; दोनों लगातार दूसरे दिन ऑलटाइम हाई पर

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दाम आज (13 जनवरी) को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 6,256 रुपए बढ़कर 2,63,032 रुपए हो गई है। कल इसने 2,57,283 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। दो दिन में चांदी करीब 20 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 33 रुपए बढ़कर 1,40,482 रुपए के ऑल टाइम हाई पर ओपन हुआ। हालांकि इसके बाद इसके दाम में गिरावट आई और ये 165 रुपए गिरकर 1,40,284 पर बंद हुआ। कल ये 1,40,449 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता।

इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट

तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।

चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

शराब घोटाला: सौम्या-चौरसिया की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट में खारिज

ईडी के बाद ईओडब्ल्यू कर सकती है अरेस्ट वकील बोले– झूठे केस में फंसा रही सरकार

बिलासपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी रहीं सौम्या चौरसिया की अग्रिम जमानत अर्जी को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। ईडी के बाद ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी के डर से सौम्या ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी।

दरअसल, शराब घोटाले के केस में ईडी ने सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही ईओडब्ल्यू ने उन्हें प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए ईडी की स्पेशल बेंच में आवेदन पेश किया है। अब सौम्या चौरसिया को इस केस में ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी का डर सताने लगा है। यही वजह है कि उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई थी।

सौम्या के वकील ने हर्षवर्धन परगनिहा ने कहा कि, ईडी की टीम ने राजनीतिक षडयंत्र के तहत इस केस की जांच की है। सुनियोजित साजिश के तहत फंसाने के लिए मामले को ईओडब्ल्यू को सौंपा है। ढाई साल पुराने इस केस में सौम्या चौरसिया का कोई लेना-देना नहीं है। इसके बाद भी उन्हें गिरफ्तार कर परेशान करना चाहती है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है।

ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। इस घोटाले में राजनेता, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपए और बाद के सालों में 100 रुपए कमीशन लिया जाता था। कमीशन को देने में डिस्टलरी संचालकों को नुकसान ना हो, इसलिए नए टेंडर में शराब की कीमतों को बढ़ाया गया। साथ ही फर्म में सामान खरीदी करने के लिए ओवर बिलिंग करने की राहत दी गई। डिस्टलरी मालिक से ज्यादा शराब बनवाई।

नकली होलोग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से बिक्री करवाई गई। नकली होलोग्राम मिलने में आसानी हो, इसलिए एपी त्रिपाठी के माध्यम से होलोग्राम सप्लायर विधु गुप्ता को तैयार किया गया।

छत्तीसगढ़ में 26 करोड़ का धान हुआ बर्बाद

पेंड्रा में खुले में सड़ गया, कवर्धा में चूहे खा गए, जशपुर में गायब, महासमुंद में सूख गया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में अब तक 26 करोड़ का धान के खराब हो चुका है। ताजा मामला गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले का है। जहां साल 2024-25 में खरीदा गया लगभग 20,000 क्विंटल धान खराब हो गया है। इससे शासन को अनुमानित 6 करोड़ रुपए से ज्यादा का आर्थिक नुकसान हुआ है।

बताया जा रहा है पेंड्रा रोड स्थित संग्रहण केंद्र में खुले में रखे जाने के कारण नमी, बारिश के कारण धान सड़ गया था। इसके पहले कवर्धा जिले में चूहे-दीमक, बारिश से धान खराब हुआ था। जशपुर में 7 करोड़ का धान गायब होने का मामला सामने आया था।

महासमुंद जिले के 5 संग्रहण केन्द्रों में करीब साढ़े 5 करोड़ का धान सूख गया। वहीं जगदलपुर में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने 1.46 लाख क्विंटल धान खराब होने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, साल 2024-25 में खरीदी के बाद पेंड्रारोड स्थित संग्रहण केंद्रों में लंबे समय तक धान पड़ा रहा। इसे समय पर कस्टम मिलिंग के लिए राइस मिलों तक नहीं पहुंचाया जा सका। अव्यवस्थित भंडारण और खुले में रखे जाने के कारण धान पर नमी, बारिश और अन्य मौसमी प्रभावों का असर पड़ा। इन कारणों से धान पूरी तरह काला पड़ गया और अमानक हो गया। अब इसकी गुणवत्ता इतनी गिर चुकी है कि यह उपयोग के योग्य नहीं रह गया है। किसानों और संबंधित हितधारकों में इस मामले को लेकर भारी नाराजगी है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते परिवहन, उचित कवरिंग और मिलिंग की व्यवस्था की जाती, तो इस बड़े नुकसान से बचा जा सकता था। प्रशासनिक स्तर पर समयबद्ध उठाव न होने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

जिला विपणन अधिकारी हरीश शर्मा ने इस संबंध में सफाई देते हुए कहा है कि कुल 20 हजार क्विंटल में से लगभग 16 हजार क्विंटल धान का डिलीवरी ऑर्डर (डीओ) कट चुका है और राइस मिलर्स इसे उठाने को तैयार हैं।

कवर्धा में चारभांठा और बघर्रा धान खरीदी केंद्र में खरीफ विपणन साल 2024-25 के दौरान एमएसपी में खरीदे गए 26 हजार क्विंटल धान का शॉर्टेज मिला। जांच में इसकी कीमत करीब 7 करोड़ रुपए आंकी गई है। अधिकारियों का दावा है कि 26 हजार क्विंटल धान चूहे, दीमक, कीड़े और मौसम की मार से नष्ट हुआ है।

जांच के दौरान दोनों धान खरीदी केंद्रों में फर्जी एंट्री, फर्जी बिल, मजदूरों की फर्जी हाजिरी और सीसीटीवी कैमरे से छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं। शिकायत सही पाए जाने के बाद बाजार चारभांठा धान खरीदी केंद्र के प्रभारी प्रीतेश पांडे को हटा दिया गया है।

सर्राफा-व्यापारी बोले-दंतेवाड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष ने घर बुलाकर पीटा

गाली–गलौज कर लात मारी, 10 महीने से किराया नहीं दिया, होटल में लड़की लेकर जाते थे

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता पर सर्राफा व्यापारी चांडकमल सोनी ने मारपीट का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष उनके लॉज के 4th फ्लोर पर किसी लड़की के साथ जाते थे। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी है। जब ऑब्जेक्शन किया और किराए का पैसा मांगा तो उन्हें पीटा गया।

उन्होंने कांग्रेसियों के साथ मिलकर गीदम थाने में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने व्यापारी के इन आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि मेरी छवि धूमिल कर रहे हैं। मैं मानहानि का केस दर्ज करूंगा।

दरअसल, चांडकमल सोनी गीदम के सर्राफा व्यापारी हैं। पुराने बस स्टैंड के सामने जेआर पैलेस नाम से उनकी लॉज है।

भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने करीब 2 से 3 साल पहले फर्स्ट फ्लोर में एक हॉल किराए पर लिया था। जिसमें गणपति रेस्टोरेंट के नाम से होटल खोला है। नीचे ग्राउंड फ्लोर पर एक और कॉम्प्लेक्स लिया, जहां फास्ट फूड कैफे खोला है।

चांडकमल सोनी के मुताबिक, करीब 35 से 40 हजार रुपए मासिक किराया तय है। साल भर पहले ही गीदम के रहने वाले संतोष गुप्ता को भाजपा का जिला अध्यक्ष बनाया गया था। तब से वे मेरे इन दोनों हॉल और दुकान का किराया नहीं दे रहे हैं। बार-बार कहने पर भी उन्होंने पैसे देने से मना किया। जब भी पैसों के बारे में कहता था तो मुझ पर अपने पद-पावर का दबाव बनाने की कोशिश करते रहे।

झारखंड में मकर संक्रांति पर भी रहेगी कनकनी

रांची, 13 जनवरी (एजेंसियां)। रांची सहित झारखंड के अधिकांश जिलों में सोमवार को न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली। हालांकि यह राहत अस्थायी मानी जा रही है। मौसम विभाग ने 13 से 16 जनवरी तक राज्य के कई जिलों में शीतलहर को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। मकर संक्रांति के दौरान भी ठंड का असर बना रहने की चेतावनी दी गई है।

राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 3.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रांची जिले के मैक्लुस्कीगंज में पिछले तीन दिनों से माइनस में चल रहा पारा बढ़कर 1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री रहा। जमशेदपुर में 10.8, डालटनगंज में 6.1, बोकारो में 7.6, चाईबासा में 8.6 और कोडरमा में 11.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा हजारीबाग में 5.1, खूंटी में 4.8, लोहरदगा में 6.6, सरायकेला में 7.3, सिमडेगा में 6.3 और पश्चिम सिंहभूम में 7.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार 13 जनवरी को गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, बोकारो और गुमला जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। वहीं 14 से 16 जनवरी के बीच रांची सहित गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, बोकारो, गुमला, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम में शीतलहर का असर और तेज हो सकता है। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के कारण दिन के समय कुछ इलाकों में गर्मी का अहसास हुआ। चाईबासा में अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री, सरायकेला में 27.6, डालटनगंज में 27.2, जमशेदपुर में 26.6, पाकुड़ में 25.5 और सिमडेगा में 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तहसील-कार्यालय के सामने किसान ने पीया जहर

गंभीर हालात में बिलासपुर रेफर, धान नहीं बेच पा रहा था, कोरबा में 24 घंटे के अंदर दूसरी घटना

कोरबा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मंगलवार को एक और किसान से सुसाइड की कोशिश की है। धान नहीं बेच पाने से परेशान किसान ने तहसील कार्यालय के बाहर जहर पी लिया। जिसे इलाज के लिए बिलासपुर में भर्ती किया गया है। मामला हरदी बाजार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित किसान का नाम बैसाखू मरकाम (60) है और वह झांझ गांव का रहने वाला है। ऑनलाइन रिकॉर्ड में रकबा कम दिखाने के कारण वह ज्यादा धान नहीं बेच पा रहा था। उसने अब महज 15 क्विंटल धान ही बेचा था। सुधार कार्य के लिए वह तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहा था।

यह 24 घंटे के भीतर जिले में ऐसी दूसरी घटना है। इससे पहले धान बिक्री के लिए टोकन नहीं मिलने से परेशान किसान ने कीटनाशक पी लिया था। उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। आरोप है कि किसान पटवारी से लेकर तहसील ऑफिस तक के चक्कर काटे। जनदर्शन में भी शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। दरअसल, किसान बैसाखू मरकाम के पास 3 एकड़ 27 डिसमिल खेत है। ऑनलाइन रिकॉर्ड में जमीन रकबा कम शो कर रहा था। ऐसे में किसान अब तक मात्र 15 क्विंटल धान ही बेच पाया था। सुधार कार्य कराने के लिए वह तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहा था।

लेकिन किसान का काम नहीं हो रहा था। जिससे वह परेशान था। मंगलवार दोपहर वह हरदी बाजार तहसील कार्यालय पहुंचा। कुछ ही देर बाद उसने दफ्तर के सामने खुदकुशी के इरादे से जहर पी लिया। किसान की हालत बिगड़ने पर आसपास के लोगों ने प्रशासन और परिजनों को सूचित किया। इसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पुलिस और परिजन भी पहुंचे। पीड़ित की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज देने के बाद उसे सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया। मामले में जिला पंचायत प्रतिनिधि मुकेश कुमार जायसवाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मैं और जिला पंचायत उपाध्यक्ष निकिता मुकेश जायसवाल मौके पर पहुंचे। एम्बुलेंस आने में देरी होने पर उपाध्यक्ष ने खुद की गाड़ी से किसान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरदी बाजार भिजवाया।

भाजपा की वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने कहा कि हरदी बाजार क्षेत्र के किसानों को धान खरीदी में प्रशासन की ओर से उलझन पैदा करना और किसानों को परेशान होने के बाद यदि कोई अंतिम प्रयास कर आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा है, तो यह अत्यंत दुखद है।

2 बाइकों में भिड़ंत, दो सगे भाइयों की मौत

रॉन्ग साइड से आ रहा था दूसरा युवक, एफआईआर दर्ज

कांकेर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में दो बाइकों की टक्कर में बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। जबकि दूसरी बाइक का सवार घायल हो गया। इस मामले में मृतक के चाचा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिस पर पुलिस ने घायल युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

घटना पखांजूर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, पीव्ही 09 सत्यानंदनगर निवासी सूरज सरकार (27) अपने भाई राज सरकार के साथ बाइक से पखांजूर जा रहे थे। वे कुमुद मंडल के खेत (पीव्ही 31) के पास पहुंचे। इस दौरान रॉन्ग साइड से आ रही बाइक (CG 19 BU 5136) ने दोनों भाई को टक्कर मार दी।

रॉन्ग साइड से आ रही बाइक को ग्राम हरनगढ़ के रहने वाले संजीत दुग्गा चला रहा था। वहीं, इस हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल पखांजूर ले जाया गया। राज सरकार की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें धमतरी रेफर किया।

चाचा के शिकायत पर एफआईआर दर्ज

वहीं, सूरज सरकार की हालत बिगड़ने पर उन्हें रायपुर ले जाया जा रहा था। हालांकि, इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही दोनों भाइयों ने दम तोड़ दिया। मृतक के चाचा निमाई सरकार की शिकायत पर पखांजूर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 281, 125(a) और 106(1) के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

गृहमंत्री विजय शर्मा पर वादे से मुकरने का आरोप

रायपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्ड (सीएएफ) के लिए 2018 में 1786 पदों पर भर्ती निकाली गई थी। इनमें लगभग 417 कैंडिडेट वेटिंग लिस्ट में थे। जिन्हें 7 साल बाद भी नौकरी नहीं मिल पाई है। जबकि सीएएफ में 3 हजार से ज्यादा पोस्ट खाली है। इनमें से कुछ उम्मीद हारकर दूसरा करियर ऑप्शन देख चुके हैं। कुछ 7 साल से लगातार दफ्तरों और मंत्री बंगलों के चक्कर काट रहे हैं। पिछले 24 दिनों से परिवार-बच्चों सहित तूता धरना स्थल पर बैठे हैं। मंगलवार को तीसरी बार पर गृहमंत्री सदन अपनी मांग लेकर पहुंचे। पिछली दो मुलाकात में गृह मंत्री विजय शर्मा से आश्वासन मिला था।

इस बार इनको मुलाकात भी नसीब नहीं हुई। उन्होंने गृह मंत्री विजय शर्मा पर वादे से मुकरने का आरोप लगाया। इस दौरान

कैंडिडेट ने जमकर नारेबाजी की। कुछ देर तक पुलिस वाले भी नारेबाजी सुनते रहे। इसके बाद एक-एक महिला बच्चों को फोर्स फूली बस में बैठाया और तूता ले गए। गृहमंत्री के घर बाहर अधूरे खाए हुए समोसे, बच्चों की दूध की बोतलें वैसे ही पड़ी हुई हैं। इधर, तूता में अब ये कैंडिडेट पुलिस की बस से नीचे उतरने को तैयार नहीं हैं। उनका साफ कहना है या तो मांग पूरी की जाए, या थाने में जाकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाए।

7 साल पहले 2018 में जब भर्ती आई थी, तब प्रदेश में भाजपा की सरकार थी। मेरिट लिस्ट के बाद वेटिंग लिस्ट जारी की गई थी। मेरिट लिस्ट में शामिल युवाओं की भर्ती कर ली गई। वेटिंग लिस्ट वाले 417 कैंडिडेट्स से कहा गया कि अभी पद खाली नहीं है, ऐसे में उनकी भर्ती रोक दी गई है। लेकिन आगे मेरिट लिस्ट में शामिल कई कैंडिडेट्स मेडिकल में आउट हो गए, कुछ ने नौकरी छोड़ दी। सीट खाली हुई, लेकिन इन सब के बीच सरकार भी बदल गई। कांग्रेस ने इन वेटिंग लिस्ट वाले कैंडिडेट्स की भर्ती पर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। वक्त के साथ इन 417 में से 250 से ज्यादा यानी 50 प्रतिशत से ज्यादा कैंडिडेट ओवर एज हो गए हैं। आगे किसी भर्ती के काबिल नहीं हैं। दरअसल, जब भर्ती हुई थी उस वक्त सभी अभ्यर्थी 28 से 32 वर्ष के थे, लेकिन ज्वॉइनिंग नहीं मिलने से आज इन्हीं अभ्यर्थियों की उम्र 36 से 40 साल पहुंच गई है।

आदित्य साहू होंगे झारखंड बीजेपी के नए अध्यक्ष

औपचारिक घोषणा 14 जनवरी को, बाबूलाल मरांडी का लेंगे स्थान

रांची, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद सह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू झारखंड में विपक्षी भाजपा के नए अध्यक्ष बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मंगलवार को हुए चुनाव में उन्होंने ही एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। औपचारिक घोषणा 14 जनवरी को होगी।

नामांकन प्रक्रिया दोपहर 12 बजे शुरू हुई और दोपहर 2 बजे समाप्त हुई। झारखंड के लिए भाजपा के चुनाव अधिकारी और केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा, "हमें राज्य अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नामांकन प्राप्त हुआ है, जो आदित्य साहू का है। इसके अलावा, राज्य से राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के लिए 21 नामांकन

दाखिल किए गए।"

उन्होंने आगे कहा, "नामांकन पत्रों की जांच और वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुधवार को राज्य अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।"

राज्य से राष्ट्रीय परिषद के 21 सदस्य पदों के लिए नामांकन दाखिल करने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुबर दास, मधु कोड़ा और चंपाई सोरेन, सांसद संजय सेठ, करिया मुंडा और दीपक प्रकाश तथा केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल हैं।

3 अक्टूबर को भाजपा ने आदित्य साहू को झारखंड इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। वे राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में बाबूलाल मरांडी का स्थान लेंगे। बाबूलाल मरांडी विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं।

पत्नी को गर्लफ्रेंड के घर गला दबाकर मारा

पलामू, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू में प्रियंका देवी उर्फ पूजा देवी (25) की हत्या के मामले में पुलिस ने पति और उसकी प्रेमिका समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की साजिश रची थी और इसके लिए 40 हजार रुपए की सुपारी दी थी।

एक गड्ढे में पत्नी की लाश को दफना दिया। साथ ही वहां पर एक कुत्ते को मारकर फेंक दिया ताकि दुर्गंध फैलने पर लोगों को जानवर के मरने का भ्रम हो और शव दफनाने का राज न खुले। हालांकि, घटना के पांच दिनों बाद पुलिस ने जेसीबी से खुदाई कर महिला के शव को बरामद कर लिया था। विश्रामपुर एसडीपीओ आलोक टूटी ने मंगलवार को बताया कि यह वारदात 28 दिसंबर की रात को की गई थी। प्रियंका को पहले नशे की दवा दी गई, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे बाइक पर बैठाकर प्रेमिका गुड्डी देवी के घर तुकबेरा ले जाया गया, जहां मफलर से गला दबाकर प्रियंका की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को पहले से खोदे गए एक गड्ढे में दफना दिया गया था। जांच में सामने आया कि पति रंजीत मेहता का गुड्डी देवी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था और प्रियंका इसका विरोध कर रही थी, जिसके कारण दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। पुलिस के दबाव में प्रियंका के पति रंजीत मेहता और प्रेमिका गुड्डी देवी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। रिमांड पर पूछताछ के बाद पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें दो सुपारी किलर लाला कुमार (26) और गोविंद कुमार (27) शामिल हैं। वहीं, गांव के ही सुनील कुमार ने हत्या में सहयोग किया था।

प्रियंका की मां अनिता देवी ने 31 दिसंबर को विश्रामपुर थाने में बेटी के लापता होने की सूचना दी थी। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि महिला की हत्या कर शव को नावाबाजार थाना क्षेत्र के तुकबेरा टोला डेरौवना में एक टावर के पास गड्ढे में दबाया गया है।

कस्टम मिलिंग घोटाला: हाईकोर्ट से अनवर ढेबर-अनिल टुटेजा को जमानत

शराब घोटाला मामले में मुकेश और अतुल सिंह को भी राहत, जारी रहेगी न्यायिक जांच

बिलासपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कस्टम मिलिंग घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी अनवर ढेबर और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को जमानत दे दी है। वहीं, शराब घोटाला मामले में भी दो आरोपियों मुकेश मनचंदा और अतुल सिंह को राहत मिली है।

बचाव पक्ष के वकील हर्षवर्धन परघनिया ने बताया कि कस्टम मिलिंग घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मामला दर्ज किया था। इसी मामले में अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा को जमानत दी गई है। वहीं शराब घोटाला मामले में आरोपी मुकेश मनचंदा और अतुल सिंह को भी कोर्ट से जमानत मिल गई है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में कस्टम मिलिंग घोटाले की राशि 140 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। आरोप है कि इस घोटाले में 140 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध वसूली की गई। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी तक की संलिप्तता सामने आई है।

बैटरी चोर गिरोह का भंडाफोड़

बोकारो, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने वाहन बैटरी चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 46 चोरी की बैटरियां बरामद की है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से चोरी में इस्तेमाल की गई एक बाइक, बिना नंबर का एक टोटो, चार मोबाइल फोन, पांच टायर, कटर, सिलाई रिंच और अन्य औजार भी जब्त किए गए हैं।

बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने ने बताया कि बालीडीह, सिटी, पिंडराजोड़ा और सेक्टर-12 थाना क्षेत्रों में चार पहिया, छह पहिया वाहनों और टोटो से लगातार बैटरी चोरी की शिकायतें मिल रही थीं।

इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुख्यालय डीएसपी अनिमेष कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। एसआईटी ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्तों को बैटरी चोरी की योजना बनाते समय गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में धीरज कुमार वर्मा, प्रथम कुमार, रोशन कुमार, दीपक कुमार और महेंद्र कुमार महतो शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे रात में खड़े वाहनों से बैटरियां चुराकर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचते थे।

पुलिस के अनुसार, धीरज कुमार वर्मा इस गिरोह का मास्टरमाइंड है, जो पहले भी आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है।

अमेरिका में ग्रीनलैंड पर कब्जे का बिल पेश

51वां राज्य बनाने का अधिकार मिलेगा 300 सालों से यह डेनमार्क का हिस्सा

वॉशिंगटन, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन ने सोमवार को 'ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट' नाम से एक बिल पेश किया है। इस बिल का मकसद अमेरिकी सरकार को ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने और बाद में इसे अमेरिका का राज्य बनाने के लिए कानूनी अधिकार देना है।

सांसद रैंडी फाइन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बिल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कदम रूस-चीन के प्रभाव को रोकने के लिए बहुत जरूरी है। इसके बाद संसद को राज्य बनने के लिए जरूरी सुधारों की पूरी रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

अगर ये बिल पास हुआ तो अमेरिका को ग्रीनलैंड को अपना 51वां राज्य बनाने का अधिकार मिल जाएगा। हालांकि, यह बिल अभी सिर्फ पेश हुआ है इसे हाउस और सीनेट दोनों में पास होना है।

कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह बहुत मुश्किल से पास होगा, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ग्रीनलैंड पर पिछले 300 सालों से डेनमार्क का कंट्रोल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड अमेरिकी रक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने हाल ही में कहा था कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है और वे इस दिशा में कदम उठा रहे हैं, चाहे दूसरे देश इसे पसंद करें या नहीं।

ट्रम्प प्रशासन ने ग्रीनलैंड के लोगों को अमेरिका में शामिल होने के लिए पैसे देने जैसे तरीकों पर भी चर्चा की है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों ने ट्रम्प के इस तरीके की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे अपमानजनक बताया।

अगर बिल पास हुआ तो ग्रीनलैंड में क्या बदलेगा

राष्ट्रपति को विशेष अधिकार मिलेंगे: बिल पास होने पर अमेरिकी राष्ट्रपति को कानूनी रूप से जरूरी सभी कदम उठाने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें डेनमार्क के साथ बातचीत से लेकर अन्य तरीके शामिल हैं, ताकि ग्रीनलैंड को अमेरिकी क्षेत्र में मिलाया जा सके।

ग्रीनलैंड अमेरिकी क्षेत्र बनेगा: अगर कब्जा सफल हो जाता है, तो ग्रीनलैंड अमेरिकी टेरिटरी बन जाएगा।

स्टेटहुड की प्रक्रिया शुरू होगी: राष्ट्रपति को कांग्रेस को एक रिपोर्ट सौंपनी होगी, जिसमें बताना होगा कि ग्रीनलैंड को 51वां राज्य बनाने के लिए कौन-कौन से फेडरल कानून बदलने होंगे।

ग्रीनलैंड का संविधान बनेगा: इसके बाद ग्रीनलैंड को अपना एक संविधान बनाना होगा, जो अमेरिकी संविधान के अनुरूप हो। संसद इसे मंजूरी देगी और ग्रीनलैंड अमेरिका का पूर्ण राज्य बन सकता है (जैसे अलास्का बना था)।

ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बना रहे ट्रम्प

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए प्लान बनाने का निर्देश दिया था। डेली मेल के मुताबिक ट्रम्प ने जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (JSOC) को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

ईरान में अब तक 12 हजार लोगों की हत्या

ज्यादातर की उम्र 30 साल से कम, ईरान से व्यापार करने पर 25 फीसद टैरिफ लगाने की धमकी

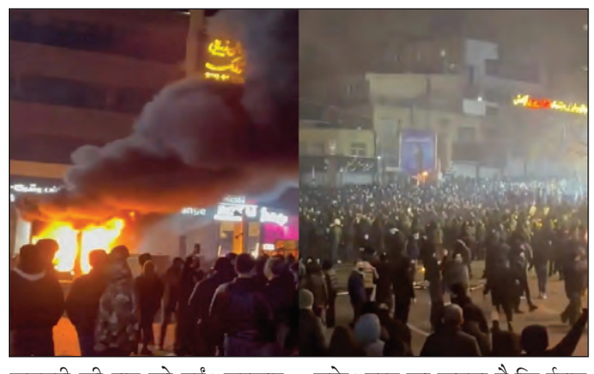

वॉशिंगटन, 13 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में 12 हजार प्रदर्शनकारियों की हत्या का दावा किया जा रहा है। ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली ब्रिटिश वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि ये हत्याएं पिछले 17 दिनों में हुई हैं।

वेबसाइट ने इसे ईरान के आधुनिक इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा हत्याकांड बताया है। वहीं रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से मरने वालों की संख्या 2000 बताई है।

वेबसाइट का कहना है कि यह जानकारी कई सोर्सज पर आधारित है। इस डेटा की कई लेवल पर जांच की गई और सख्त प्रोफेशनल स्टैंडर्ड के मुताबिक पुष्टि के बाद ही इसे जारी किया गया। ज्यादातर मारे गए लोग 30 साल से कम उम्र के थे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ज्यादातर हत्याएं 'रिवोल्यूशनरी गार्ड्स' और 'बसीज फोर्स' ने गोली मारकर की है और ये सब सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के आदेश पर हुआ। दावा किया गया है कि अधिकतर हत्याएं 8 और 9 जनवरी की रात को हुईं। सरकार इंटरनेट और कम्युनिकेशन को ठप कर अपने अपराध दुनिया से छुपा रही है।

वहीं भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर फेडरिक मर्ज ने मंगलवार को कहा कि ईरान में सरकार का खेल खत्म हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ मिलिट्री कार्रवाई का प्लान फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। हालांकि अमेरिकी सेना को तैयार रहने के लिए कहा गया है, ताकि आदेश मिलते ही तुरंत एक्शन लिया जा सके। ट्रम्प का कहना है कि ईरान के अधिकारी व्हाइट हाउस से बातचीत करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान की ओर से सार्वजनिक तौर पर जो बातें कही जा रही हैं, वे उन प्राइवेट मैसेजेस से अलग हैं जो अमेरिकी प्रशासन को मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इन मैसेजेस को समझना चाहते हैं, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो वे सैन्य कार्रवाई करने से नहीं हिचकिचाएंगे। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि ये मैसेज किस तरह के हैं।

व्हाइट हाउस ने ईरान से बातचीत की कोशिशों पर भी ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन यह बताया कि राष्ट्रपति के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ईरान से संपर्क में अहम भूमिका निभाएंगे।

ट्रम्प बोले- ईरान से व्यापार किया तो 25% टैरिफ लगाएंगे

वहीं ट्रम्प ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रम्प ने सोमवार रात ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

हालांकि व्हाइट हाउस की तरफ से इस टैरिफ को लेकर आधिकारिक दस्तावेज जारी नहीं किया गया है। यह फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है जब ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं।

दूसरी तरफ ईरान की करेंसी रियाल की वैल्यू अब लगभग जीरो के बराबर पहुंच चुकी है। भारतीय मुद्रा में 1 रियाल की कीमत सिर्फ 0.000079 रुपए रह गई है।

ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर संकट

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने जताई चिंता

तेहरान, 13 जनवरी (एजेंसियां)। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला युसुफजई ने मंगलवार को ईरान में महिलाओं की घटती स्वतंत्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ईरान में महिलाओं को लंबे समय से सार्वजनिक जीवन के हर पहलू से बाहर रखा गया है और ये पाबंदियां सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मलाला ने लिखा कि ईरान में जारी विरोध-प्रदर्शन दशकों से चली आ रही राज्य-प्रायोजित पाबंदियों से अलग नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा कि शिक्षा सहित सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की स्वायत्तता सीमित की गई है और ईरानी लड़कियां भी दुनिया भर की लड़कियों की तरह सम्मान और गरिमा से भरा जीवन चाहती हैं। मलाला ने कहा कि ईरान के लोग वर्षों से इस दमन के खिलाफ चेतावनी देते आ रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज को खामोश किया गया।

कनाडा में सबसे बड़ी गोल्ड चोरी का 8वां आरोपी गिरफ्तार

2 साल पहले 180 करोड़ का सोना चुराया, दावा- एक आरोपी भारत में

टोरंटो, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी के मामले में पुलिस ने 8वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अर्सलान चौधरी को पकड़ा। वह दुबई से उड़ान भरकर टोरंटो पहुंचा था।

पुलिस ने बताया कि 2023 में टोरंटो एयरपोर्ट से 180 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का सोना चोरी हुआ था। इस मामले में एक अन्य आरोपी के भारत में होने का भी दावा किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, अरसलान चौधरी पर 5 हजार डॉलर से अधिक की चोरी, अपराध से हासिल संपत्ति रखने और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'प्रोजेक्ट 24K' नाम से चल रही जांच का अहम हिस्सा है।

चोरी में शामिल सिमरनप्रीत के भारत में होने का दावा

जांच में सामने आया कि ब्रैम्पटन निवासी 33 वर्षीय सिमरनप्रीत पनेसर ने इस चोरी में अहम भूमिका निभाई।

पनेसर एयर कनाडा का पूर्व कर्मचारी है और उस पर एयरलाइन सिस्टम से छेड़छाड़ कर कार्गो को डायवर्ट करने का आरोप है।

पुलिस का कहना है कि वह फिलहाल भारत में हो सकता है और उसके खिलाफ कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को आरोपी बनाया जा चुका है। इनमें ब्रैम्पटन निवासी आर्चित ग्रोवर, परम्पाल सिद्धू, अमित जलोटा, प्रसाथ परमलिंगम, अली रजा, अम्मद चौधरी और डुरांटे किंग-मैकलीन शामिल हैं। किंग-मैकलीन फिलहाल अमेरिका में हथियार तस्करी के एक अन्य मामले में हिरासत में है।

पील रीजनल पुलिस प्रमुख निशान दुरईअप्पाह ने कहा कि यह जांच दिखाती है कि पुलिस जटिल और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सक्षम है।

उन्होंने कहा, "चाहे आरोपी कहीं भी छिपे हों, हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे और कानून के सामने लाएंगे।"

17 अप्रैल 2023 को कनाडा में दोपहर 3 बजकर 56 मिनट पर स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर से आ रही एक फ्लाइट कनाडा के टोरंटो शहर के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लैंड हुई।

इस फ्लाइट से शुद्ध सोने की 6,600 ईंटें और लगभग 2.5 मिलियन डॉलर (21 करोड़ रुपए से ज्यादा) की फॉरेन करेंसी लाई गई। सोने का कुल वजन करीब 400 किलो था, जिसकी कीमत 173 करोड़ रुपए थी।

कैश को वेंकुवर के 'बुलियन एंड करेंसी एक्सचेंज' और सोने को टोरंटो के टीडी बैंक में जमा किया जाना था।

इरफान सुल्तानी कौन हैं

जिन्हें आज ईरान में इस्लामिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए दी जाएगी फांसी?

तेहरान, 13 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में इस्लामिक शासन के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच जंग के हालात हैं अभी तक 650 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल 10 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की सरकार प्रदर्शनकारियों को खौफ में डालने के लिए पहली फांसी की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक प्रदर्शनकारी इरफान सुल्तानी को इस महीने की शुरुआत में प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार किया गया था। अब उन्हें फांसी दी जाएगी। इरफान की उम्र 26 साल है और 8 जनवरी को उन्हें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेते समय हिरासत में लिया गया था।

बता दें कि ईरान में 28 दिसंबर से खराब अर्थव्यवस्था को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। अब ये पूरे देश में फैल चुका है। ये प्रदर्शन अब सरकार विरोधी हो चुका है और इस्लामिक सरकार को गिराने के लिए लाखों लोग सड़कों पर आ चुके हैं। ईरान की इस्लामिक सरकार बेरहमी से प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश कर रही है। ईरान मामलों पर नजर रखने वाले लोगों के मुताबिक, 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान के इस्लामिक शासन के लिए ये प्रदर्शन एक गंभीर चुनौती है, लेकिन क्या सरकार गिरेगी, इसपर शक है।

सोल्तानी तेहरान कराज के फरदीस के रहने वाले हैं। उन्हें 8 जनवरी को विरोध प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तार किया गया था। 26 साल के सुल्तानी पर 'अल्लाह के खिलाफ युद्ध छेड़ने' जैसा आरोप लगाया गया, जिसकी ईरान में बस एक ही सजा है, वो है मौत। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुल्तानी के परिवार को 11 जनवरी को फांसी की सजा मिलने की जानकारी दी गई है और 14 जनवरी, यानि बुधवार को उन्हें फांसी दी जाएगी।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद सुल्तानी को सिर्फ 10 मिनट के लिए उनके परिवार से मिलने की इजाजत दी गई थी, वो भी कठोर पहरे में।

हेंगाओ मानवाधिकार संगठन और अन्य संगठनों ने कहा है कि सुल्तानी के खिलाफ ना तो कोर्ट में सही तरीके से मुकदमा चलाया गया और ना ही उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया है। उनके सारे मौलिक अधिकार छीन लिए गये थे और उन्हें फांसी की सजा सुना दी गई।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

28 साल के ऑटो ड्राइवर को घर लौटते वक्त मारा चाकू, 23 दिन में 7 हिंदुओं का मर्डर

फेनी, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के दक्षिणी हिस्से चटगांव डिवीजन के फेनी जिला स्थित दागनभुइयां में रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने 28 साल के हिंदू युवक समीर कुमार दास की पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी। उसका ऑटोरिक्शा भी लूट लिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, समीर रविवार शाम करीब 7 बजे ऑटोरिक्शा लेकर घर से निकला था। देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 2 बजे जगतपुर गांव के एक खेत में स्थानीय लोगों को उसका शव मिला।

दागनभुइयां थाने के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, समीर की हत्या में देसी हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या पहले से प्लानिंग के तहत की गई थी। जांच जारी है और अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बांग्लादेश में 23 दिनों के दौरान हिंदू की हत्या की ये 7वीं घटना है। इससे पहले 5 जनवरी को बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई थी। मृतक 40 साल का शरत चक्रवर्ती मणि था।

इलाज के अभाव में जेल में बंद हिंदू सिंगर की जान गई

दूसरी ओर, बांग्लादेश की एक जेल में बंद हिंदू गायक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता प्रोलॉय चाकी की इलाज के अभाव में मौत हो गई। उन्हें 11 जनवरी की रात करीब 9 बजे दिल के दौरा आया था।

उन्हें राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रोलॉय प्रसिद्ध सांस्कृतिक आयोजक और अभिनेता, दिवंगत लक्ष्मी दास चाकी के बेटे थे। प्रोलॉय प्रतिबंधित आवामी लीग के जिला सांस्कृतिक सचिव थे।

वेनेजुएला 32 क्यूबाई सैनिकों का शव लौटाएगा

अमेरिकी हमले में मारे गए थे

वेनेजुएला, 13 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला में अमेरिकी हमले में मारे गए 32 क्यूबाई सैनिकों के शव गुरुवार को क्यूबा भेजे जाएंगे। क्यूबा सरकार ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सरकारी बयान के मुताबिक, इन शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीरों को राजधानी हवाना के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रिसीव किया जाएगा।

इस दौरान सैन्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान देशभर से लोग आएंगे। इसके बाद मार्च की शुरुआत की जाएगी।

बाद में इन सैनिकों के शवों को उनके-उनके होमटाउन के कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा।

दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की रैंकिंग जारी

लंदन, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स ने 2026 में दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में उन देशों को ऊपर रखा गया है, जहां के नागरिकों को सबसे अधिक देशों में वीजा मुक्त प्रवेश की सुविधा मिलती है। वहीं, सबसे नीचे ऐसे देश हैं, जहां के नागरिकों को सीमा पर सबसे ज्यादा जांच की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में शीर्ष तीन पासपोर्ट एशियाई देशों से हैं। इंडेक्स की नई रैंकिंग में सिंगापुर पहले स्थान पर, जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

सिंगापुर का पासपोर्ट सबसे शक्तिशाली

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स को लंदन स्थित वैश्विक नागरिकता और निवास सलाहकार फर्म हेनली एंड पार्टनर्स जारी करता है। इस सूचकांक में 227 देशों और क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इनमें से 192 देशों में सिंगापुरवासियों को वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा प्राप्त है। वहीं, जापान और दक्षिण कोरियाई पासपोर्ट धारकों को 188 गंतव्यों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा मिली है। 2026 की हेनली पासपोर्ट इंडेक्स रैंकिंग में समान स्कोर वाले कई देशों को एक ही स्थान पर रखा गया है। ऐसे में पांच यूरोपीय देश एक साथ तीसरे स्थान पर हैं। इनमें डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इन देशों के पासपोर्ट धारकों को 186 देशों में बिना वीजा के प्रवेश की सुविधा है।

चौथे स्थान पर 10 देश एक साथ हैं। ये सभी देश यूरोप के हैं। इन सभी 10 देशों का स्कोर 185 है, जिनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड और नॉर्वे शामिल हैं। वहीं, पांचवें स्थान पर एक साथ पांच देश हैं, जिनका स्कोर 184 हैं। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स में पांचवां स्थान हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया और संयुक्त अरब अमीरात के पास है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के 20 साल के इतिहास में संयुक्त अरब अमीरात का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। पांचवें स्थान पर शामिल सभी देशों के नागरिक 149 देशों में वीजा मुक्त प्रवेश पा सकते हैं। छठे स्थान पर क्रोएशिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, माल्टा, न्यूजीलैंड और पोलैंड हैं। ऑस्ट्रेलिया इस तिमाही अपडेट में लातविया, लिकटेंस्टीन और यूनाइटेड किंगडम के साथ सातवें स्थान पर बना हुआ है। इस सूचकांक में साल-दर-साल सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला देश ब्रिटेन है, जहां अब 182 गंतव्यों के लिए वीजा-मुक्त पहुंच है, जो 12 महीने पहले की तुलना में आठ कम है। कनाडा, आइसलैंड और लिथुआनिया 181 गंतव्यों के लिए वीजा-मुक्त पहुंच के साथ आठवें स्थान पर हैं, जबकि मलेशिया 180 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर है।

नेपाल में जेन जेड तख्तापलट के पीछे 'साजिश'

केपी ओली ने तोड़ी चुप्पी, चीन की 'गुलामी' पर दिया जवाब

काठमांडू, 13 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल में जेन जेड प्रदर्शन और तख्तापलट के बाद पहली बार पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने चुप्पी तोड़ी है। चीन के इशारे पर नाचने वाले नेपाली नेता केपी शर्मा ओली ने रूसी टीवी चैनल आरटी को दिए इंटरव्यू में दावा किया कि जेन जेड प्रदर्शन को हाईजैक कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अपने आप नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से चलाया गया तख्तापलट था। ओली ने कहा कि वह श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हुए प्रदर्शनों में 'समानता' देखते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आंदोलन का खतरा कई साल से चल रहा था। बांग्लादेश की घटना के बाद लोगों ने कहना शुरू कर दिया था कि अब अगला नंबर नेपाल का है।

ओली ने कहा कि यह एक सुनियोजित तरीके से प्रदर्शन कराया गया। इसका खतरा कई साल से था। ओली ने कहा कि हम हालात को पढ़ने में पूरी तरह से फेल रहे। इसको लेकर हर तरफ नेपाल में बात हो रही थी लेकिन कोई ऐक्शन नहीं लिया गया। ओली ने साफ तौर पर कहा कि मैं देश को छोड़कर नहीं जा रहा हूं। मैंने अपने देश और नेपाली जनता के खिलाफ काम नहीं किया। मैं अपने देश के लोगों पर भरोसा करता हूं। जनता में कुछ ऐसे लोग हैं जो माहौल को खराब करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि जब हमला हुआ तो मैं दूसरे घर में चला गया था।

ओली ने दावा किया कि उनके घर पर हमला नहीं हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने एक म्यूजियम को बर्बाद किया जिसमें दस्तावेज और किताबें थीं। इसमें कई गिफ्ट थे। वह मेरा घर नहीं था बल्कि सार्वजनिक प्रापर्टी थी। उसमें केवल मेरा एक कमरा था।

स्पेन में 150 साल बाद 20 साल की प्रिंसेस लियोनोर बनेंगी पहली रानी

मैड्रिड, 13 जनवरी (एजेंसियां)। स्पेन के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने की तैयारी चल रही है। 20 साल की प्रिंसेस लियोनोर स्पेन की अगली रानी बनने जा रही हैं। ऐसा 150 वर्षों के बाद हो रहा है, जब देश की बागडोर किसी महिला शासक के हाथों में होगी। उनसे पहले उन्नीसवीं सदी में क्वीन इसाबेला द्वितीय ने स्पेन पर शासन किया था। किंग फेलिपे VI और क्वीन लेतिसिया की बड़ी बेटी लियोनोर वर्तमान में सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं और आगे जाकर स्पेन की संवैधानिक सम्राज्ञी और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर होंगी। उनकी ताजपोशी सिर्फ एक पारिवारिक उत्तराधिकार नहीं, बल्कि आधुनिक स्पेन में महिलाओं की नेतृत्व भूमिका का ऐतिहासिक प्रतीक मानी जा रही है। बता दें कि स्पेनिश उत्तराधिकार युद्ध में हैब्सबर्ग्स पर जीत के बाद, 1700 के दशक की शुरुआत से स्पेनिश ताज बॉर्बन राजवंश के पास रहा है। जनरल फ्रेंको की तानाशाही खत्म होने के बाद, 1975 में किंग जुआन कार्लोस I के साथ राजशाही बहाल हुई, जिन्होंने स्पेन को लोकतंत्र में बदलने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2014 में गद्दी छोड़ दी और सिंहासन अपने बेटे फेलिप को सौंप दिया। अब, लियोनोर ताज संभालने की अगली कतार में हैं। फेलिप ने 2004 में पूर्व पत्रकार लेतिजिया से शादी की थी और वह 42 साल की उम्र में रानी बनीं। शाही जोड़े की दो बेटियां हैं, प्रिंसेस लियोनोर और इन्फेंटा सोफिया। प्रिंसेस लियोनोर का जन्म 2005 में हुआ था और वह सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। वहीं, इन्फेंटा सोफिया का जन्म 2007 में हुआ था। बता दें कि स्पेनिश कानून के मुताबिक, सिंहासन के उत्तराधिकारी को अपनी भविष्य की भूमिका की तैयारी के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना के साथ मिलिट्री ट्रेनिंग लेनी होती है। लियोनोर ने वेल्स के UWC अटलांटिक कॉलेज से इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा के साथ अपनी उच्च शिक्षा शुरू की। इसके बाद उन्होंने देश की भावी कमांडर-इन-चीफ के तौर पर अपनी मिलिट्री ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

2024 में, उन्होंने गैलिसिया में नेवल ट्रेनिंग शुरू की और ट्रेनिंग शिप जुआन सेबेस्टियन डी एलकानो पर 140 दिन के लिए 17 हजार मील की यात्रा पर निकलीं। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान उन्होंने क्रू मेंबर के तौर पर काम किया और अटलांटिक महासागर, दक्षिण अमेरिका के चारों तरफ और न्यूयॉर्क की यात्रा की।

मनरेगा में राम का नाम, कांग्रेस क्यों परेशान?
धौलपुर में मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का बड़ा बयान

धौलपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। धौलपुर दौरे पर पहुंचे जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मनरेगा योजना को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए किए जा रहे बदलावों से कांग्रेस पार्टी क्यों परेशान है, यह समझ से परे है।

धौलपुर पत्रकारों से बातचीत में मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि जैसे ही मनरेगा योजना से श्रीराम का नाम जुड़ा, कांग्रेस को पेट में दर्द शुरू हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे देश को पता है कि कांग्रेस के लोग सनातन विरोधी सोच रखते हैं और उन्हें राम नाम से समस्या है।

योजना में अब 125 दिनों की रोजगार गारंटी

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि मनरेगा योजना में अब 125 दिनों की रोजगार गारंटी रहेगी। इसके साथ ही डिजिटल हाजिरी, आधारभूत सुविधाओं में बढ़ोतरी और राज्यों की भागीदारी को और मजबूत किया गया है, ताकि योजना का बेहतर क्रियान्वयन हो सके। उन्होंने कहा कि फसल के समय मजदूरों की उपलब्धता को लेकर किसानों को अब परेशानी नहीं होगी। योजना को आमजन से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

रामजी का नाम आना सौभाग्य की बात

प्रभारी मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को पसंद नहीं है कि रामजी का नाम आ जाए। नामकरण में रामजी का नाम आना सौभाग्य की बात की है। कहा कि इस योजना में राज्यों की भागीदारी को और सुनिश्चित किया है। जिससे बेहतर तरीके से कार्य हो सके।

भाजपा विधायक बोले-कुछ अधिकारी संवेदनहीन
उनका इलाज होना चाहिएः राज्यवर्धन ने कहा-जनता से बात अड़ गई तो ठिकाने लगाए जाओगे

दौसा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा में भाजपा विधायक ने खुले मंच पर कैबिनेट मंत्री के सामने पीड़ा जाहिर की। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ बोले- कलेक्टर के काम से हमेशा खुश रहता हूं। इनका ट्रांसफर रुकवाया था। इनकी जिम्मेदारी यह भी है कि अन्य सभी अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दें, यदि जनता और आप के बीच में बात अड़ गई तो आप ठिकाने लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा-जनप्रतिनिधि शिकायत करते हैं कि कुछ अफसरों से परेशानी हो रही है। ऐसे अधिकारी अपना रवैया सुधार लें। कलेक्टर जवाबदेही तय करें।

दरअसल, दौसा के पांचोली गांव में जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का रात्रि चौपाल चौपाल कार्यक्रम था। इस दौरान सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल ने कहा- कुछ ऐसे अधिकारी हैं जो बहुत ज्यादा संवेदनहीन हैं, उनका इलाज आज ही कर दिया जाना चाहिए।

मंत्री राठौड़ ने कहा- जब जनप्रतिनिधि मंच से कहते हैं कि कुछ अधिकारियों से समस्या हो रही है, तो यह बहुत गंभीर बात है। यह तो विधायक का बड़प्पन है कि यहां किसी का नाम नहीं लिया। वैसे दौसा कलेक्टर के काम से हमेशा खुश रहता हूं। एक बार जब तबादले हो रहे थे तो मैंने खास तौर पर जयपुर में कहा कि इनका तबादला नहीं हो, क्योंकि ये बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

लेकिन इनकी जिम्मेदारी यह भी है कि अन्य सभी अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दे दें कि जनता की सुनवाई तुरंत हो और संवेदनशीलता से काम होना चाहिए। यदि जनता और अधिकारियों के बीच बात अड़ गई तो आप ठिकाने लगाए जाएंगे।

मंत्री राठौड़ ने कहा- हर हालत में कलेक्टर, एसपी और एसडीएम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर अधिकारी संवेदनशीलता के साथ जनता की सुनवाई करेंगे। साथ ही जनसुनवाई में यह देखा जाएगा कि एक ही समस्या पूर्व में कब और कहां उठाई गई थी, इसके आधार पर भी कार्रवाई होगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सिकराय क्षेत्र में संचालित करीब 600 स्टोन यूनिट को स्टोन पार्क में भूमि आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए 46 हेक्टेयर भूमि को रीको द्वारा विकसित किया जाएगा।

मेजर ध्यानचंद योजना के तहत 1.50 करोड़ रुपए दिए जाएंगे, साथ में दो अन्य मैदान भी तैयार कराए जाएंगे। खेल विभाग में एक हजार कोच भर्ती करने का प्रस्ताव भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद में आए सभी सुझाव मुख्यमंत्री तक पहुंचाए जाएंगे। आज सुनवाई के दौरान आई समस्याओं को जल्द ही ऑनलाइन कर दिया जाएगा और 30 दिन में समाधान किया जाएगा।

मनरेगा का नाम बदलने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि 2005 में जब स्कीम आई थी, तब महात्मा गांधी का नाम नहीं था, जिसे 2009 में जोड़ा गया। अब केंद्र सरकार ने सुधार करते हुए 125 दिन रोजगार का प्रावधान किया है। 15 दिन में भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। ग्राम सभा ही योजना के कार्यों को तय करेगी, फसल कटाई के वक्त कार्यों पर ब्रेक लिया जा सकेगा। साथ ही 1.20 लाख करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है।

विधायक ने कृषि मंडी समेत कई मांगें रखीं

विधायक विक्रम बंशीवाल ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को विपणन कार्यों के लिए दौसा व बांदीकुई मंडी जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पता नहीं पूर्व की सरकारों ने इस ओर ध्यान क्यों नहीं दिया। ऐसे में सिकराय में कृषि मंडी खुलनी चाहिए।

किसी भी लाभार्थी की पेंशन बंद नहीं की गई
मंत्री अविनाश गहलोत का बड़ा बयान

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकरिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन पाने वाले सभी लाभार्थियों से वार्षिक सत्यापन शीघ्र करवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी लाभार्थी की पेंशन बंद नहीं की गई है। सत्यापन के अभाव में रोकी भी गई है तो वार्षिक सत्यापन के बाद पुनः आरंभ हो जाएगी।

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुशासन में विभाग की मंशा ज्यादा से ज्यादा पात्र पेंशनर्स को नियमित सामजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध कराने की है। विभाग हर वो प्रक्रिया अपनाता है जिससे पेशनर्स को बिना किसी परेशानी के सुगमता से पेंशन मिलती रहे।

सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के सभी लाभार्थियों को प्रति वर्ष स्वयं का भौतिक सत्यापन करवाना आवश्यक होता है। भौतिक सत्यापन का कार्य 1 नवम्बर से 31 दिसम्बर की अवधि में संचालित किया जाता है।

इस अवधि में वार्षिक सत्यापन नहीं करवाने वाले पेंशनर्स की पेंशन का भुगतान रोका जा सकता है। लेकिन सत्यापन के बाद रुकी हुई पेंशन फिर से चालू हो जाती है। अविनाश गहलोत ने कहा कि लाभार्थी घर से भी एन्ड्राइड मोबाइल एप के जरिए लाभार्थी के फेस रिकाग्निशन के आधार पर भौतिक सत्यापन कर सकते हैं। इसके अलावा लाभार्थी वार्षिक भौतिक सत्यापन के लिए ई-मित्र कियोस्क/ई-मित्र प्लस आदि केन्द्रों पर अंगुली की छाप से करवा सकते हैं।

इसके लिए लाभार्थी को ई-मित्र कियोस्क पर निर्धारित शुल्क 50 रुपए एवं ई-मित्र प्लस पर 10 रुपए का भुगतान करना होता है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा पूरी तरह से निःशुल्क है।

बाड़मेर-बालोतरा जिला सीमांकन को लेकर जनआक्रोश रैली आज
डोटासरा-सचिन पायलट होंगे शामिल

बाड़मेर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को नवगठित बालोतरा जिले में शामिल किए जाने के विरोध में क्षेत्र में जनआक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को धोरीमन्ना मुख्यालय पर विशाल जनआक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। जिला सीमांकन के फैसले के बाद पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि व ग्रामीण धरने पर बैठे हुए हैं।

जनआक्रोश रैली में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़, यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, यूथ कांग्रेस कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष सुधींद्र मूड, निर्मल चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

स्थानीय स्तर पर बायतु विधायक व मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, पदमाराम मेघवाल, मदन प्रजापत, फतेह खान, गफूर अहमद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह गोदारा, शम्मा बानो सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व आमजन मौजूद रहेंगे। आयोजकों के अनुसार रैली के माध्यम से सरकार तक क्षेत्र की जनता की नाराजगी और मांगों को मजबूती से पहुंचाया जाएगा।

जैसलमेर में सुरक्षा अलर्टः रामगढ़ थर्मल पावर प्लांट के ऊपर घंटों तक मंडराता रहा संदिग्ध ड्रोन

जैसलमेर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के जैसलमेर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। रामगढ़ कस्बे में स्थित गैस आधारित थर्मल पावर प्लांट के ऊपर प्रतिबंधित क्षेत्र में संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि से प्रशासन, पुलिस और खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। यह घटना सीमावर्ती इलाके में संभावित खतरे की आशंका को और बढ़ा रही है।

स्थानीय ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थर्मल पावर प्लांट के ऊपर आसमान में एक चमकता हुआ ड्रोन नजर आया। ड्रोन से निकलती तेज रोशनी दूर तक दिखाई दे रही थी। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि ड्रोन लगभग एक घंटे तक बिजलीघर और उसके आसपास के क्षेत्र में चक्कर लगाता रहा। रात करीब 11 बजे के बाद वह अचानक नजरों से ओझल हो गया।

गौरतलब है कि जैसलमेर जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से जिले में बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर पहले से ही पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है। खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों, सामरिक प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर के ऊपर ड्रोन उड़ाना पूरी तरह निषिद्ध है। इसके बावजूद इस तरह की गतिविधि सामने आना सुरक्षा तंत्र पर सवाल खड़े करता है।

रामगढ़ थाना प्रभारी भूटाराम विश्नोई ने बताया कि मामले को बेहद गंभीरता से लिया गया है। ड्रोन की उड़ान की दिशा, ऊंचाई, अवधि और उद्देश्य को लेकर गहन जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन सीमा पार से संचालित किया गया या किसी स्थानीय व्यक्ति ने प्रतिबंधों की अनदेखी कर इसे उड़ाया। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, थर्मल पावर प्लांट जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान 'सॉफ्ट टारगेट' की श्रेणी में आते हैं। ऐसे स्थानों की रेकी या निगरानी किसी बड़ी साजिश का संकेत हो सकती है। सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस पावर प्लांट की सामरिक अहमियत भी काफी अधिक है।

किसानों को समय पर नहीं मिली बिजली तो नपेंगे अधिकारी
कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की दो टूक

अलवर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर शहर के मिनी सचिवालय में आज अलवर प्रभारी और कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने जिले की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। बैठक के दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि किसानों को समय पर बिजली उपलब्ध कराना होगा। यदि बिजली आपूर्ति में कोई लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने सड़कों की खराब स्थिति, पेयजल संकट और अन्य जनसमस्याओं पर भी अधिकारियों से फीडबैक लिया और तुरंत समाधान के निर्देश दिए।

बैठक में ईआरसीपी (रामगढ़-चंबल परियोजना) को लेकर भी अहम चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जैसे ही परियोजना का पूरा तकनीकी और प्रशासनिक खाका स्पष्ट होगा, केंद्र सरकार इसे तेजी से पूरा करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार पूरी तैयारी कर चुकी है और बहुत जल्द ईआरसीपी का पानी अलवर शहर के लोगों को मिलेगा, जिससे वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान होगा। राजनीतिक सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने हाल ही में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए महेंद्रजीत सिंह पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "महेंद्रजीत सिंह का दम वहां घुटता होगा, लेकिन भाजपा में हमारा दम नहीं घुटता।" उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय पर सही जवाब केवल महेंद्रजीत सिंह ही दे सकते हैं।

वकील का अपहरण कर 100 किमी दूर ले गए 7 बदमाश
सनसनीखेज वारदात

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में दो दिन पहले सांगानेर इलाके में एक वकील की कार एक टैक्सी से टच हो गई। मामूली सी टक्कर होने के बावजूद टैक्सी में सवार 7-8 बदमाशों ने वकील के साथ मारपीट शुरू कर दी। वकील जैसे तैसे छुड़ाकर कार लेकर भागा लेकिन बदमाशों ने पीछा करके पकड़ा और उसका किडनैप कर लिया। बाद में वकील के घरवालों से फिरौती ली गई। जब पुलिस को इस घटना की सूचना मिली तो पुलिस ने पीछा किया। करीब 100 किलोमीटर पीछा करने के बाद पुलिस ने 7 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

बदमाश ने पीछा किया, भागने के दौरान गली बंद मिली

मारपीट और अपहरण की यह घटना सांगानेर थाना क्षेत्र की है। एडवोकेट मानवेंद्र सिंह अपनी कार से मानसरोवर से सांगानेर लौट रहे थे। उसी दौरान रास्ते में उनकी कार एक टैक्सी के टच हो

गई थी। झगड़े के दौरान एडवोकेट मानवेंद्र सिंह ने मौके से भागना बेहतर समझा। वह कार लेकर मौके से भाग गए लेकिन बदमाशों ने अपनी टैक्सी से पीछा किया। बदमाशों से बचने के लिए मानवेंद्र सिंह कार लेकर आगे भागते रहे। आखिर में वे जिस गली में घुसे। वह गली आगे बंद थी। ऐसे में बदमाशों ने मानवेंद्र सिंह को पकड़ लिया और अपनी गाड़ी में बैठाकर अपहरण कर लिया।

100 किलोमीटर ले गए, फिरौती मंगवाई

वकील का किडनैप करके बदमाश गंगापुर सिटी के लालसोट की तरफ भागे। करीब 100 किलोमीटर भागने के बाद आरोपियों ने अपहृत वकील से उनकी पत्नी को कॉल करके फिरौती की राशि मंगवाई। पहले 8 हजार रुपए मांगे तो वकील की पत्नी ने 8000 रुपए फोनपे कर दिए। थोड़ी देर बाद बदमाशों ने 8000 रुपए और मांगे। जब फोनपे पर 8 हजार रुपए ट्रांसफर नहीं हुए तो बदमाशों ने अपने फोनपे नंबर का क्यूआर कोड वकील की पत्नी को वाट्सएप किया जिसके बाद वकील की पत्नी ने उस क्यूआर कोड पर 8000 रुपए ट्रांसफर किए।

पुलिस ने घेरा बनाकर दबोचा

सांगानेर थाना प्रभारी लिखमाराम बटेसर ने बताया कि वकील के किडनैप की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर पीड़ित वकील की कार लावारिस खड़ी मिली। अपहरण के कुछ देर बाद बदमाशों ने वकील के मोबाइल को स्विच ऑफ कर दिया और अपने नंबर से वकील की पत्नी को कॉल करके फिरोती मांगी। मोबाइल नंबर के आधार पर लोकेशन ट्रेस की गई। फिर पुलिस की टीम लालसोट पहुंची। फिर घेरा बनाकर मौके पर ही सात बदमाशों को पकड़ लिया गया।

तेज रफ्तार स्विफ्ट ने तीन को कुचला
ननिहाल आई 9 साल के मासूम की मौत, 2 गंभीर घायल

नागौर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले में तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने सड़क किनारे खड़े 3 लोगों को चपेट में ले लिया।

भीषण हादसे में ननिहाल आई 9 साल की मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तत्काल कुचामन के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसा जिले के मकराना क्षेत्र के चांडी गांव में देर रात हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की स्पीड इतनी तेज थी की चपेट में आई मासूम तनूजा को तकरीबन 150 फिट तक घसीट कर ले गई। सामने खड़े 2 अन्य लोगों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

10 मिनट पहले ही ताऊ छोड़कर गए थे घर

जानकारी के अनुसार- कक्षा 3 में पढ़ने वाली तनूजा (9) कुछ समय पहले ही अपने ननिहाल आई थी। हादसे से महज 10 मिनट पहले ही उसके ताऊ उसे छोड़कर निकले थे।

तनूजा सड़क किनारे स्थित एक ढाबे पर सामान लेने आई थी। इसी दौरान बेकाबू कार ने उसे कुचल दिया। मृतका के पिता वर्तमान में रोजगार के सिलसिले में गल्फ (खाड़ी देश) में मजदूरी करते हैं।

नशे में धुत ड्राइवर की ग्रामीणों ने की पिटाई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- कार ड्राइवर अत्यधिक नशे में था और वाहन पर उसका नियंत्रण नहीं था। हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने चालक को मौके पर ही दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। सूचना मिलते ही मकराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर वाहन को जब्त किया।

पुलिस ने मृतका के शव को डीडवाना के जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है, जहां सुबह पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया की जाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी स्कूल में 'नॉनवेज पार्टी' करने वाले प्रधानाध्यापक पर शिक्षा विभाग का सख्त एक्शन

सवाई माधोपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के गंगापुर सिटी स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय तालाब की ढाणी में प्रधानाध्यापक अमरसिंह मीना द्वारा विद्यालय में 'नॉनवेज पार्टी' करने का मामला सामने आया है। ये घटना सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। अब शिक्षा विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए प्रधानाध्यापक को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं।

प्रधानाध्यापक अमरसिंह मीना द्वारा विद्यालय परिसर में मीट और रोटियां पकाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।

दरअसल विद्यालय में अचानक बच्चों की छुट्टी कर दी गई। ग्रामीणों ने देखा कि मुख्य गेट अंदर से बंद था। संदेह होने पर कुछ ग्रामीण दीवार फांदकर अंदर पहुंचे तो संस्था प्रधान अमरसिंह मीना कुर्सी पर बैठे मिले। जैसे ही यह मामला सामने आया जिला शिक्षा अधिकारी देवीलाल मीना ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की और तुरंत एक्शन लेते हुए प्रधानाध्यापक के खिलाफ जांच शुरू करके निलंबन के आदेश जारी कर दिए। सोशल मीडिया पर उक्त खबर से संबंधित वीडियो वायरल होने के फलस्वरूप अमरसिंह मीना अध्यापक लेवल प्रथम, प्रधानाध्यापक राजकीय प्राथमिक विद्यालय तालाब की ढाणी, हिंगोटिया ब्लॉक गंगापुर सिटी के विरूद्ध विभागीय जांच प्रस्तावित करते हुए अमरसिंह मीना अध्यापक लेवल प्रथम को राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम-13 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है। विद्यालय में कुल 4 लोगों का स्टाफ हैं, जिनमें से दो शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी लगी थी और एक अवकाश पर था। संस्था प्रधान अकेले स्कूल में मौजूद थे। इस घटना के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में गुस्सा फूट पड़ा। उनका कहना था कि शिक्षा का मंदिर इस तरह के कृत्यों के लिए उपयुक्त स्थान नहीं है। उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

हजारों किसानों ने कलेक्ट्रेट के बाहर डाला पड़ाव, बोले- सरकार से लड़ेंगे आर-पार

श्रीगंगानगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पाँजाब के फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य के दौरान बीकानेर कैनाल (गंगनहर) में 1500 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के विरोध में स्थानीय किसानों ने महाराजा गंगा सिंह चौक पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसान संगठनों का आरोप है कि राज्य सरकार बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के नहरबंदी की तैयारी कर रही है, जिससे रबी की फसलों, विशेषकर गेहूं और जौ, को भारी नुकसान होने की आशंका है। किसानों ने स्पष्ट किया है कि वे किसी भी स्थिति में नहरबंदी स्वीकार नहीं करेंगे। किसानों का कहना है कि यदि नहरबंदी आवश्यक है तो इसे फरवरी के पहले सप्ताह से लागू किया जाए, ताकि जनवरी के अंत तक गेहूं और जौ की फसलों को कम से कम दो-दो सिंचाई मिल सके। किसानों ने मांग की कि हुसैनीवाला से पुरानी बीकानेर कैनाल के माध्यम से 45 आरडी पर पूरा पानी लेने से पूर्व वैकल्पिक व्यवस्था का ट्रायल किया जाए, जिससे बारी पिटने की समस्या न हो। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता अमर सिंह बिश्नोई ने बताया कि पिछले तीन महीनों से जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार को लगातार ज्ञापन भेजे जा रहे हैं, लेकिन नहरबंदी को लेकर अब तक कोई स्पष्ट नीति या ठोस व्यवस्था सामने नहीं आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान संगठनों से बिना किसी परामर्श के नहरबंदी की योजना बनाई गई है। बीकानेर कैनाल की न तो समुचित सफाई कराई गई और न ही गेटों की मरम्मत की गई है।

बजरी माफिया से मिलीभगत में एएसआई समेत 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

टोंक, 13 जनवरी (एजेंसियां)। बजरी माफिया से मिलीभगत करने वाले एक एएसआई सहित 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इनमें टोंक के सोप और अलीगढ़ थाने का स्टाफ शामिल हैं। एसपी राजेश कुमार मीना ने कार्रवाई की।

एसपी ने अपने आदेश में विभागीय जांच का हवाला दिया है। उनका कहना है कि ड्यूटी में लापरवाही बरती गई है। जितनी सख्ती से ड्यूटी करनी चाहिए, वो नहीं कर रहे थे। इसलिए सस्पेंड किया गया।

दूसरी ओर, चर्चा है कि 10 जनवरी को सोप थाने के बाहर से बिना चेक किए धड़ल्ले से बजरी लोड ट्रैक्टर निकलने का वीडियो बनाकर गांव वालों ने एसपी को सौंपा था। वीडियो सुबह 4:50 बजे बनाया गया था। इसी के बाद सोप थाने के एएसआई प्रहलाद नारायण मीणा और कॉन्स्टेबल साबूलाल मीणा को सस्पेंड कर दिया गया है।

इस कार्रवाई में अलीगढ़ थाने के हेड कॉन्स्टेबल सत्यप्रकाश जाट, कॉन्स्टेबल राजेंद्र सिंह और ओमप्रकाश यादव भी शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि इनके ऑडियो सामने आने के बाद कार्रवाई की गई है।

कॉन्स्टेबल ओमप्रकाश यादव कोरोनाकाल में एक बार अलीगढ़ और एक बार बनेठा थाने से सस्पेंड हो चुका है। ओमप्रकाश पर पहले भी बजरी माफियाओं से मिलीभगत के आरोप लगे थे।

नवंबर 2025 में अलीगढ़ थाने के पुलिसकर्मियों का एक ऑडियो सामने आया था। इस ऑडियो में भी अवैध बजरी परिवहन को लेकर बातचीत थी।

एसपी ने वीडियो-ऑडियो पर कहा- सीधे तौर इन मामलों में सस्पेंड नहीं किया गया है, लेकिन इन वीडियो-ऑडियो से प्रारंभिक तौर पर लग रहा है कि लापरवाही रही है। बजरी संबंधित बात मोबाइल पर करते हुए का ऑडियो है। पुलिसकर्मी को किसी से ऐसी बात ही नहीं करनी चाहिए।

वीडियो में बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां थाने के बाहर से निकली हैं। उस समय पुलिसकर्मी कहां थे? किसकी लापरवाही रही है? इन सब बिंदुओं की भी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव शुरू

मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पोन्नम प्रभाकर ने किया उद्घाटन

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आसमान में मंगलवार को रंगों की बहार छा गई, जब परेड ग्राउंड में अंतरराष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव का भव्य उद्घाटन हुआ। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव तथा परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि सदियों पुरानी परंपराओं वाले उत्सव राज्य की समृद्ध संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि ये समारोह हमारी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाते हैं। आज 25 राज्यों और विभिन्न देशों के प्रतिभागियों को एकत्र होते देखना हमारी 'विविधता में एकता' की सच्ची मिसाल है। अपने बचपन की यादों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पतंग उड़ाने का खेल न केवल आनंद और स्वतंत्रता की भावना देता है, बल्कि सामाजिक मेलजोल को भी बढ़ावा देता है। मंत्री ने हैदराबाद में बड़े पैमाने पर पतंग निर्माण को बढ़ावा देने की योजना की घोषणा की। आयात से स्थानीय निर्माण की ओर बढ़कर हम युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं । उन्होंने यह भी बताया कि सरकार का उद्देश्य राज्य की पर्यटन आय बढ़ाना और स्थानीय कारीगरों व बेरोजगारों के लिए आजीविका के अवसर सृजित करना है।

जनता से यात्रा को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए मंत्री ने कहा कि मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि महीने में कम से कम दो दिन पर्यटन स्थलों का भ्रमण करें। इससे मानसिक विश्राम तो मिलेगा ही, साथ ही स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और छोटे व्यापारियों की आजीविका भी सीधे सहेजती है। उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों को संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी और महोत्सव को सफल बनाने का आमंत्रण दिया। उद्घाटन के बाद, दोनों मंत्रियों ने मिठाई महोत्सव की स्टॉलों का दौरा किया, जहां विभिन्न भारतीय राज्यों की पारंपरिक मिठाइयों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने विक्रेताओं के साथ संवाद किया और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया।

शब्बीर अली ने वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने मंगलवार को जम्मू और कश्मीर में श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की मान्यता रद्द किए जाने को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और मुस्लिम छात्रों के खिलाफ 'संस्थागत पक्षपात' का आरोप लगाया।

कामरेड्डी में खात्म-ए-नबुव्वत सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने एमबीबीएस कार्यक्रम की मान्यता रद्द करने का निर्णय तभी लिया जब 50 में से 42 छात्रों का चयन एनईईटी आधारित काउंसलिंग के माध्यम से मुस्लिम छात्रों के लिए हुआ। शब्बीर अली ने कहा कि जब मेरिट उनकी राजनीति के अनुकूल नहीं थी, तो उन्होंने तकनीकी बहाना खोज लिया। यह बुनियादी ढांचे का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह तय करता है कि सीटें किसने हासिल कीं।

टीटीडी ने स्मार्ट क्यूआर कोड फुटवियर काउंटर शुरू किया

तिरुमला, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तिरुमला में लगेज काउंटर की तरह क्यूआर कोड आधारित उन्नत फुटवियर प्रबंधन प्रणाली शुरू की है। नए क्यूआर कोड आधारित फुटवियर काउंटर का उद्घाटन मंगलवार को मातृश्री तारिगोंडा वेंगामंबा अन्नप्रसादम कॉम्प्लेक्स में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी ने किया। मीडिया से बातचीत में अतिरिक्त ईओ ने बताया कि यह प्रणाली तीर्थयात्रियों को तिरुमला पहाड़ियों पर लंबे समय से हो रही फुटवियर गुम होने की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करती है। प्रारंभ में इसे वैकुंठ क्यू कॉम्प्लेक्स – 2 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था और भारी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद टीटीडी ने तिरुमला के प्रमुख स्थानों पर आठ काउंटर स्थापित किए। नई प्रणाली के तहत, अपने फुटवियर जमा कराने पर तीर्थयात्रियों को क्यूआर कोड-जनित स्लिप मिलती है, जिसमें फुटवियर की संख्या, आकार, रैक नंबर, बॉक्स नंबर और स्टोरेज स्थान की पूरी जानकारी होती है। वापसी पर क्यू आर कोड स्कैन करने से फुटवियर का सही स्थान तुरंत दिखाई देता है, जिससे तेजी और सुविधा से प्राप्ति सुनिश्चित होती है। इस प्रणाली के लागू होने के बाद लगभग 99% तीर्थयात्रियों को अब अपने फुटवियर आसानी से मिल जाते हैं, जबकि पहले यह आंकड़ा 70-80% था।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता बडेर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं द्वारा विशेष मीटिंग में 14 व 15 जनवरी को आयोजित होने वाले क्रिकेट, खो-खो, महिला मंडल गेम्स, 19 जनवरी माही सुदी बीज महोत्सव जागरण एवं 26 जनवरी गणतं दिवस को भव्यरुप से मनाने के लिए विचार-विमर्श करते हुए अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में समाज बन्धुओं द्वारा अलियाबाद क्रिकेट ग्राउंड में 15 फरवरी से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 क्रिकेट प्रतियोगिता के भव्य आयोजन के लिए विचार-विमर्श कर उपस्थित समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, प्रतियोगिता की 24 टीमों के कप्तान व समाज बन्धु।

तेलंगाना ने 70.82 लाख मीट्रिक टन धान खरीद के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने खरीफ 2025-26 सीजन के दौरान 70.82 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद कर इतिहास रच दिया है। यह किसी भी राज्य द्वारा अब तक की गई सबसे अधिक खरीद है। यह जानकारी नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को यहां दी। इस खरीद से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत 13.97 लाख किसानों को लाभ मिला। आंकड़ों का विवरण देते हुए मंत्री ने बताया कि इसमें 32.45 लाख मीट्रिक टन मोटा (कोर्स) धान और 38.37 लाख मीट्रिक टन बारीक किस्म का धान शामिल है।

खरीदा गया सारा धान प्रसंस्करण के लिए मिलों में भेज दिया गया है। एमएसपी भुगतान 16,602 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जिसमें 98 प्रतिशत राशि का वितरण पूरा हो चुका है। इसके अलावा 1,425 करोड़ रुपये बोनस के रूप में दिए गए। मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि किसानों के कल्याण और खाद्य सुरक्षा के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

'वीबी-जी राम-जी' योजना को लेकर कांग्रेस पर बरसे बंडी संजय

केन्द्रीय मंत्री का दावा, तेलंगाना को 340 करोड़ रुपये का लाभ

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने मंगलवार को केंद्र की नई 'वीबी-जी राम-जी रोजगार गारंटी योजना' का विरोध करने पर कांग्रेस नेताओं पर तीखा हमला बोला और इसे 'घृणित राजनीति' करार दिया।

करीमनगर के त्रिधा होटल में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए संजय ने कहा कि यह योजना 'स्थायी ग्राम संपत्तियों' का निर्माण करेगी और 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार को सुनिश्चित करेगी। साथ ही, यह कृषि के चरम मौसम में श्रम की कमी से जूझ रहे किसानों को राहत देगी। उन्होंने बताया कि केंद्र देशभर में अतिरिक्त 17,000 करोड़ रुपये खर्च करेगा, जिसमें से तेलंगाना को पिछले वर्ष की तुलना में 340 करोड़ रुपये अधिक मिलेंगे।

उन्होंने रोजगार योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने को लेकर कांग्रेस द्वारा खड़ा किए गए विवाद की आलोचना की और कहा कि योजनाओं के नाम बदलना नया नहीं है। 'कांग्रेस ने स्वयं वाजपेयी काल की वाम्बे आवास योजना का नाम बदलकर इंदिरा गांधी आवास योजना रखा और एनटीआर हवाई अड्डे का नाम बदलकर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा किया। संजय ने कहा कि मौजूदा रोजगार योजना पर हर साल 86,000 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण नहीं हो पाया और कार्य केवल दोहराव वाले कामों तक सीमित रहे। इसके विपरीत, नई वैधानिक 'वीबी-जी राम-जी' योजना में सालाना 1.51 लाख करोड़ रुपये का परिव्यय होगा, जिसमें केंद्र का योगदान 95,692 करोड़ रुपये और राज्यों का 55,589 करोड़ रुपये होगा। राज्यों को कृषि मौसम के दौरान 60 दिनों तक कार्यों को छूट देने का अधिकार होगा, ताकि खेती या श्रमिकों की आजीविका पर कोई असर न पड़े। औसतन सालाना लगभग 200 दिनों का रोजगार उपलब्ध होगा। कार्यान्वयन में सुधार के लिए प्रशासनिक खर्च को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है और कार्यों को ग्राम सभाओं के माध्यम से अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे गांववासी परिसंपत्तियों के निर्माण का निर्णय ले सकें। 'केंद्र मार्गदर्शन करेगा, निगरानी नहीं।

जिलों के पुनर्गठन पर संजय ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर पर मनमाने ढंग से फैसले लेने का आरोप लगाया और कहा कि जिलों का गठन उनके रिश्तेदारों के लिए 'पारिवारिक संपत्ति' की तरह किया गया। उन्होंने कांग्रेस सरकार को भी ऐसी ही गलती न दोहराने की चेतावनी दी और इस मुद्दे पर तत्काल सर्वदलीय बैठक तथा जन परामर्श की मांग की।

पतंगबाजी करते समय सावधानी जरूरी : जायसवाल

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आज संक्रांति समारोह के हिस्से के रूप में, जामबाग डिवीजन के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ओल्ड कट्टलमंडी और 2बीएचके कॉलोनी में पतंगों का वितरण किया। इस अवसर पर राकेश जायसवाल ने जनता से पतंग उड़ाते समय सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए जिम्मेदारी से त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने सभी से चाइना मांझे का इस्तेमाल बिल्कुल न करने का आग्रह किया, क्योंकि यह इंसानों, पक्षियों, जानवरों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। इस कार्यक्रम में अमर सिंह, आधारी राजकुमार, अध्यक्ष, मयूर कालेकर, रघुनाथ, वेंकट रेड्डी, अज्जू मुदिराज, महेश यादव, श्रीकांत आदि ने भाग लिया।

बीती रात कृष्ण गोपाल सेवा समिति की तरफ से विविध क्षेत्रों में गरीबों में कंबल वितरण किए गए। अवसर पर समिति अध्यक्ष कपिल कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव मनोज गुप्ता, ईसी सदस्य सिद्धार्थ पालचम, आनंद चौकड़ा, मनीष अग्रवाल और कोषाध्यक्ष किश अग्रवाल ने भाग लेकर सेवा कार्यक्रम को सफल बनाया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा लोहड़ी और मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में हिमायतनगर स्थित कार्यालय में पतंग बाजी एवं लोहड़ी की आग जलाकर त्योहार मनाया गया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया , स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, शीतल बंसल, संगीता जजोड़िया, रूपा गुप्ता, प्रीति गोयल, संतोष अग्रवाल, जॉली गुप्ता, सपना जैन, नीता अग्रवाल, सोनिया गोयल, संगीता बिंदल, कोमल अग्रवाल, अंजना मेहता, ज्योति कुलकर्णी, सुनयना नर्सरियों, बीना पारेख एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

ग्राम पंचायतों को 277 करोड़ रुपए की धनराशि

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति पर्व के अवसर पर राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों के लिए एक अच्छी खबर दी है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने राज्य सरकार की ओर से नवनिर्वाचित सरपंचों को बधाई दी और 277 करोड़ रुपए की धनराशि जारी करने की घोषणा की। इसके बाद वित्त विभाग के अधिकारियों ने यह राशि तुरंत ग्राम पंचायतों को जारी कर दी। मंगलवार को प्रजा भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों के सरपंचों और वार्ड सदस्यों को संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

आंध्र प्रदेश महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आईटी रिस्क मैनेजमेंट के लिए आईबीए अवार्ड्स जीते

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) द्वारा मुंबई में आयोजित 21वें वार्षिक बैंकिंग टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस, एक्सपो और साइटेशन्स 2024-25 में कोऑपरेटिव सेक्टर बैंक्स कैटेगरी में बेस्ट टेक्नालजी अवार्ड (रनर-अप) और बेस्ट आईटी मैनेजमेंट बैंक स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया है। ये प्रतिष्ठित पुरस्कार बैंक के एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस का लाभ उठाने, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और इंडस्ट्री के बेस्ट प्रैक्टिस के अनुसार मजबूत आईटी रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क को लागू करने में लगातार प्रयासों को मान्यता देते हैं। खास बात यह है कि ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का एकमात्र कोऑपरेटिव बैंक है, जिसने इस राष्ट्रीय स्तर के मंच पर ये प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किए हैं।

इस अवसर पर बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ वी. अरविंद ने कहा कि यह उपलब्धि बैंक के बोर्ड, मैनेजमेंट और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है और अपने ग्राहकों को सुरक्षित, संरक्षित और टेक्नोलॉजी संचालित बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के अपने विजन को मजबूत करती है। महेश बैंक 4 राज्यों- तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ काम कर रहा है और आरबीआई के पात्रता मानदंडों के अधीन 50वें स्वर्ण जयंती समारोह वर्ष यानी 2028 तक 5 और शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। बैंक अपने सिद्धांतों को बरकरार रखते हुए खुद को एक ऐसे संगठन में बदल रहा है जो किसी भी कमर्शियल बैंक के बराबर लेटेस्ट टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट के साथ प्रोडक्ट्स और सेवाएं प्रदान करता है।

सिंगापुर में दुर्लभ हिमालयी गिद्ध को राजमार्ग से बचाया गया

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगापुर के एक पशु कल्याण समूह ने "संकट के करीब" श्रेणी में आने वाले एक दुर्लभ हिमालयी गिद्ध को राजमार्ग से पानी की कमी और थकावट की हालत में बचाया। एनिमल कंसर्न्स रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी (एसीआरईएस) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कलाई वनन बालकृष्णन ने बताया कि गिद्ध को 11 जनवरी को प्रवासी पक्षी के रूप में बचाया गया। वह फिलहाल एसीआरईएस की पशु चिकित्सा टीम की देखरेख में है और जंगल में वापस छोड़ने से पहले पूरी तरह स्वस्थ किया जाएगा।

गिद्ध आमतौर पर हिमालय के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाता है और सिंगापुर में बहुत कम ही दिखाई देता है। उसके पंखों का फैलाव 2.5 से 3 मीटर तक होता है और वजन 12 किलोग्राम तक हो सकता है। पिछले रिकॉर्ड के अनुसार, सिंगापुर में हिमालयी गिद्धों को आखिरी बार फरवरी 2025 में देखा गया था। स्थानीय अधिकारियों और पक्षी प्रेमियों ने जनता से वन्यजीवों को नुकसान न पहुंचाने का आग्रह किया है।

राजेंद्रनगर में तेज रफ्तार कार पलटी, दो घायल

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह राजेंद्रनगर क्षेत्र के अत्तापुर में पीवीएनआर स्तंभ संख्या 143 के पास एक तेज रफ्तार कार के कारण अफरा-तफरी मच गई। खबरों के अनुसार तेज रफ्तार से जा रही कार पहले एक खड़ी लॉरी से टकराई और फिर व्यस्त सड़क पर पलट गई। इस हादसे में कार सवार दो लोग घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के चलते मौके पर भारी यातायात जाम लग गया और वाहनों की आवाजाही काफी देर तक धीमी रही। इसी दौरान पास ही धीमे ट्रैफिक में एक और हादसा हुआ, जब तेज रफ्तार एक्टिवा स्कूटर ने पीछे से एक लॉरी को टक्कर मार दी। इस घटना में स्कूटर सवार घायल हो गया। राजेंद्रनगर पुलिस के अनुसार किसी को गंभीर चोट नहीं आई है और दुर्घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है।

सिंगुर मरम्मत के बीच बीयर कंपनियों को पानी, किसान परेशान

संगारेड्डी, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगुर बांध पर चल रहे मरम्मत कार्यों के कारण क्षेत्र के किसान पानी की कमी से जूझ रहे हैं, जबकि सरकार ने बीयर कंपनियों को मंजिरा नदी का पानी देने का आश्वासन दिया है। सिंगुर क्षेत्र में 65 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर निर्भर किसान पीने और सिंचाई के लिए वैकल्पिक जल व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस घोषणा नहीं हुई है।सोमवार को आबकारी सचिव एम रघुनंदन राव और आयुक्त सी हरि किरण ने संगारेड्डी में बीयर और पेय पदार्थ कंपनियों का दौरा किया। अधिकारियों ने गर्मी को देखते हुए बीयर उत्पादन बढ़ाने और आवश्यक स्टॉक तैयार रखने के निर्देश दिए।

मिधानि में विश्व हिंदी दिवस 2026 का आयोजन

हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड मिधानि में विश्व हिंदी दिवस समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राभाकास) के तत्वावधान में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने की।

अवसर पर उद्यम की निदेशक (वित्त) श्रीमती के. मधुबाला ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन रहा, जिसमें हिंदी के कवियों- डॉ. ऋषभदेव शर्मा, वेणुगोपाल भट्टड एवं वहीद क़ादरी पाशा ने हास्य-व्यंग्य से भरपूर एवं विचारोत्तेजक रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की वाहक है।

उन्होंने हिंदी के वैश्विक विस्तार, बढ़ते भाषिक प्रभाव और मिधानि में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

अपने वक्तव्य में डॉ. ऋषभदेव शर्मा ने विश्व-मानचित्र के परिप्रेक्ष्य में विचार रखते हुए कहा कि किसी भाषा की शक्ति केवल उसके बोलने वालों की संख्या से नहीं, बल्कि उसके भौगोलिक विस्तार, सांस्कृतिक उपस्थिति और बहु-महाद्वीपीय स्वीकार्यता से भी आंकी जानी चाहिए। डॉ. शर्मा ने यह भी रेखांकित किया कि हिंदी केवल भारत तक सीमित भाषा नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक भाषिक भूगोल में एक महत्वपूर्ण स्थान अर्जित कर चुकी है। समारोह के दौरान मिधानि की राजभाषा गृह पत्रिका 'संकल्प' के 31वें अंक (ई-पत्रिका का 11वाँ अंक) का विमोचन किया गया तथा हिंदी मासिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मिधानि गीत के साथ हुआ। समारोह का समापन राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। स्वागत-सत्कार से लेकर गृहपत्रिका लोकार्पण, काव्यपाठ और पुरस्कार वितरण तक समूचे आयोजन का संचालन डॉ. बी. बालाजी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी अनुभाग की श्रीमती रत्नकुमारी, अवर कार्यपालक (हिंदी), डॉ. विकास आजाद, सहायक (अनुवाद) और डाक अनुभाग के कर्मचारी प्रेम व जयपाल का सक्रिय योगदान रहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं होंगे आरसीबी के मैच

नवी मुंबई और रायपुर में होने की संभावना; विक्ट्री परेड में भगदड़ मची थी

बेंगलुरु, 13 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने घरेलू मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम और रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीजन आरसीबी अपने होम मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं खेलेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, आरसीबी के अधिकारियों ने आईपीएल 2026 के लिए इन दोनों स्टेडियमों को होम वेन्यू बनाने की योजना बनाई है। मौजूदा प्लान के तहत टीम 5 मैच नवी मुंबई और 2 मैच रायपुर में खेल सकती है।

दरअसल, 4 जून को बेंगलुरु में आरसीबी के आईपीएल विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने इस

स्टेडियम में बड़े आयोजनों को लेकर सख्त रुख अपनाया। इसी वजह से बीसीसीआई को विजय हजारे ट्रॉफी और विमेंस वर्ल्ड कप के कुछ मैच भी बेंगलुरु से बाहर शिफ्ट करने पड़े थे।

पुणे में खेल सकती है आरआर

यह भी बताया जा रहा है कि आरसीबी ने अभी तक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच कराने को लेकर कोई संपर्क नहीं किया है।

वहीं, राजस्थान रॉयल्स भी अपने घरेलू मैच इस बार पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेल सकती है, जबकि टीम का होम ग्राउंड जयपुर है। राजस्थान का होम ग्राउंड जयपुर है। आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में ट्रॉफी सेलिब्रेशन रखा था, लेकिन खराब प्लानिंग और भीड़ नियंत्रण की कमी के कारण हालात बिगड़ गए। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। घटना ने न सिर्फ टीम मैनेजमेंट बल्कि कर्नाटक सरकार को भी कटघरे में खड़ा कर दिया था।

जयपुर स्टेडियम सुरक्षित नहीं है

रॉयल्स ने प्राइवेट कंपनी से सर्वे कराया है। इसमें स्टेडियम की हालत काफी नाजुक बताई गई है। स्टेडियम को रिनोवेट कराने की बात कही गई है। कोई हादसा न हो जाए इसलिए राजस्थान रॉयल्स जयपुर से मैच शिफ्ट करना चाहती है।

मुंबई इंडियंस ने जिसे आईपीएल में 2.6 करोड़ दिए

उसी ने हरा दिया मैच, काव्या मारन का भी कराया नुकसान

केप टाउन, 13 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका की टी20 लीग में 12 जनवरी को प्रिटोरिया कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस केप टाउन के बीच मुकाबला खेला गया. इस मुकाबले में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने एमआई केप टाउन को हरा दिया और उस हार की बड़ी वजह वही खिलाड़ी बना जिसे मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के लिए 2.6 करोड़ रुपये दिए हैं. हम बात कर रहे हैं शेरफेन रदरफोर्ड की, जिन्हें मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के लिए गुजरात टाइटंस से ट्रेड किया है. लेकिन, अब वो एसए20 में मुंबई इंडियंस को मिली हार के साथ-साथ काव्या मारन को हुए नुकसान की भी वजह बने हैं.

रदरफोर्ड ने जड़ा पहला अर्धशतक

एसए20 में प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए खेलने वाले शेरफेन रदरफोर्ड ने एमआई केप टाउन के खिलाफ 12 जनवरी को खेले मैच में सबसे ज्यादा छक्के उड़ाए. प्रिटोरिया कैपिटल्स की ओर से 11 छक्के लगे, जिसमें से 5 अकेले शेरफेन रदरफोर्ड ने मारे. इन 5 छक्कों की बदौलत उन्होंने 196.29 की स्ट्राइक रेट से 27 गेंदों में ही 53 रन जड़ दिए, जो कि लीग के मौजूदा

शेरफेन रदरफोर्ड

सीजन में उनका पहला अर्धशतक है.

रदरफोर्ड और ब्रेविस के दम पर प्रिटोरिया ने बनाए 186 रन

रदरफोर्ड के धमाकेदार अर्धशतक की बदौलत प्रिटोरिया कैपिटल्स ने एमआई केप टाउन के खिलाफ 20 ओवर में 6 विकेट पर 185 रन बनाए. इसमें रदरफोर्ड के अर्धशतक के अलावा डिवाल्ड ब्रेविस के 19 गेंदों पर बनाए 34 रन की तूफानी पारी का भी अहम योगदान रहा. अब मुंबई इंडियंस केप टाउन को 186 रन का लक्ष्य मिला, जिसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन ही बना सकी और 53 रन से मुकाबला हार गई.

रदरफोर्ड बने जीत के हीरो

मुंबई इंडियंस केप टाउन को मिली इस हार में शेरफेन रदरफोर्ड हीरो बने. उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. उनके दमदार प्रदर्शन के चलते प्रिटोरिया कैपिटल्स ने सिर्फ मुंबई इंडियंस केप टाउन को हराया ही नहीं है बल्कि पॉइंट्स टेबल में भी टॉप पर पहुंच गई है.

काव्या मारन की टीम का ऐसे हुआ नुकसान

12 जनवरी को खेले मुकाबले से पहले तक काव्या मारन की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप का पॉइंट्स टेबल में टॉप पर दबदबा था. उसके सबसे बेहतर रन रेट भी हैं. लेकिन, एमआई केप टाउन को हराने के बाद अब प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अब काव्या मारन की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप को नुकसान पहुंचाते हुए उसे दूसरे नंबर पर धकेल दिया है. प्रिटोरिया कैपिटल्स के अब 8 मैचों में 20 पॉइंट हैं. वहीं सनराइजर्स ईस्टर्न केप के 7 मैचों के बाद फिलहाल 19 अंक हैं.

डब्ल्यूपीएल के 3 मैच बगैर दर्शकों के होंगे

नवी मुंबई में नगर निगम चुनाव के कारण पुलिस ने सुरक्षा देने से मना किया

मुंबई, , 13 जनवरी (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग में 14, 15 और 16 जनवरी के मैच बगैर दर्शकों के खेले जाएंगे। तीनों मुकाबले नवी मुंबई के डीवाय पाटील स्टेडियम में होने हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नवी मुंबई में 15 जनवरी को नगर निगम चुनाव होंगे, इस कारण पुलिस ने डब्ल्यूपीएल मैचों में सुरक्षा देने से मना कर दिया। नवी मुंबई पुलिस ने चुनावों के लिए महाराष्ट्र के बाकी शहरों से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग भी कर दी है।

तीनों मैचों के टिकट भी नहीं बिक रहे

बीसीसीआई ने बगैर दर्शकों के मैच पर अब तक कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया। हालांकि, टिकट पार्टनर 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' ने 14, 15 और 16 जनवरी के मैचों के टिकट की डिटेल्स अपनी वेबसाइट से हटा ली है। इस दौरान यूपी वॉरियर्ज को 2 मैच खेलने हैं।

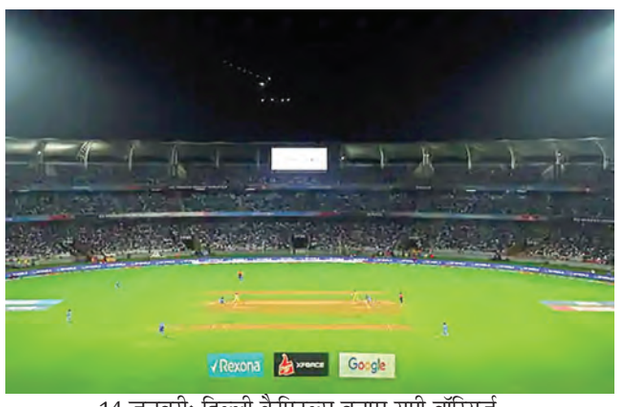

14 जनवरीः दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्ज

15 जनवरीः मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्ज

16 जनवरीः गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

16 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी।

16 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी।

चुनावों की तारीख 15 दिसंबर को घोषित हुई थी, इसके 2 सप्ताह पहले डब्ल्यूपीएल का शेड्यूल रिलीज किया गया था। 3 दिन ब्रेक के बाद नवी मुंबई में 17 जनवरी से फिर दर्शक लौट आएंगे। इस दिन टूर्नामेंट का दूसरा डबल हेडर भी खेला जाएगा। मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्ज के बीच पहला मैच होगा। वहीं दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा।

19 जनवरी से वडोदरा में मैच खेले जाएंगे

डब्ल्यूपीएल में 18 जनवरी तक सभी मैच नवी मुंबई में खेले जाएंगे। 19 जनवरी से सभी मुकाबले वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में होंगे। इनमें लीग स्टेज के 9 मैच के साथ प्लेऑफ और फाइनल भी शामिल हैं। 5 फरवरी को टूर्नामेंट का फाइनल होगा।

जोकोविच ने बिना रैकेट चलाए रचा इतिहास

खेल डेस्क, 13 जनवरी (एजेंसियां)। टेनिस जगत में फिर एक बार नोवाक जोकोविच ने ऐसा कारनामा किया है जिसका मुकाबला आधुनिक खेल में मिलना मुश्किल है।

दिलचस्प यह कि इस रिकॉर्ड के लिए उन्हें 2026 में अब तक रैकेट चलाने तक की जरूरत नहीं पड़ी। जोकोविच ने लगातार 1000 हफ्ते एटीपी टॉप-40 में बने रहकर इतिहास रच दिया है।

लगातार 19 साल की स्थिरता

यह माइलस्टोन अप्रैल 2006 से शुरू हुआ था, जब 19 वर्षीय जोकोविच पहली बार एटीपी टॉप-40 में दाखिल हुए थे। रोलां गैरोस के अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के तुरंत बाद उनकी रैंकिंग चढ़ी और तब से, लगभग 19 साल में, वे एक भी हफ्ता इस क्षेत्र से बाहर नहीं गए। इस दौरान टेनिस में युग बदले, खिलाड़ी बदले, सतहों की तेज़ी और फिजिकल डिमांड्स बढ़ीं, लेकिन जोकोविच की स्थिरता लगातार बनी रही। 2026 की शुरुआत में जोकोविच ने एडिलेड इंटरनेशनल से हटने का फैसला किया और एटीपी दौरे के शुरुआती टूर्नामेंट नहीं खेले। इसके बावजूद उनका प्रभाव कम नहीं हुआ। जहां ब्रिस्बेन में डेनिल मेदवेदेव और हांगकांग में एलेक्जेंडर बुब्लिक ने खिताब जीते, वहीं 38 वर्षीय जोकोविच एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर बने हुए हैं। उनके आगे फिलहाल कार्लोस अल्काराज, यानिक सिनर और एलेक्जेंडर ज्वेरेव हैं। जोकोविच का करियर तीन पीढ़ियों को छूता है। शुरुआत में उन्होंने रोजर फेडरर और राफेल नडाल जैसे दिग्गजों से मुकाबला किया, फिर एंडी मरे के दौर में दबदबा बनाया और अब अल्काराज़-सिनर जैसी नई पीढ़ी से जूझ रहे हैं। उनके लिए लॉन्गेविटी अब ट्रॉफियों जितनी ही बड़ी उपलब्धि बन चुकी है। 2025 में चारों ग्रैंड स्लैम में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद अब जोकोविच एक और बड़ा लक्ष्य लेकर 2026 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में उतरेंगे। उनकी नजर 25वें मेजर खिताब यानी ग्रैंड स्लैम खिताब पर होगी। एडिलेड छोड़कर सीधे मेलबर्न पर फोकस करना इसी सोच का हिस्सा है।

एलिसा हीली इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेंगी

भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद विदाई

बोली थीं- बढ़ती उम्र-चोटें परेशान कर रहीं

मेलबोर्न, 13 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है।

वह फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली घरेलू मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के बाद अपना करियर खत्म करेंगी। पर्थ में खेला जाने वाला डे-नाइट टेस्ट उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच होगा।

टी-20 सीरीज नहीं खेलेंगी

एलिसा हीली भारत के खिलाफ प्रस्तावित टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा नहीं लेंगी। उन्होंने यह फैसला साल के अंत में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए लिया है, ताकि टीम नए खिलाड़ियों के साथ तैयारी शुरू कर सके।

पर्थ टेस्ट से करेंगी करियर का अंत

हीली भारत के खिलाफ वनडे मुकाबले खेलेंगी और इसके बाद

6 से 9 मार्च 2026 तक पर्थ में होने वाले डे-नाइट टेस्ट में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगी। यह उनके करियर का 11वां टेस्ट मैच होगा।

मानसिक थकान और चोटें बनीं वजह

'विलो टॉक' पॉडकास्ट में एलिसा हीली ने कहा कि पिछले कुछ साल उनके लिए मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रहे हैं। लगातार चोटों और बढ़ती उम्र के साथ खुद को पहले जैसी तैयारी में रखना मुश्किल हो गया था।

टीम के हित में लिया फैसला

हीली ने कहा कि 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप तक खेलने की कोशिश करना टीम के हित में नहीं होता। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और नए खिलाड़ियों को मौके देने की जरूरत है।

घर पर विदाई की इच्छा

उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज उनके लिए भावनात्मक रूप से खास है और वह परिवार व टीम के बीच अपने करियर का अंत करना चाहती थीं।

फिटनेस को लेकर भरोसा

एलिसा ने बताया कि ODI वर्ल्ड कप के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद वह फिलहाल खुद को फिट और मजबूत महसूस कर रही हैं।

आईसीसी बोला—बांग्लादेश को भारत में ही टी20 वर्ल्डकप खेलना होगा

वेन्यू बदलने की मांग खारिज; कहा— हमने जांच की, भारत में कोई खतरा नहीं

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की टी-20 वर्ल्ड कप के वेन्यू बदलने की मांग खारिज कर दी है। आईसीसी ने साफ किया कि वर्ल्ड कप के शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा। आईसीसी के हवाले से यह खबर दी। हालांकि, बाद में इस पोस्ट को डिलीट किया और आईसीसी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी देते हुए दूसरा पोस्ट किया।

आईसीसी ने इंटरनेशनल एक्सपर्ट की जांच में पाया कि बांग्लादेश टीम और अधिकारियों को भारत में कोई खतरा नहीं है। खासतौर पर कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश के तय मुकाबलों को लेकर जोखिम को सुरक्षा इंतजामों से संभाला जा सकता है।

वर्ल्ड कप पर आईसीसी का नजरिया 5 पॉइंट्स में

शेड्यूल तय, कोई बदलाव नहीं होगा आईसीसी ने कहा कि T20 वर्ल्ड कप 2026 का मैच शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका है और सभी भाग लेने वाली टीमों से नियमों के तहत अपनी

जिम्मेदारियां निभाने की उम्मीद है। आईसीसी ने यह भी दोहराया कि उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

खतरे को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स खारिज Iआईसीसी ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने कंटिन्जेंसी प्लानिंग (आपात योजना) को वास्तविक खतरे के रूप में पेश किया, जो सही नहीं है। संभावित परिस्थितियों पर पहले से योजना बनाना एक सामान्य और पेशेवर प्रक्रिया है, ताकि हर स्थिति के लिए तैयारी रहे, भले ही उसकी संभावना बहुत कम क्यों न हो। इन परिकल्पनाओं को किसी तरह का आदेश या निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए।

बीसीसीआई और प्रशासन पर भरोसा आईसीसी ने भारत में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और स्थानीय प्रशासन पर पूरा भरोसा जताया। आईसीसी के मुताबिक, भारत का रिकॉर्ड बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों को सुरक्षित तरीके से कराने का मजबूत रहा है।

टीम सिलेक्शन पर कोई शर्त नहीं रखी आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने कभी यह नहीं कहा कि किसी टीम को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों को चुनना या बाहर करना चाहिए, दर्शकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से रोका जाए या किसी देश की घरेलू लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बदलाव किया जाए।

सुरक्षा की लगातार समीक्षा की जा रही आईसीसी ने बताया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सुरक्षा योजना की लगातार समीक्षा की जा रही है। इस प्रक्रिया में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड समेत सभी सदस्य बोर्डों से सलाह ली जा रही है। आईसीसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सुरक्षा इंतजाम और मजबूत करने के लिए वह सुझावों और संवाद के लिए खुला है।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

16 दिसंबर को आईपील मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण भारत में मुस्तफिजुर का विरोध होने लगा। अब तक वहां 6 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है। बाद में बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर को आईपीएल खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया।

बांग्लादेश ने आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाया

केकेआर से मुस्तफिजुर को रिलीज किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की सरकार ने IPL के प्रसारण पर बैन लगा दिया। साथ ही भारत में वर्ल्ड कप मैच खेलने से भी इनकार कर दिया और आईसीसी को वेन्यू बदलने के लिए ई-मेल भेजा था।

ग्रुप-सी में है बांग्लादेश

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है।

हरियाणा के खिलाड़ियों पर टिकी पीडब्ल्यूएल की नींव

ओलिंपिक मेडलिस्ट और विश्व विजेता; एशियन चैंपियन बनेंगे लीग की शान

झज्जर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। पीडब्ल्यूएल की नींव हरियाणा के रेसलर्स पर टीकी हुई है। लंबे अंतराल के बाद होने जा रहे पीडब्ल्यूएल के 5 वें सीजन में ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत, U 23 विश्व विजेता सुजीत कलकल, अंतिम पंघाल जैसे बड़े खिलाड़ी इस लीग में भाग ले रहे हैं। इनके साथ ही 4 बार के हिंद केसरी हैवी पहलवान भी पीडब्ल्यूएल में रेसलिंग करते नजर आएंगे। पीडब्ल्यूएल लेकर शेड्यूल जारी कर दिया गया है। हरियाणा के खिलाड़ियों के लीग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। लीग का आयोजन 15 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक नोएडा इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। 15 जनवरी को खेले जाने वाले सीजन के उद्घाटन मुकाबले में पंजाब रॉयल्स और यूपी डोमिनेटर्स आमने-सामने होंगे।

हरियाणा के सितारों पर रहेगी नजरें

इस पीडब्ल्यूएल सीजन में हरियाणा के सितारों पर सबकी नजरें टीकी रहेंगी। अंतिम पंघाल, जिन्होंने 52 लाख में यूपी डोमिनेटर्स का दामन थामा, और मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन सुजीत कलकल, जिन्हें दिल्ली डंगल वॉरियर्स ने समान राशि में साइन किया। पेरिस ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को टाइगर्स ऑफ मुंबई डंगल ने 51 लाख में टीम में शामिल किया।

पीडब्ल्यूएल में कुल 15 कुश्ती मुकाबले होंगे

इस सीजन में दिल्ली डंगल वॉरियर्स, हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई डंगल, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डोमिनेटर्स कुल छह फ्रेंचाइजी लीग और नॉक आउट फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा करेंगी। लीग चरण में कुल 15 मुकाबले 13 मैच डेज में खेले जाएंगे। राउंड-रॉबिन फॉर्मेट के बाद शीर्ष चार टीमें 30 और 31 जनवरी को होने वाले सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, जबकि पीडब्लू-एल 2026 का फाइनल 1 फरवरी 2026 को खेला जाएगा।

पहले दो दिन होंगे डबल हेडर मैच

शेड्यूल में 16 और 17 जनवरी 2026 को लगातार दो डबल-हेडर मैच डे शामिल हैं। पहले डबल-हेडर में महाराष्ट्र केसरी का मुकाबला दिल्ली डंगल वॉरियर्स से शाम 6:00 बजे शुरू होगा, जिसके बाद पंजाब रॉयल्स हरियाणा थंडर्स से भिड़ेगी। 17 जनवरी को टाइगर्स ऑफ मुंबई डंगल शाम 6:00 बजे यूपी डोमिनेटर्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद दिल्ली डंगल वॉरियर्स और हरियाणा थंडर्स आमने-सामने होंगे।

लीग का अंतिम मुकाबला 29 जनवरी को होगा

लीग चरण के प्रत्येक मुकाबले में विभिन्न भार वर्गों में कुल नौ बाउट्स होंगी। इनमें ओलिंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियन, उभरते भारतीय सितारे और रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पीडब्लू-एल 2026 नीलामी के दौरान साइन किए गए अंतरराष्ट्रीय पहलवान हिस्सा लेंगे। लीग चरण का अंतिम मुकाबला 29 जनवरी 2026 को खेला जाएगा, जिसमें पंजाब रॉयल्स का सामना दिल्ली डंगल वॉरियर्स से होगा।

सुमित नागल डेविस कप क्वालिफायर्स टीम में शामिल

भारत के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी, सिंगल मुकाबलों में देंगे चुनौती

झज्जर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले भारत के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल एक बार फिर देश की डेविस कप उम्मीदों का चेहरा बनकर सामने आए हैं। हाल ही में सुमित नागल को नीदरलैंड्स के खिलाफ डेविस कप 2026 क्वालिफायर्स के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

मुकाबला 7 और 8 फरवरी को एस. एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम, बेंगलुरु में खेला जाएगा। सुमित नागल के अलावा युकी भांबरी और करण सिंह को मुख्य टीम में जगह मिली है, जबकि दिग्विजय सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। वहीं हरियाणा के खिलाड़ी सुमित नागल ने भारत को पिछले साल 32 सालों का रिकार्ड तोड़ा था और यूरोपीय टीम को हराकर डेविस कप अपने नाम किया था।

विश्व रैंकिंग 279 पर काबिज सुमित नागल हाल ही में राउंड ग्लास टेनिस अकादमी से जुड़े हैं। उनका यह कदम अकादमी के लिए भी मील

का पत्थर माना जा रहा है, जिसने खुद को देश के सबसे भरोसेमंद और महत्वाकांक्षी हाई-परफॉर्मेंस टेनिस केंद्रों में स्थापित किया है।

सिंगल्स मुकाबलों में सुमित नागल के साथ करण सिंह और दक्षिणेश्वर सुरेश भारत की चुनौती संभालेंगे, जबकि डबल्स में अनुभवी युकी भांबरी के ऋत्विक बोली पल्ली के साथ उतरने की संभावना है। करण सिंह इससे पहले पिछले साल फरवरी में दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में टोगो के खिलाफ डेविस कप में पदार्पण करते हुए अपने सिंगल्स मैच में जीत दर्ज कर चुके हैं।

भारत ने सितंबर में बील, स्विट्जरलैंड में खेले गए डेविस कप 2025 वर्ल्ड ग्रुप-I मुकाबले में मेज़बान टीम को 3-1 से हराकर 2026 क्वालिफायर्स में जगह बनाई थी। यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही, 1993 के बाद पहली बार भारत ने यूरोप की धरती पर किसी यूरोपीय देश को हराया और उस जीत के नायक भी सुमित नागल रहे, जिन्होंने अपने दोनों सिंगल्स मुकाबले जीतकर टीम को आगे बढ़ाया।

सुमित के पिता सुरेश नागल दिल्ली में जेबीटी प्राइमरी टीचर हैं। वहीं उनकी मां कृष्णा देवी घर पर ही रहती हैं और उनकी एक बड़ी बहन साक्षी है, जो दिल्ली में टीजीटी टीचर हैं। उनके पिता ने बताया कि सुमित ने 12वीं की पढ़ाई हरियाणा बोर्ड से पूरी की और रांची से बीए की पढ़ाई की है। पिता सुरेश कुमार ने बताया कि बचपन में सुमित क्रिकेट भी खेलता था और 7 साल की उम्र में ही टेनिस खेलने लग गया था।

बेहतर रेलवे बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास : ईटेला

अतिरिक्त वेंट का निर्माण जनता के लिए लाभकारी : राजशेखर रेड्डी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी के सांसद ईटेला राजेंदर ने मंगलवार को मच्चा बोलारम में, मल्काजगिरी के विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी की उपस्थिति में, अलवाल और बोलारम बाजार रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे अंडर ब्रिज संख्या 739 पर अतिरिक्त वेंट के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद डिवीजन के डिविजनल रेलवे मैनेजर संतोष कुमार वर्मा, दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर, दक्षिण मध्य रेलवे के उप महाप्रबंधक उदयनाथ कोटला, हैदराबाद डिवीजन के सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर डॉ. अनिरुद्ध पामर तथा अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए सांसद ईटेला राजेंदर ने कहा कि जुड़वां शहरों के लोगों को बेहतर रेलवे बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए सभी स्तरों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और जनता को लाभ पहुंचाने के लिए संबंधित संस्थाओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों और समन्वय के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे अंडर ब्रिज संख्या 739 पर अतिरिक्त वेंट के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ होगा और रेलवे अंडर ब्रिज पर सड़क यातायात बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा। सांसद ने उनकी मांगों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने और शीघ्र कार्रवाई करने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा दक्षिण मध्य रेलवे की सराहना की।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे अमृत स्टेशनों के विकास, रोड अंडर ब्रिजों और रोड ओवर ब्रिजों के निर्माण जैसी परियोजनाओं को तेज़ी से पूरा कर रहा है। सभा को संबोधित करते हुए विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी ने कहा कि रेलवे अंडर ब्रिज संख्या 739 पर अतिरिक्त वेंट का निर्माण जनता के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। उन्होंने बताया कि रेलवे विभाग ने इस परियोजना को आगामी छह महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उपलब्ध भूमि में ही कार्य किया जाएगा और आसपास के घरों या संपत्तियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि वाजपेयी नगर में भी रोड अंडर ब्रिज के निर्माण के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की शुरूआत में हैदराबाद डिविजनल रेलवे मैनेजर संतोष कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए परियोजना का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि रोड अंडर ब्रिज संख्या 739 पर अतिरिक्त वेंट के निर्माण के लिए 7.7 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे यातायात सुचारु रूप से चलेगा और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ होगी।

प्रतिबंधित चीनी मांजा से दो लोग घायल

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को शहर में प्रतिबंधित चीनी मांजा से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। पहली घटना में मीरपेट के अलमासगुडा मुख्य सड़क पर चलते समय 70 वर्षीय महिला यदम्मा के पैर में पतंग की नुकीली डोर फंस गई, जिससे उन्हें गहरी चोट आई और भारी रक्तस्राव हुआ। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

दूसरी घटना उप्पल के दक्षिण स्वरूप नगर में हुई, जहां नाल्लाकुंटा पुलिस स्टेशन में तैनात सहायक उप-निरीक्षक नागराजू के गले में चीनी मांजा फंस गया, जिससे उन्हें गंभीर गर्दन की चोट आई। यह घटना उस समय हुई जब वे प्रदर्शनी के लिए अपने उप्पल स्थित आवास से निकल रहे थे। उन्हें एलबी नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

'तेलंगाना राइजिंग' विशेष कार्यक्रम दावोस में आयोजित होगा

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ) 2026 में वैश्विक नेताओं के समक्ष अपने दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण, निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र और परिवर्तनकारी विकास एजेंडा को प्रस्तुत करने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम दावोस में आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, राज्य सरकार 'तेलंगाना राइजिंग 2047' रोडमैप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रमुख वैश्विक कंपनियों के सीईओ, उद्योग प्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के लिए एक विशेष और विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित करेगी। दिसंबर में तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न डॉक्यूमेंट के विमोचन और ग्लोबल समिट के दौरान आकर्षित बड़े निवेशों के बाद, राज्य सरकार 19 से 23 जनवरी तक होने वाले डब्लूईएफ 2026 में अपनी विकास दृष्टि को प्रदर्शित करने की योजना बना रही है। इसमें आईटी, लाइफ साइंसेज़, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में वैश्विक व्यापार के अवसरों को उजागर किया जाएगा। 20 जनवरी की शाम को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम तेलंगाना को एक वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार किया गया है, जिसमें प्रगतिशील नीतियों, प्रभावशाली विकास दर और नवाचार-आधारित विकास को प्रदर्शित किया जाएगा।

तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल राज्य के क्योर, प्योर और रेयर फ्रेमवर्क के साथ-साथ भारत फ्यूचर सिटी, मूसी नदी पुनर्जीवन, क्षेत्रीय रिंग रोड , क्षेत्रीय रिंग रेलवे और विनिर्माण ज़ोन की स्थापना जैसे गेम-चेंजर प्रोजेक्ट्स की योजनाओं को प्रस्तुत करेगा। इस कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना लाइफ साइंसेज़ पॉलिसी 2026-2030 और तेलंगाना एआई हब्स का औपचारिक अनावरण किया जाएगा, जो 2047 विज़न के अनुरूप नवाचार-आधारित विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में हैदराबाद में वैनगार्ड, नेटफ्लिक्स, मैकडॉनल्ड्स और लोरियल जैसी कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स की व्यापक जानकारी भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर तेलंगाना की तेज़ जीएसडीपी वृद्धि, प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों, मज़बूत बुनियादी ढांचे और अगले दो दशकों के लिए तैयार दीर्घकालिक विकास रोडमैप को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करें।

सीएम नायुडू बोले-पीड़ितों को 25 हजार मुआवजा मिलेगा

> काकीनाडा में आग से नष्ट हुए थे 40 घर

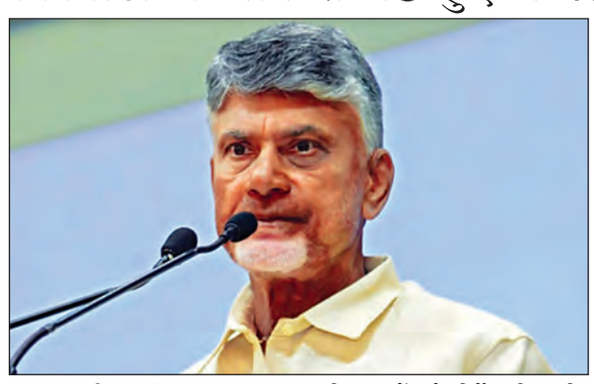

अमरावती, 13 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने मंगलवार को अधिकारियों को काकीनाडा जिले में आग दुर्घटना से प्रभावित आदिवासी परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। दरअसल, काकीनाडा जिले के सरलंका गांव में आदिवासी परिवारों के लगभग 40 फूस के मकान सोमवार को जलकर खाक हो गए, हालांकि इस घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ।

25000 का राहत राशि दी जाएगी

नायुडू ने एक विज्ञप्ति में कहा, पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान की जानी चाहिए। प्रत्येक प्रभावित परिवार को आज 25,000 रुपये की तत्काल राहत राशि प्रदान की जा रही है। इसी बीच, वाईएसआरसीपी सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने घटना पर हैरानी जताई। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को 1 लाख रुपये प्रति परिवार प्रदान करे।

जिनके घर जले हैं, उन्होंने नया घर स्वीकृत किया जाए :

मुख्यमंत्री ने कहा कि संक्रांति त्योहार के दौरान हुई आग दुर्घटना ने गांव में भारी त्रासदी ला दी है। गृह मंत्री वी. अनीता ने मुख्यमंत्री को राहत उपायों के बारे में जानकारी दी, जिसमें पीड़ितों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए आश्रय और भोजन की व्यवस्था शामिल है। मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि जिन परिवारों का घर आग में नष्ट हो गया है, उन्हें नया घर स्वीकृत किया जाए अधिकारियों को निर्देश दिया कि घर बनने और सौंपे जाने तक आवास और अन्य सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि आग दुर्घटना में नष्ट हुए दस्तावेजों और आधार कार्डों को जारी करने में सहायता के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं।

प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि नायुडू ने मंत्रियों और जिला अधिकारियों को राहत और पुनर्वास उपायों की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख जताया :

इस बीच, वाईएसआरसीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। रेड्डी ने एक बयान में कहा, यह घटना बेहद दुखद है। आग तेजी से फैली और कुछ ही मिनटों में पूरी बस्ती राख में तब्दील हो गई। पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को तुरंत आश्रय और भोजन उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि किसी भी पीड़ित को कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने प्रत्येक प्रभावित परिवार को 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की और उन सभी लोगों के लिए नए घरों को स्वीकृत करने का आह्वान किया जिन्होंने अपने घर खो दिए थे। विपक्षी नेता ने यह भी अपील की कि जब तक स्थायी मकानों का निर्माण और उन्हें सौंप नहीं दिया जाता, तब तक पीड़ितों को आवश्यक आवास और आवश्यक सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

मड्डूर गांव और सीसीएस मामलों के लिए उच्चस्तरीय एसआईटी गठित

सीएम और महिला आईएएस अधिकारी के मामलों की जांच करेगी

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने नारायणपेट जिले के मड्डूर गांव और हैदराबाद सीसीएस में दर्ज मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। डीजीपी शिवधर रेड्डी ने आठ सदस्यीय एसआईटी के गठन के आदेश जारी किए, जिसकी अध्यक्षता हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार करेंगे। कावा वेंकटेश नामक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री की अश्लील तस्वीरें बनाकर उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किया था। कांग्रेस नेता गुल्ला नरसिंह की शिकायत पर 11 जनवरी को मामला दर्ज किया गया। हाल ही में एक महिला आईएएस अधिकारी को बदनाम करने वाली खबरों के प्रसार के संबंध में सीसीएस में एक मामला दर्ज किया गया है। आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की शिकायत के आधार पर दो तेलुगु समाचार चैनलों और सात यूट्यूब चैनलों के खिलाफ बीएनएस की धारा 75, 78, 79, 351(1) और 351(2) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। एसआईटी इन दोनों मामलों की जांच करेगी। एसआईटी के सदस्यों में नॉर्थ रेंज संयुक्त आयुक्त श्वेता, चेवेल्ला डीसीपी योगेश गौतम, हैदराबाद एडमिन डीसीपी वेंकट लक्ष्मी, साइबर क्राइम डीसीपी अरविंद बाबू, विजिलेंस अतिरिक्त एसपी प्रताप कुमार, सीसीएस एसीपी गुरु राघवेंद्र, साइबर सेल इंस्पेक्टर शंकर रेड्डी और साइबर सेल एसआई हरीश शामिल हैं।

प्लास्टिक रीसाइक्लिंग यूनिट में भीषण आग

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह शहर के बाहरी इलाके राजेंद्रनगर के बुडवेल क्षेत्र में एक प्लास्टिक रीसाइक्लिंग यूनिट में भीषण आग लग गई। आग लगते ही यूनिट से घना धुआं उठने लगा, जिससे आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। दमकलकर्मी परिसर के भीतर प्रवेश कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारण और इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मेडारम में रिकॉर्ड तोड़ 3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

> जातरा को लेकर मंत्रियों ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति, जनजाति, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार और पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का ने कहा कि 28 से 31 जनवरी तक आयोजित होने वाली मेडारम सम्मक्का-सरलम्मा जातरा में लगभग 3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि श्रद्धालुओं को सुचारु अनुभव प्रदान करने के लिए सभी सरकारी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। दोनों मंत्रियों ने मंगलवार को सचिवालय में मेडारम जातरा को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और साब्यसाची घोष, अतिरिक्त डीजी

विजय कुमार और स्वाति लकड़ा, विभिन्न विभागों के सचिव, मुलुगु जिला कलेक्टर दिवाकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष इस उत्सव में 1.5 करोड़ श्रद्धालु आए थे और 2026 के आयोजन के लिए सरकार लगभग 150 करोड़ रुपये के बड़े बजट के साथ व्यापक तैयारियां कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक होगी। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि सम्मक्का-सरलम्मा जातरा का आयोजन असाधारण रूप से किया जाए और इसे कुंभ मेले से भी बेहतर बनाया जाए, जिससे राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी को इस आयोजन की सफलता की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मंत्री सीतक्का ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस वर्ष के जातरा आयोजन के लिए कुल 251 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें 150 करोड़ रुपये सामान्य व्यवस्थाओं के लिए और 101 करोड़ रुपये वेदियों (आल्टर) के नवीनीकरण के लिए निर्धारित हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुगम दर्शन उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर मंत्रियों सीतक्का और लक्ष्मण कुमार ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव के साथ मिलकर मुलुगु जिला प्रशासन द्वारा विकसित विशेष लोगो, मोबाइल ऐप और प्रचार वीडियो का शुभारंभ भी किया।

नामपल्ली में 19 जनवरी को मेगा जॉब फेयर

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के सामने रेड रोज पैलेस में सोमवार 19 जनवरी को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। आयोजक मन्नान खान ने बताया कि जॉब फेयर में कई कंपनियां भाग लेंगी, जो फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी, आईटीईएस, शिक्षा, बैंकिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। कुछ कंपनियों द्वारा वर्क फ्रॉम होम के विकल्प भी दिए जाएंगे। एसएससी कक्षा 10 न्यूनतम योग्यता रखने वाले उम्मीदवार साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। प्रारंभिक साक्षात्कार कार्यक्रम स्थल पर ही आयोजित किए जाएंगे। जॉब फेयर में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 8374315052 पर संपर्क कर सकते हैं।

कविता के कांग्रेस में शामिल होने की खबर निराधार : टीपीसीसी अध्यक्ष

केवल जीतने की क्षमता वाले उम्मीदवारों को ही टिकट

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने स्पष्ट किया कि ऐसा होने का कोई सवाल ही नहीं है। मंगलवार को पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस पार्टी का कोई भविष्य नहीं है और वह केवल अपने अतीत में उलझी हुई है। उन्होंने कहा कि कविता ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सच्चाई सामने रखी है, जिससे कांग्रेस पार्टी के आरोपों की पुष्टि होती है। उनके अनुसार, कविता के खुलासों से जनता को केसीआर के भ्रष्टाचार की वास्तविकता समझ में आ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि तेलंगाना का कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वे दोनों तेलुगु राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे में एक भी बूंद पानी की बर्बादी नहीं होने देंगे। महेश कुमार गौड़ ने बताया कि निगम अध्यक्षों की नियुक्तियां अप्रैल में की जाएंगी और पदों की तुलना में आवेदकों की संख्या अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नगर निकाय चुनावों के लिए एक समिति गठित करेगी और केवल जीतने की क्षमता वाले उम्मीदवारों को ही टिकट दिए जाएंगे। उन्होंने भाजपा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा कितनी बार हिंदू भावनाओं से खिलवाड़ कर जनता का समर्थन हासिल कर सकती है?

धर्म को राजनीति से जोड़ना स्वस्थ परंपरा नहीं है। हम भी हिंदू हैं और उन्हीं देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, लेकिन कांग्रेस धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगती। उन्होंने पूर्व बीआरएस सरकार पर जिलों के अवैज्ञानिक पुनर्गठन का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी प्रथाएं कहीं और देखने को नहीं मिलतीं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अब अधिक तर्कसंगत बदलावों के लिए एक समिति गठित करने की योजना बना रहे हैं और किसी भी जिले को समाप्त करने का कोई इरादा नहीं है।

टीआईएमएस अस्पताल उगादी तक मरीजों की सेवा के लिए तैयार : राजा नरसिम्हा

स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल स्थल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया कि सनथनगर स्थित टीआईएमएस अस्पताल उगादी त्योहार तक आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। मंगलवार को अस्पताल स्थल का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और पुष्टि की कि इसका उद्घाटन उगादी तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल भवन का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, हालांकि कुछ विद्युत कार्य अभी शेष है। ऑपरेशन थिएटर, डायग्नोस्टिक सुविधाएं और अन्य उपकरणों की स्थापना अंतिम चरण में है। अत्याधुनिक तकनीक वाले बड़े उपकरण, जैसे एमआरआई, पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम प्रचार पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हमारा उद्देश्य समुदाय को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। उगादी तक हम यहां मरीजों को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार इस 1000 बिस्तरों वाले अस्पताल में सभी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सनतनगर टीआईएमएस को हृदय संबंधी उपचारों के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा और इस क्षेत्र में आवश्यक शोध भी किया जाएगा। हम एक अत्याधुनिक अंग प्रत्यारोपण केंद्र स्थापित कर रहे हैं और सभी प्रकार की अंग प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए उन्नत ऑपरेशन थिएटर उपलब्ध कराए जाएंगे। राजा नरसिम्हा ने यह भी कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 10,000 पदों को भरा है और वर्तमान में 7,000 से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया, जल्द ही और नौकरी अधिसूचनाएं जारी की जाएंगी। डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की कोई कमी नहीं होगी।

सीईओ ने यूरोपीय संसद के संचार महानिदेशक से मुलाकात की

ब्रुसेल्स/हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुधर्शन रेड्डी ने मंगलवार को यूरोपीय संसद के संचार महानिदेशक (डीजी कम्युनिकेशन) क्रिश्चियन मैंगोल्ड से मुलाकात की। इस दौरान चुनावों के समय फैलने वाली गलत सूचना (मिसइन्फॉर्मेशन) से निपटने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जनता के विश्वास को मजबूत करने को लेकर व्यापक चर्चा हुई। इस बातचीत में यूरोपीय संघ की निर्वाचन प्रणाली की संरचना और कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान दिया गया। मैंगोल्ड ने बताया कि किस प्रकार यूरोपीय संघ की संस्थाएं चुनावी अवधि के दौरान फेक न्यूज़, डिजिटल हेरफेर और भ्रामक प्रचार से निपटने के लिए रणनीतिक संचार के माध्यम से समन्वय करती हैं।

तेलंगाना के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे सी. सुधर्शन रेड्डी ने भारत की निर्वाचन व्यवस्था के बारे में जानकारी दी और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीई) की नई पहलों को रेखांकित किया, जिनका उद्देश्य दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, प्रवासी मतदाताओं और अन्य संवेदनशील वर्गों के लिए समावेशी और सुलभ चुनाव सुनिश्चित करना है। अधिकारियों के अनुसार, मैंगोल्ड ने भारत में चुनावों के संचालन की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव प्रबंधन का पैमाना, पारदर्शिता और पेशेवर दक्षता अत्यंत सराहनीय है। क्रिश्चियन मैंगोल्ड जनवरी 2025 से यूरोपीय संसद में संचार महानिदेशक (डीजी कम्युनिकेशन) के रूप में कार्यरत हैं। यह बैठक तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की जारी यूरोपीय यात्रा का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चुनाव प्रबंधन में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करना और बढ़ते डिजिटल दुष्प्रचार के दौर में चुनावी निष्पक्षता की रक्षा के लिए सहयोगात्मक तरीकों की खोज करना है।

कोथुर में युवक की हत्या का मामला सुलझा, दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोथुर पुलिस ने माधव बिरादर उर्फ आकाश (2%) की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में मामला 11 जनवरी को दर्ज किया गया था। मृतक राजेंद्रनगर की साई नगर कॉलोनी का निवासी था और पुलिस रिकॉर्ड में एक कुख्यात अपराधी के रूप में जाना जाता था।

जांच में पुलिस ने बताया कि आकाश ने मोहम्मद ओवैज (21) से 1.5 लाख रुपये उधार लिए थे और रकम न चुकाने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। वहीं दूसरे आरोपी मोहम्मद इरफान (19) को आकाश से व्यक्तिगत रंजिश थी, क्योंकि उसे संदेह था कि आकाश के उसकी बहन से करीबी संबंध हैं। इन्हीं कारणों से दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। 11 जनवरी को वे आकाश को ऑटो में लेकर कोथुर गए, जहां शराब पी गई। नशे की हालत में आरोपियों ने बीयर की बोतलों और चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गए। पुलिस ने बाद में दोनों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद - 500 004

ई-निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद में बैंक के मुख्य कार्यालय भवन पर स्थित सभागार के लिए वेरिएबल रेफ्रिजरेंट फ्लो (VRF / VRV) टेक्नोलॉजी पर आधारित एयर-कंडीशनिंग सिस्टम का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (डीएसआईटीसी)

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद में बैंक के मुख्य कार्यालय भवन पर स्थित सभागार के लिए वेरिएबल रेफ्रिजरेंट फ्लो (VRF / VRV) टेक्नोलॉजी पर आधारित एयर-कंडीशनिंग सिस्टम का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (डीएसआईटीसी) के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹22 लाख (रुपये बाईस लाख केवल) है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो 14 जनवरी 2026 को 18:00 बजे से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर 'निविदाओं' के तहत उपलब्ध हैं।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 28 जनवरी 2026 को 13:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकारों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद, 14 जनवरी 2026
हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.